राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 284
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 26 अप्रैल 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 बाइक से टकराकर ट्रक में लगी भीषण आग, हादसे में हरिद्वार जा रहे दो दोस्तों की मौत, एक घायल
पेज 5 उप्र की मंडियों में जैविक अनाज की होगी ब्रांडिंग, हर मंडल में बनेगी टेस्टिंग लैब : योगी
पेज 7 युद्ध के अपने उद्देश्य में रूस नाकाम, अगर सही इक्विपमेंट मिले तो जीत सकता है यूक्रेन : अमेरिका

एटीएस और नौसेना का ऑपरेशन

गुजरात के समुद्री तट से 280 करोड़ की ड्रग्स बरामद, 9 आरोपी भी पकड़े गए

कच्छ। इंडियन कोस्ट गार्ड को आज सुबह एक बड़ी कामयाबी मिली, जब एक संयुक्त अभियान के तहत पाकिस्तानी नाव को अरब सागर में करीब 280 करोड़ रुपए कीमत की हेरोइन के साथ पकडा। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान से आई अल हज नाम की नाव को पकड़ा गया है। नाव में सवार 9 लोगों को भी हिरासत में लिए गए हैं। यह अभियान इंडियन कोस्ट गार्ड और गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते ने मिलकर चलाया था। आगे की जांच के लिए नाव को जखाई तट लाया जा रहा है।

एक व्यक्ति हुआ है घायल

भारतीय कोस्ट गार्ड को देखते ही नाव में सवार लोगों ने भागने की कोशिश की। इसी दौरान नाव में सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। नाव में ड्रग्स के साथ मछली पकड़ने का भी काफी सामान था। इससे साफ है कि मछली पकड़ने की आड़ में ड्रग्स गुजरात पहुंचाई जाने वाली थी।

9 फरवरी को पकड़े गए थे 6 मछुआरे

इसी साल 9 फरवरी को भी क्रीक इलाके से 9 पाकिस्तानी बोट पकड़ी गई थीं। दरअसल, कोस्ट गार्ड की पेट्रोलिंग के दौरान मछुआरे अपनी नाव छोड़कर दलदली इलाके में छिप गए थे। बोट मिलने के बाद चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान इन्हीं बोटों पर सवार होकर आए 6 पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा गया था। हालांकि, इनकी बोट से कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली थी।

गुजरात के समुद्री रास्ते पर ड्रग माफियाओं की नजर

अब तक भारत में कश्मीर और पंजाब की सीमा से ड्रग्स की तस्करी होती थी। लेकिन, इन दोनों सीमाओं पर सख्त चौकसी के चलते ड्रग्स माफियाओं की नजर गुजरात की समुद्री सीमा पर है। इसी के चलते पिछले कुछ समय से गुजरात के समुद्री तटों से काफी मात्रा में ड्रग्स जब्त की जा चुकी है।

दिल्ली में तीन मंजिला इमारत गिरी

सत्य निकेतन में भरभराकर गिरी अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग, मलबे में दबे 5 मजदूरों को बचाया, 2 की मौत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सोमवार दोपहर एक तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढह गई। हादसा सत्य निकेतन इलाके में हुआ। इस हादसे में कुछ मजदूर मलबे में फंस गए थे। बचाव कर्मियों ने इनमें से 5 मजदूरों को तीन घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में बचा लिया है। दो मजदूरों की मौत हो गई है।

ये हादसा दोपहर 1.25 बजे के करीब हुआ, जब बिल्डिंग में काम चल रहा था। बिल्डिंग का निर्माण पिछले कुछ महीनों से चल रहा था और एक पीजी होस्टल का रूप दिया जा रहा था। फिलहाल बचाव और राहत का कार्य बंद कर दिया गया है।

खबर मिलते ही पुलिस, दमकल की 6 गाड़ियां और अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गए थे। मलबे को हटाने के लिए जेसीबी मशीन की मदद भी ली गई। ह्ष्ठक्रस्न की टीम मौके पर पहुंची थी।

बिल्डिंग काफी पुरानी थी

दिल्ली फायर सर्विस के डायरेक्टर अतुल गर्ग ने कहा कि हादसा काफी संकरे स्थान पर होने से वाहन पहुंचने में परेशानी आई लेकिन लेकिन हमारी टीम पहुंच गई और राहत और बचाव कार्य किया। प्रारंभिक तौर पर जानकारी सामने आई है कि बिल्डिंग काफी पुरानी थी और इसका रिनोवेशन किया जा रहा था।

बचाव कर्मियों ने मलबे में फंसे 5 मजदूरों को निकाल लिया है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। दो मजदूरों के शव भी मलबे में मिले।

उधर, दक्षिणी दिल्ली के मेयर मुकेश सूर्यन ने मकान मालिक को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि निगम की ओर से पिछले महीने ही एडवाइजरी जारी की गई थी। मेयर ने कहा कि इमारत के मालिक ने इस मरम्मत कार्य की जानकारी नहीं दी थी।

डॉग स्क्वॉड भी मौके पर पहुंचा

मलबे के अंदर जीवित मजदूरों का पता लगाने के लिए एनडीआरएफ की टीम अपने साथ डॉग स्क्वॉड भी लाई थी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है। जिला प्रशासन राहत और बचाव के काम में जुटा है। मैं खुद घटना से संबंधित हर जानकारी ले रहा हूं।

तिरुपति : श्रद्धालुओं की वैन में ट्रक ने मारी टक्कर, चार की मौत आठ घायल

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि आठ अन्य घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब सोमवार तड़के एक ट्रक और एक मिनीवैन की आमने-सामने की टक्कर हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर एक पुलिस की टीम पहुंची और आसपास के लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया गया। इसके बाद घायलों को अस्पताल में पहुंचाया गया है।

दरअसल, यह घटना तिरुपति की है। अधिकारियों ने बताया कि एक मिनीवैन में सवार 12 लोगों की एक पार्टी तुरपू कानुपुरू गांव में मुथयालम्मा मंदिर में दर्शन के बाद अपने पैतृक गांव लौट रही थी। ठीक इसी दौरान श्रीकालहस्ती में अर्धनारीश्वर तीर्थ के पास पहुंचने के दौरान मिनीवैन को विपरीत दिशा से यात्रा कर रहे एक तेज ट्रक ने टक्कर मार दी।

चश्मदीदों ने बताया कि टक्कर इतनी तेज थी कि हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य की मौत तिरुपति के एसवीआर सरकारी जनरल अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। चार बच्चों सहित आठ अतिरिक्त यात्रियों को तिरुपति के अस्पताल ले जाने से पहले श्रीकालाहस्ती क्षेत्र अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने दुर्घटना के कारण राजमार्ग यातायात बाधा को हटा दिया। फिलहाल पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद जांच शुरू की है। मृतकों की पहचान अर्जुनैया (45), उनकी पत्नी नरसम्मा (40), मारेम्मा (43) और धरणी (10) के रूप में हुई है। चालक श्रीनिवास (30), कविता (28), धनुष (13), गोपी (29), आनंद (30), मोक्षिता (3) और दिल्ली रानी (19) सहित घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

85 किलो चरस के साथ 3 इंटरनेशनल तस्कर गिरफ्तार

नेपाल से बोलेरो में छिपाकर लाए थे कानपुर, गाड़ी में बना रखी थी कैविटी, एसटीएफ ने पकड़ा

कानपुर। यूपी एसटीएफ ने मादक पदार्थों की तस्करी के इंटरनेशनल गैंग का खुलासा किया है। बर्रा थाना क्षेत्र से स्ञ्जस्न टीम ने एक बोलेरो को जब्त किया, जिसमें कैविटी बनाकर साढ़े 85 किलो चरस छिपाई गई थी। इसकी इंटरनेशनल मार्केट में कीमत करीब 4 करोड़ 28 लाख रुपए है। इस दौरान स्ञ्जस्न ने तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों ने कबूल किया कि वे मादक पदार्थों की तस्करी देश के कई राज्यों में करते हैं।

इस तरह बरामद की चरस

एसटीएफ को सूचना मिली थी कि एक बोलेरो से कुछ तस्कर कानपुर की तरफ जा रहे हैं। इस पर टीम ने लखनऊ से गाड़ी का पीछा करना शुरू किया। कानपुर में बर्रा थाना क्षेत्र के रामगोपाल चौराहे के पास STF ने बोलेरो को ओवरटेक कर रोक लिया।

उसमें तीन लोग सवार थे, जिन्हें पकड़ लिया गया। स्ञ्जस्न ने जब बोलेरो की तलाशी ली, तो खुलासा हुआ कि उसमें कैविटी बनाकर चरस के पैकेट छिपाए गए थे।

बोलेरो में चेचिस हटाकर अलग से एक बॉक्स लगाया गया था, जिसमें चरस रखी थी। मौके से रोशन पटेल, आशीष टक्कर और शैलेंद्र कुमार सोनी उर्फ शीलू को पकड़ा गया है। जब्त की गई बोलेरो शैलेंद्र की है।

बोलेरो से 85 किलो 600 ग्राम चरस के पैकेट बरामद हुए हैं। तस्करों ने बताया कि वे लोग परमिट हासिल कर बोलेरो लेकर नेपाल गए।

वहां काठमांडू के पास से चरस ली। उसके बाद बोलेरो में जगह बनाकर चरस के पैकेट छिपा दिए और लौट रहे थे। नेपाल से बिहार, गोरखपुर होते हुए ये तीनों कानपुर पहुंचे थे।

कानपुर में फल-फूल रहा मादक पदार्थों का धंधा

कानपुर में मादक पदार्थों का अवैध कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। बताया जा रहा है कि बर्रा थाना क्षेत्र में चरस का कारोबार कई सालों से चल रहा था।

बड़े पैमाने पर चल रहे चरस के इस अवैध कारोबार से स्थानीय पुलिस भी बेखबर थी। इसकी सटीक सूचना मिलने के बाद जब एसटीएफ ने छापेमारी की, तो पुलिसकर्मियों में भगदड़ मच गई।

प्रशांत किशोर पर फैसला अटका

उदयपुर में 13 से 15 मई तक होगा कांग्रेस का चिंतन शिविर, 6 कमेटियां तय करेंगी पार्टी का भविष्य

दिल्ली। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की खबरों पर कांग्रेस ने फिर चुप्पी साध ली है, लेकिन कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में क्या नीति रहेगी, इसका फैसला एम्पावर्ड एक्शन ग्रुप ही करेगा। सोमवार को 10 जनपथ में हुई बैठक में कांग्रेस ने भविष्य को लेकर बड़ा फैसला लिया, जिसके तहत कांग्रेस ने 6 नई कमेटियां बनाई हैं।

6 कमेटियों को लीड करेंगे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता

दूसरी ओर कांग्रेस 13 से 15 मई तक उदयपुर में नव संकल्प चिंतन शिविर करेगी। जिसके लिए किसान और कृषि, युवा और बेरोजगारी, संगठनात्मक मामले, सामाजिक अधिकारिता, आर्थिक राज्य और राजनीतिक मामलों सहित छह एजेंडों पर चर्चा के लिए 6 अलग-अलग कमेटियां बनाई गई हैं।

इन सभी 6 कमेटियों के अलग-अलग संयोजक के तौर पर मल्लिकार्जुन खड़गे, सलमान खुर्शीद, पी चिदंबरम, मुकुल वासनिक, भूपिंदर सिंह हुड्डा और अमरिंदर सिंह वारिंग काम करेंगे।

दिग्विजय के भाई बोले- पीके को मप्र से राज्यसभा भेजा जाए

दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ने प्रशांत किशोर की तारीफ करते हुए उन्हें मध्यप्रदेश से राज्यसभा भेजे जाने की मांग की है। लक्ष्मण का कहना है कि प्रशांत की रणनीति कई राज्यों में सफल रही है। इसलिए कांग्रेस अध्यक्ष ने उन्हें आमंत्रित किया है। पिछले एक हफ्ते से इस पर चर्चा चल रही है। लक्ष्मण ने कहा कि प्रशांत किशोर को पार्टी में लेना चाहिए और उनकी राय भी लेनी चाहिए। एमपी में एक सीट खाली हुई है, उन्हें यहां से राज्यसभा भेज दें तो इसमें कोई बुराई नहीं। इसका लाभ कांग्रेस को जरूर मिलेगा।

कमेटी सौंप चुकी है प्रशांत किशोर की एंट्री पर रिपोर्ट

सोनिया गांधी ने प्रशांत की प्रेजेंटेशन और उनके पार्टी में शामिल होने पर विचार करने के लिए कांग्रेस नेताओं की समिति का गठन किया था। इस कमेटी ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

यूपी में लाउडस्पीकर पर सख्ती: 125 उतरवाए गए, 17 हजार की आवाज हुई धीमी

अलविदा की नमाज के लिए संवेदनशील जनपदों में विशेष प्रबंध किए गए है

एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने धर्मस्थलों में तय मानकों का उल्लंघन करते हुए बजाए जाने वाले अवैध लाउडस्पीकरों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। इन्हें हटवाने के आदेश दिए गए हैं। ऐसे धर्मस्थलों की थानावार सूची बनाने को भी कहा गया है, जहां ध्वनि सीमा के मानकों का पालन नहीं हो रहा है। इस बीच एडीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि 125 लाउडस्पीकर उतरवा लिए हैं और लोगों ने लगभग 17 हजार स्पीकर की आवाज स्वेच्छा से कम की है। उन्होंने कहा कि अलविदा की नमाज के लिए संवेदनशील जनपदों में विशेष प्रबंध किए गए हैं

30 अप्रैल तक देनी होगी रिपोर्ट

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने सोमवार को इस संबंध में शासनादेश जारी किया। इसमें धर्मस्थलों में नियमों के पालन की साप्ताहिक समीक्षा जिला स्तर पर करने और पहली अनुपालन रिपोर्ट 30 अप्रैल तक शासन को भेजने को कहा गया है। जिलों की रिपोर्ट मंडलायुक्तों के माध्यम से और कमिश्नरेट की रिपोर्ट पुलिस आयुक्त के माध्यम से शासन को भेजी जाएगी।

धर्मगुरुओं से संवाद कर हटेंगे अवैध लाउडस्पीकर

शासनादेश में कहा गया है कि धर्मगुरुओं से संवाद व समन्वय के आधार पर अवैध लाउडस्पीकरों को हटवाया जाए और निर्धारित डेसिबल का पालन कराया जाए। कई जिलों में इसका पालन हुआ है, लेकिन कुछ जिलों में इसका कड़ाई से पालन कराए जाने की जरूरत है।

प्रयागराज और जौनपुर में हटाए गए लाउडस्पीकर

प्रयागराज और जौनपुर जिलों में तेज आवाज में बज रहे लाउडस्पीकर हटाने या उनकी आवाज धीमी करने का काम शुरू हो गया है। जौनपुर में मस्जिदों और मंदिरों से कहीं लाउडस्पीकर उतारा गया तो कहीं माइक की आवाज धीमी कर दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर डा. संजय कुमार ने बताया कि सभी धर्म गुरुओं से मुख्यालय व थानों पर बैठक करते हुए वार्ता की गई। जिले में दो दिन में 23 लाउडस्पीकर उतारे गए हैं। प्रयागराज में भी की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक चौक जामा मस्जिद से अमन भरा पैगाम देते हुए अजान की आवाज धीमी कर दी गई है। जामा मस्जिद के गुंबद और छतों पर लगे छह में से चार लाउडस्पीकर हटा दिए गए हैं।

हर क्षेत्र के लिए तय हैं मानक

शासनादेश में कहा गया है कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लिए ध्वनि मानक औद्योगिक, वाणिज्यिक, आवासीय या शांत क्षेत्रों को वर्गीकृत करते हुए पहले से तय हैं।

इन मानकों का पालन कराने की कार्रवाई से संबंधित रिपोर्ट शासन के साथ-साथ उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भी भेजी जाए।

तेज डीजे बजाने वालों की भी खैर नहीं

वाणिज्यिक व आवासीय क्षेत्रों में संचालित होटल-बार तथा शादी-विवाह के आयोजनों में तेज आवाज में डीजे बजाने वालों की भी खैर नहीं होगी।

इस शासश्नादेश के बाद सभी क्षेत्रों के लिए ध्वनि तीव्रता के तय मानकों का पालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। ये मानक हालांकि पहले से तय हैं लेकिन पुलिस इसका पालन कराने के प्रति लापरवाह बनी रहती है। वाणिज्यिक व आवासीय क्षेत्रों में संचालित होटल, रेस्टोरेंट व बार पुलिस का संरक्षण हासिल कर मनमाने ढंग से देर रात तक डीजे बजाते हैं।

कोविड-19

दिल्ली में अब डेंगू की एंट्री, 76 केस मिले

भारत में लगातार छठे दिन 2000 से ज्यादा मामले दर्ज

पेरिस/बीजिंग। दुनिया में कोरोना वायरस फैलने की रफ्तार फिर तेज हो गई है। भारत में लगातार छठे दिन 2000 से ज्यादा मामले मिले हैं। चीन के शंघाई में कोरोना से पिछले 24 घंटे में 39 मौतें हुई हैं, जबकि 21,058 संक्रमित भी मिले हैं। वहीं कोरोना से जर्मनी और फ्रांस में मौतों की संख्या में एक हफ्ते में इजाफा हुआ है। कोरोना का ग्राफ अफ्रीका और अमेरिका में भी तेजी से बढ़ रहा है।

इधर, कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच राजधानी दिल्ली में डेंगू के मरीज डराने लगे हैं। राजधानी में अब तक डेंगू के 76 मरीज मिले हैं, हालांकि अच्छी बात ये है कि अब तक इससे किसी की मौत नहीं हुई है। सोमवार को 2 और केस सामने आए। दिल्ली नगर निगम के मुताबिक, 18 अप्रैल तक दिल्ली में डेंगू के 74 मामले थे। हालांकि, डेंगू चलते अब तक एक भी मौत रिकॉर्ड नहीं की गई है। दिल्ली में पहला मामला जनवरी में आया था, जिसमें 23 मरीजों की पुष्टि हुई थी।

भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 2,541 नए मामले, 30 की मौत

देश में बीते 24 घंटों में कोरोना वायरस के 2,541 नए मामले सामने आए। इसके बाद भारत में कोविड-19 के कुल मामले बढ़कर 4,30,60,086 हो गए हैं। रविवार को 7 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,22,223 हो गई है। वहीं, एक्टिव मामले बढ़कर 16,522 हो गए हैं।

चीन में कोरोना से मरने वालों की औसत उम्र 79 साल

शंघाई हेल्थ कमीशन के मुताबिक मृतकों की औसत उम्र 79 साल है, जो कुछ न कुछ बीमारियों से पीड़ित थे। मार्च से अब तक शंघाई में 87 मौतें हो चुकी हैं। चीन में कोरोना को लेकर जीरो कोविड पॉलिसी लागू है। बता दें कि चीन के वुहान शहर से ही पहली बार कोरोना का मामला सामने आया था।

फ्रांस में 58,000 और रु में करीब 12,000 नए केस मिले

वर्ल्डोमीटर की रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांस में पिछले 24 घंटे में 58,000 और अमेरिका (रु) में करीब 12,000 केस मिले हैं। साउथ कोरिया में सबसे अधिक 64,725 नए केस सामने आए हैं। मौतों की संख्या की बात करें तो फ्रांस में 40 और रु में 14 लोगों की जान गई है।

मलेशिया में 4,006 नए कोरोना केस, 8 की मौत

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मलेशिया में बीते 24 घंटों में 4,006 नए कोरोना केस मिले हैं। इसके बाद देश में कोरोना के कुल 4,431,073 केस हो गए हैं। वहीं , रविवार को 8 लोगों की मौत हो गई।

सेना पर खर्च के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश भारत: रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन जैसी शक्तियों से निपटने के लिए भारत लगातार अपनी सामरिक शक्ति बढ़ाने में लगा है। वर्तमान में चीन के बाद भारत के पास ही सबसे बड़ी सेना है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट के मुताबिक भारत ने साल 2021 में सेना पर 76.6 अरब डॉलर खर्च किए। यह दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च का आंकड़ा है। एक साल पहले के मुकाबले भारत में 0.9 फीसदी ज्यादा खर्च किया। वहीं 2012 के मुकाबले यह 33 फीसदी ज्यादा है।

देश में हथियारों के उत्पादन को तेज करने के लिए सरकार ने बड़े रक्षा बजट का ऐलान किया था। आत्मनिर्भर बनने के लिए भारत अब हथियारों के निर्माण में बड़ा खर्च कर रहा है।

सेना पर खर्च के मामले में अमेरिका और चीन अब भी पहले और दूसरे पायदान पर हैं।

अमेरिका ने साल 2021 में सेना पर 801 अरब डॉलर खर्च किए जो कि 2020 के मुकाबले 1.4 फीसदी कम है। वहीं चीन ने 293 अरब डॉलर खर्च किए जो कि 2020 की तुलना में 4.7 प्रतिशत ज्यादा है।

SIPRI के मुताबिक 2021 में सेना पर सबसे ज्यादा खर्च किया गया और यह आंकड़ा बढ़कर 2.1 ट्रिलियन पहुंच गया।

स्टॉकहोम इस्टिट्यूट ने एक बयान में कहा, 2021 में दुनिया में कुल सेना का खर्च 0.7 फीसदी बढ़ गया है। यह आंकड़ा 2113 पर पहुंच गया है। दुनिया में सेना पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देश यूएस, भारत, अमेरिका, यूके और रूस हैं। ये पांच देश दुनियाभर का 62 फीसदी खर्च करते हैं। कोरोना के बावजूद सेना पर होने वाला खर्च कम नहीं हुआ है।

शार्ट न्यूज

किरीट सोमैया पर हमलाः मुंबई के पूर्व मेयर विश्वास महादेश्वर सहित चार गिरफ्तार

मुंबई। भाजपा नेता किरीट सोमैया पर हमले के मामले में मुंबई पुलिस ने सोमवार को चार आरोपियों का गिरफ्तार किया। इसमें शिवसेना नेता और पूर्व सिटी मेयर विश्वनाथ महादेश्वर भी शामिल हैं। शनिवार को वह जब सांसद नवनीत राणा और विधायक रवि राणा से मिलने खार पुलिस स्टेशन गए थे, लौटते वक्त उनकी गाड़ी पर हमला हो गया था। सोमैया की अगुआई वाला प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों से मिलने पहुंचा था। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और गृह सचिव अजय भल्ला से भी नेताओं ने मुलाकात की थी। इसके बाद ये गिरफ्तारियां हुई हैं। मुलाकात के बाद किरीट सोमैया ने ट्वीट कर कहा था कि नित्यानंद राय ने भाजपा के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि वह जरूरी कदम उठाएंगे और सत्ता का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। सोमैया ने आरोप लगाया था कि लगभग 100 शिवसैनिकों ने उनके वाहन पर हमला किया और पत्थरबाजी की। महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वालसे पटेल ने पुष्टि की थी कि उनके वाहन पर वास्तव में पत्थरबाजी हुई है। उन्होंने कहा था कि मामला दर्ज कर लिया गया है और कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। दिल्ली पहुंचे किरीट सोमैया ने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार पुलिस का गलत इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि उद्धव सरकार माफिया जैसा काम कर रही है और इसमें मुंबई पुलिस कमिश्नर संजय पांडे भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, मेरे ऊपर फर्जी एफआईआर दर्ज कर दी। बता दें कि किरीट सोमैया के ड्राइवर पर भी एक एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप है कि वह गलत ढंग से वाहन चला रहा था।

कोविंद का जम्मू दौरा स्थगित

जम्मू। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का 27 अप्रैल को जम्मू का दौरा स्थगित हो गया। कोविंद भारतीय प्रबंधन संस्थान(आईआईएम) के पांचवे वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करने के लिए यहां आने वाले थे। आईआईएम के प्रवक्ता ने कहा, आईआईएम जम्मू ने अपने पांचवे वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन 27 अप्रैल को जम्मू के केनाल सड़क के गुलामी बाग सम्मेलन केंद्र में आयोजित किया था। राष्ट्रपति इस समारोह के को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित भी करने वाले थे। उन्होंने बताया कि अपरिहार्य कारणों से राष्ट्रपति का आईआईएम जम्मू के दीक्षांत समारोह में शामिल होने का दौरा अगले आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

सिडकुल के श्रमिक संगठनों की कल होने वाली महापंचायत पर रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने ऊधमसिंह नगर के सिडकुल से सटे पारले चौक में 26 अप्रैल को होने वाली विभिन्न श्रमिक संगठनों की महापंचायत पर रोक नहीं लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। इस मामले को सिडकुल वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से न्यायालय में चुनौती दी गयी थी। मामले की सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायधीश संजय कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की खण्डपीठ ने की। पीठ ने इस मामले में प्रदेश सरकार, इंटार्क लेबर यूनियन समेत अन्य पक्षकारों से आगामी नौ मई तक जवाब देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई नौ मई को होगी। इससे पहले एसोसिएशन की ओर से याचिका दायर कर कहा गया कि सिडकुल के विभिन्न श्रमिक संगठनों द्वारा कल 26 अप्रैल को पारले चौक में महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। महापंचायत पर रोक लगाने और गाँधी पार्क में करवाने की मांग की गयी। यह भी कहा गया कि शांति व्यवस्था बिगड़ने से फैक्ट्रियों को नुकसन हो सकता है।

चम्पावत उप चुनाव को लेकर कांग्रेस की बैठक

देहरादून। उत्तराखण्ड के चम्पावत में होने वाले विधानसभा उप चुनाव को लेकर सोमवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा की अध्यक्षता में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की बैठक की। प्रदेश महामंत्री (संगठन) मथुरादत्त जोशी ने आज जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस चम्पावत उपचुनाव को पूरी शिदत्त के साथ एकजुट होकर लडेगी तथा सफलता प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी चम्पावत के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर प्रत्याशी चयन के लिए रायशुमारी की जायेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश कमेटी द्वारा पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अल्मोडा के विधायक मनोज तिवारी एवं लोहाघाट के विधायक खुशहाल सिंह अधिकारी को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री जोशी के अनुसार, बैठक में पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर शीघ्र ही चम्पावत उपचुनाव के लिए पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी की घोषणा की जानकारी दी गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के अलावा, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मंत्री नवप्रभात, पूर्व मंत्री हीरा सिंह बिष्ट, पूर्व मंत्री दिनेश अग्रवाल, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला, राजीव गांधी पंचायतराज संगठन के अध्यक्ष मोहित उनियाल ने प्रतिभाग किया।

धामी ने हेमवती नंदन बहुगुणा की जयन्ती पर किया स्मरण

देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा की जयंती के अवसर पर यहां घंटाघर में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस मौके पर श्री धामी ने कहा कि स्व. बहुगुणा जी कुशल प्रशासक, औजस्वी वक्ता एवं प्रखर राजनेता थे और उन्होंने अपनी विलक्षण बौद्धिक प्रतिभा के बल पर भारतीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनायी। बहुगुणा जी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा केन्द्र में मंत्री रहते हुए अनेक योजनाएं शुरू करवायी तथा प्रदेश हित के लिए कई कदम उठाये। इस अवसर पर स्व.बहुगुणा के पुत्र पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा और नाती राज्य के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, केबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सुबोध उनियाल और मेयर सुनील उनियाल गामा मौजूद थे।

मान ने केन्द्र से गेहूँ के सिकुड़े दानों की खरीद संबंधी नियमों में ढील देने की अपील

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रेट घटाये बिना गेहूँ की खरीद के दौरान सिकुड़े हुए दानों के लिए निर्धारित नियमों में ढील दिये जाने की केन्द्र से मांग की है।ताकि किसानों को नुकसान न पहुंचे क्योंकि पहले ही गेहूँ की कम पैदावार और बड़े कृषि कर्ज़े की मार किसान झेल रहा है। मान ने रविवार को यहां कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल से बात की है कि भारत सरकार तैनात टीमों द्वारा एकत्रित किये फील्ड डाटा के आधार पर ढील देने की अनुमति दें। इसके अलावा उन्होंने केंद्रीय मंत्री को पत्र लिख कर भी उक्त समस्या से निपटने का आग्रह किया।उनके अनुसार सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की तरफ से तैनात केंद्रीय टीमों से तरफ गेहूँ के दानों के सिकुड़ने सम्बन्धी तथ्यों को उजागर करने वाली अपनी रिपोर्ट मंत्रालय को सौंप कर अपना काम पूरा कर दिया है। रिपोर्ट सौंपने से एक हफ्ता बाद भी केंद्र सरकार की तरफ से इस सम्बन्धी कोई फ़ैसला नहीं लिये जाने से वह चिंतित हैं। किसानी मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने की ज़रूरत है क्योंकि खरीद कार्य प्रभावित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार किसानों का हर दाना-दाना खरीदने के लिए वचनबद्ध है। अनाज के सिकुड़ने के लिए किसानों को दोषी ठहराना और उनको जुर्माना देना सरासर बेइन्साफ़ी है, क्योंकि यह कुदरत का बरताव है और किसान के बैबस है। इसी कारण उनकी सरकार ने मंडियों में आए अनाज की तेज़ी से खरीद की है।'' कुछ मंडियों में हो रही असुविधा को लेकर उन्होंने कहा कि यह मुख्य तौर पर नियमों में ढील न दिए जाने कारण एफ.सी.आई की तरफ से इन मंडियों की सिकुड़ी हुई गेहूँ को स्वीकार न करने से हुआ है, जिससे मंडियों में दिक्कत आ रही है और किसानों और आढ़तियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उनको केंद्र सरकार से जल्द ही सकारात्मक नतीज की उम्मीद है और इसके बाद लिफ्टिंग में काफी सुधार होगा।

पंजाब में भी लागू होगा दिल्ली वाला फॉर्मूला

भगवंत मान ने केजरीवाल संग किया स्कूल और मोहल्ला क्लीनिक का दौरा

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को यह ऐलान कि उनकी सरकार पंजाब में भी दिल्ली का शिक्षा मॉडल लागू करेगी, जहां सभी आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। मान अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली के दो-दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने 'दिल्ली मॉडल' को समझने और पंजाब में इसे लागू करने के लिए राजधानी के स्वास्थ्य संस्थानों और स्कूलों का दौरा किया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ भगवंत मान दिल्ली के चिराग एंक्लेव स्थित एक सरकारी स्कूल में पहुंचे। मान ने कहा कि दिल्ली की शिक्षा प्रणाली में क्रांति की चर्चा पूरे देश में होती है। हम पंजाब में उसी मॉडल को लागू करेंगे, जहां अमीर या गरीब पृष्ठभूमि के छात्रों को एक साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। देश एक-दूसरे से सीखकर इस तरह प्रगति करेगा। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि आइए, हम देश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करें। पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ स्कूली शिक्षा और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी हैं, जो दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों में दिल्ली की व्यवस्था की जानकारी लेने आए हैं।

दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों में मिलने वाली सेवाओं से 95 प्रतिशत रोगी खुश : केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि राजधानी में आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक में आने वाले 95 फीसदी मरीज वहां दी जाने वाली सेवाओं से संतुष्ट हैं।
उन्होंने पंजाब में अपने समकक्ष भगवंत मान को यहां एक आदर्श मोहल्ला क्लीनिक और दिल्ली सरकार का एक स्कूल भी दिखाया।
एक मोहल्ला क्लिनिक में मरीजों ने भगवंत मान को बताया कि किसी व्यक्ति को इन क्लीनिकों में डॉक्टर से मिलने और निर्धारित दवाएं लेने में औसतन सिर्फ 10 मिनट का समय लगता है।
केजरीवाल ने मान को बताया कि मोहल्ला क्लीनिक में आने वाले 95 प्रतिशत मरीज सेवाओं से खुश हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी राज्य से हो, इन स्वास्थ्य केंद्रों में मुफ्त इलाज करवा सकता है।
केजरीवाल ने कहा कि हमने दिल्ली के सबसे पॉश इलाके- ग्रेटर कैलाश में दो मोहल्ला क्लीनिक खोले हैं और इन केंद्रों पर बहुत सारे अमीर मरीज भी आते हैं। उनका कहना है कि उन्हें ऐसी देखभाल कहीं और नहीं मिलती।

केबिनेट मंत्री अग्रवाल समेत कांग्रेस, बसपा और निर्दलीय विधायकों के निर्वाचन को चुनौती

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय में राज्य के केबिनेट मंत्री प्रेम चंद्र अग्रवाल समेत तीन विधायकों खुशाल सिंह (कांग्रेस), करीम असांरी(बसपा) और उमेश कुमार शर्मा(निर्दलीय) के निर्वाचन को पराजित उम्मीदवारों की ओर से जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत चुनौती दी गयी है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी, न्यायमूर्ति शरद कुमार शर्मा, न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी और न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की अलग -अलग पीठ ने सोमवार को मामले की सुनवाई के बाद सभी पक्षकारों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिये। श्री अग्रवाल के निर्वाचन को चुनौती देने वाले जयेन्द्र चंद्र रमोला ने आरोप लगाया है कि उन्होंने (श्री अग्रवाल) चुनाव प्रचार के दौरान अपने विवेकाधीन कोष का दुरुपयोग किया है और मतदाताओं को इसी कोष से चेक वितरित किया है। गये। याचिका के साथ वितरित चेकों की छाया प्रति भी संलग्न की गयी है। श्री सिंह के निर्वाचन को पूरण सिंह फर्त्याल ने चुनौती दी है। उनका आरोप है कि श्री सिंह की ओर से शपथ पत्र नामांकन पत्र दाखिले के चार दिन बाद जमा किया गया, जो कि जनप्रतिनिधत्व अधिनियम के विपरीत है। श्री अंसारी के निर्वाचन के खिलाफ प्रस्तुत याचिका में श्री काजी मोहत्तद निजामुद्दीन ने कहा है कि श्री अंसारी ने शपथपत्र में अपनी एवं धर्मपत्नी की सम्पत्ति का सही ब्यौरा शपथपत्र में नहीं दिया है, न ही बैंक लोन और उनके खिलाफ दर्ज अभियोग का उल्लेख किया गया है। शैक्षिक योग्यता भी गलत दर्शायी गयी है। निर्दलीय विधायक उमेश कुमार शर्मा के निर्वाचन को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता वीरेन्द्र कुमार ने अपनी याचिका में कहा है कि उन्होंने (श्री शर्मा) नामांकन पत्र में तथ्यों को छिपाया है। शपथपत्र में 29 आपराधिक मामलों में से 16 का उल्लेख किया है वहीं संगीन आरोपों का उल्लेख नहीं किया गया है। चुनाव के दौरान श्री शर्मा पर पुलिस के साथ पैसे बांटने का भी आरोप है।

रंगासामी का पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देने केंद्र से आग्रह

एजेंसी

पुडुचेरी। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी ने केंद्र सरकार से पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देने का आग्रह किया है। रंगासामी ने पुडुचेरी के दौरे पर आये केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को रविवार की शाम ज्ञापन सौंपा , जिसमें कहा गया है कि राज्य का दर्जा देने की की मांग काफी समय से लंबित है।
उन्होंने कहा है कि कम शक्तियों के कारण केंद्र शासित प्रदेश में रोजगार के नये अवसर नहीं पनप रहे हैं और न ही अधिक उद्योग-धंधे सृजित किये जा सक रहे हैं। वहीं पर्यटन का बुनियादी ढांचे विकसित होने के कारण भी पिछड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस साल केंद्र से 2000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त फंड मांगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय अनुदान जो पिछले साल 1,874 करोड़ रुपये था, उसे घटाकर 1,724 करोड़ रुपये कर दिया गया जो कि 150 करोड़ रुपये कम है। उन्होंने अन्य केंद्र शासित प्रदेशों की तरह 100 प्रतिशत अनुदान देने का अनुरोध किया ।
उन्होंने कहा कि पुडुचेरी हवाई अड्डे के विस्तार के लिए तमिलनाडु से 395 एकड़ जमीन और यहां से 30 एकड़ जमीन अधिग्रहण की जरूरत है, जिसके लिए 425 करोड़ रुपये की जरुरत है।अगर जीएसटी मुआवजा नहीं बढ़ाया गया तो पुडुचेरी को गहरे अर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा।

हनुमान चालीसा विवाद : नवनीत राणा को राहत की जगह बॉम्बे हाई कोर्ट से मिली फटकार, अब सुप्रीम कोर्ट से आस

मुंबई। हनुमान चालीसा को लेकर राजनीति नवनीत राणा और उनके पति को महंगी पड़ता नजर आ रहा है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा की स्न्ढ्ढक्रद्द करने को लेकर दायर याचिका खारिज कर दी है। याचिका रद्द करते हुए कोर्ट ने राणा दंपत्ति को फटकार लगाते हुए कहा कि जितनी बड़ी पॉवर होती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी होती है। नवनीत राणा ने मुंबई पुलिस द्वारा उनके खिलाफ लगाए गई आईपीसी की धारा 353 (सरकारी अधिकारी को कर्तव्य का निर्वहन करने से रोकने के लिए आपराधिक बल के इस्तेमाल या हमला करना) को हटाने को लेकर याचिका दायर की थी।

राणा दंपति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा- 153 ए (धर्म, भाषा आदि के नाम पर विद्वेष उत्पन्न करना) और मुंबई पुलिस अधिनियम की धारा-135 (पुलिस द्वारा लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने) का मामला दर्ज किया गया। कोर्ट ने नवनीत राणा की इस याचिका को खारिज कर दिया है। खबर है कि अब नवनीत राणा के वकील रिजवान मर्चेंट इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में हैं। गौरतलब है कि मुंबई पुलिस ने नवनीत राणा आईपीसी की धारा 153 ए (धर्म के आधार पर दो समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने की कोशिश) के तहत गिरफ्तार किया था। बाद में इसमें 353 भी जोड़ दिया गया जिसका राणा दंपत्ति विरोध कर रहे हैं।
गौरतलब है कि शिवसैनिकों की शिकायत पर नवनीत राणा के खिलाफ राजद्रोह का भी मामला दर्ज किया गया है। शिवसैनिकों का कहना है कि मातोश्री उनके लिए मंदिर की तरह है और राणा दंपत्ति ने उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। ये सारा मामला मातोश्री के सामने हनुमान चालीसा पढ़ने की कोशिश के चलते शुरू हुआ था। नवनीत राणा और उनके पति ने सीएम उद्धव ठाकरे को चुनौती दी थी कि वो हनुमान चालीसा पढ़कर सुनाएं नहीं तो वो मातोश्री के सामने हनुमान चालीसा पढ़ेंगे।

चंडीगढ़ में सार्वजनिक जगहों पर मास्क नहीं लगाने पर होगा 500 रुपये का जुर्माना

कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते प्रशासन सख्त

नई दिल्ली। देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए चंडीगढ़ प्रशासन ने बंद जगहों पर मास्क अनिवार्य कर दिया है। चंडीगढ़ प्रशासन के आदेश के मुताबिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट बस, टैक्सी, सिनेमा हॉल, मॉल, दुकानों, शिक्षण संस्थाओं और सभी सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों के अलावा बंद कमरों या हॉल में होने वाले किसी भी तरह के समारोह में मास्क लगाना अनिवार्य होगा। ऐसा ना करने वालों को पांच सौ रुपये का चालान भुगतना होगा। गौरतलब है कि पिछले दिनों केंद्र सरकार ने दिल्ली, यूपी, हरियाणा और मिजोरम को कोरोना के बढ़ते

मामलों को लेकर अलर्ट भेजा था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से भेजे गए अलर्ट में कहा गया था कि पिछले कुछ दिनों में इन राज्यों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़े हैं। ऐसे में कोरोना के नियमों का सख्ती से पालन कराना जरूरी है। क्योंकि चंडीगढ़ पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी है इसलिए चंडीगढ़ में एहतियातन सख्ती बढ़ा दी गई है ताकि कोरोना के चंडीगढ़ में फैलने से रोका जा सके। गौरतलब है कि राजधानी दिल्ली में कोरोना के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं। 11 से 24 अप्रैल के बीच दिल्ली में होम आइसोलेशन के मामलों में 6 गुना से ज्यादा बढोतरी हुई है। 11 अप्रैल को दिल्ली में कोरोना के 447 मामले थे जो 24 अप्रैल तक बढ़कर 28,12 हो गई है। इसके अलावा कोरोना के चलते अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है।
कोरोना एक्सपर्ट्स का कहना है कि कोविड-19 के मामले इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि लोगों ने लापरवाही बरतनी शुरू कर दी है। लोग अब सार्वजनिक जगहों पर मास्क का इस्तेमाल कम कर रहे हैं जिससे कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं।
गौरतलब है कि दिल्लीस सरकार ने ही इस महीने की शुरूआत में एक आर्डर जारी कर मास्क की अनिवार्यता खत्म कर दी थी लेकिन कोरोना के मामलों में तेजी दिखने के बाद सरकार ने एक बार फिर मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया है और उल्लंघन करने वालों पर पांच सौ रुपये का जुर्माना भी लगाना शुरु कर दिया है।

पंजाब में 12 दुग्ध संयंत्रों की स्थापना होगी : धालीवाल

अमृतसर। पंजाब के पशु पालन, डेयरी विकास और मछली पालन मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने सोमवार को कहा कि राज्य में डेयरी उत्पादों को उत्साहित करने के लिए 900 करोड़ रूपये के निवेश से 12 मिल्क प्लांट स्थापित किए जाएंगे।

धालीवाल ने कहा कि पंजाब के किसानों को वित्तीय संकट से उभारने और पंजाब को एक और सफ़ेद क्रांति के अगुआ के तौर पर उभारने के लिए हर पंजाबी सहयोग दे ताकि रोज़गार के अवसर पैदा हो और ग्राहकों को शुद्ध डेरी उत्पाद मिल सकें। उन्होने कहा कि एन.डी.डी.बी. पंजाब सकरार को राज्य में लगभग 900 करोड़ रुपए की लागत वाले 12 मिल्क प्लांटों को स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता और पूर्ण तकनीकी सहयोग देगा। इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के 6,000 गाँवों को कवर करने के लिए पहले ही 11 मिल्क प्लांट मौजूद हैं, इस कदम के साथ इनकी संख्या बढ़ कर 23 हो जाएगी। इसके साथ राज्य के 12 हजार गांवों से दस लाख लीटर दूध की खरीद की जायेगी।

उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त प्रदूषण की समस्या दूर करने और डेयरी किसानों को सस्ती पशु खुराक मुहैया करवाने के लिए पंजाब सरकार की तरफ से गंगानगर और कोल्हापुर में सफलतापूर्वक चल रहे दो प्लांटों की तर्ज़ पर अमृतसर में 80 करोड़ रुपए के अनुमानित खर्च से टोटल मिक्सड राशन प्लांट (टी.एम.आर) स्थापित किया जायेगा।

पंजाब की 13 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता पंचायती राज संस्थायें सम्मानित

चंडीगढ़। पंजाब की पंचायती राज संस्थाओं को इस वर्ष तेरह पुरस्कार हासिल हुये हैं।
केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने वर्ष 2020-21 के लिए दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार और नाना जी देशमुख पुरस्कार दिए हैं। यह पुरस्कार पंचायती राज संस्थाओं को प्रत्येक वर्ष अच्छे प्रदर्शन के लिए दिए जाते हैं।
पंजाब के ग्रामीण विकास मंत्री कुलदीप धालीवाल ने ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के मुख्य कार्यालय में आयोजित समारोह में आज राज्य की सभी 13 पुरस्कार विजेता पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए पंचायतों को सरकारी अनुदानों की बिना किसी भेदभाव के निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से प्रयोग करने का स्पष्ट संदेश देते हुये कहा कि प्रदेश सरकार पंचायतों को उनके अच्छे कार्यों के लिए पूरा सहयोग देगी और उनको सम्मानित करेगी।
इससे पहले ग्रामीण विकास मंत्री ने आगामी एक जून से पुरस्कार विजेता गाँवों से ग्राम सभा सत्र शुरू करने का ऐलान किया है ।इतिहास में यह पहली बार है कि राज्य के सभी गाँवों में ग्राम सभाएं करवाई जाएंगी, जिसके लिए विभाग द्वारा काम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने पढ़े-लिखे युवाओं को अपने गाँवों के विकास के लिए पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में बढ़-चढक़र हिस्सा लेने का आहवान किया। उन्होंने पुरस्कार विजेता संस्थाओं के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वह अन्य पंचायतों के लिए रोल-मॉडल बनें और अन्यों को भी उनके रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करें।
पुरस्कार जीतने वाली संस्थाओं में 7 ग्राम पंचायतें - 2 ब्लॉक समितियों - 1 ज़िला परिषद को दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार, 1 ग्राम सभा को नाना जी देशमुख राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार, 1 ग्राम पंचायत विकास योजना पुरस्कार, 1 बाल हितैषी ग्राम पंचायत पुरस्कार शामिल हैं। विजेता ज़िला परिषद को 50 लाख रुपए, पंचायत समितियों को 25 लाख रुपए, ग्राम सभा को 10 लाख रुपए, ग्राम पंचायतों को 5 लाख रुपए के अलावा अन्य कार्यों के लिए 3 लाख रुपए अतिरिक्त दिए जाते हैं।
इनाम जीतने वाली संस्थाओं में ज़िला परिषद पटियाला, ब्लॉक समितियां माछीवाड़ा, ज़िला लुधियाना, ब्लॉक समिति कपूरथला ज़िला कपूरथला, ग्राम पंचायतें राएखाना बठिंडा, रौहले लुधियाना, नगल गड्डियाँ-एस.ए.एस. नगर, भुटाल कलाँ-संगरूर, नूरपुर जट्टाँ-कपूरथला, तलवंडी संघेड़ा-जालंधर, दबुरजी-होशियारपुर शामिल हैं।

इकोलॉजी और इकोनामी में आदर्श समन्वय का काम कर रही है उत्तराखंड सरकार : धामी

देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि प्रदेश में ईकोलॉजी और इकोनोमी में समन्वय के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है।
श्री धामी ने सचिवालय से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से नीति आयोग के नवोन्मेषी कृषि कार्यक्रम में प्रतिभागिता करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में सकल पर्यावरणीय उत्पाद (जी.ई.पी) को लागू किया है, जो जी.डी.पी को निर्धारित करने के प्रचलित मॉडल के साथ लागू किया गया है।उन्होंने कहा कि राज्य में नेशनल हॉर्टिकल्चर मिशन के अन्तर्गत विश्व स्तरीय पौधशालाओं की स्थापना, चाय के विकास के लिए उत्तराखण्ड की चाय को वैश्विक पहचान दिलाने, जल संरक्षण हेतु काश्तकारों को प्रोत्साहित कर रेन हार्वेस्टिंग टैंको के व्यापक स्तर पर निर्माण एवं सब्जी और पुष्प उत्पादन हेतु पॉलीहाउस को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किये जा रहे है। जिसमें नीति आयोग एवं केन्द्र सरकार से मदद ली जायेगी।
श्री धामी ने ने कहा कि उत्तराखण्ड में प्राकृतिक कृषि के उत्थान एवं उसके विविध आयामों पर कार्य करने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। उत्तराखण्ड सरकार राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विश्वविद्यालयों को प्रेरित कर रही है। कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से काश्तकार इससे जुड़ेगे। रासायनिक खेती से प्राकृतिक खेती राज्य के विजन डॉक्यूमेंट का हिस्सा है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जल्द एक टास्क फोर्स का गठन किया जायेगा। जिसमें सभी हितधारकों को शामिल कर उत्तराखण्ड में प्राकृतिक खेती में आगे बढ़ाया जायेगा। हमें अपनी कृषि व्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी खेती को तमाम हानिकारक रसायनों से बचाना होगा। जिससे काश्तकार भी सम्पन्न हो सकें और 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' आधारित कृषि व्यवस्था लागू हो सके।
मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक कृषि हजारों वर्षों से हमारी परंपरा का हिस्सा रही है। पर्यावरण को बचाये रखने के लिए हमें प्रकृति की शरण में जाना ही होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में कृषि एवं उद्यान आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए आईआईएम काशीपुर में स्टार्टअप हब बनाया जा रहा है। कृषि एवं उद्यान के अन्तर्गत राज्य में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में नेशनल मिशन फॉर फूड प्रोसेसिंग के अन्तर्गत फल, सब्जियों के प्रसंस्करण के लिए पृथक नोडल ईकाई का गठन कर वेल्यू एडिशन एवं फूड प्रोसेसिंग आधारित संरचना का विकास किया जायेगा।
इस अवसर पर वर्चुअल माध्यम से कृषि मंत्री भारत सरकार नरेन्द्र सिंह तोमर, पुरूषोत्तम रूपाला, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार, सदस्य नीति आयोग डॉ. नीलम पटेल उपस्थित थे।

राजस्थान को बाल श्रम एवं बाल विवाह मुक्त बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता

उदयपुर। राजस्थान की महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा के अनुरूप प्रदेश को बाल श्रम व वाल विवाह मुक्त बनाना हतारी पहली प्राथमिकता है। भूपेश आज यहां हरिशचन्द्र माथुर राजस्थान राज लोक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित बाल अधिकारिता विभाग की ओर से बाल संरक्षण विषयक संभाग स्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने हमें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है और इसके लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे तो जल्द ही विकसित राजस्थान का उद्देश्य पूर्ण होगा। उन्होंने बाल संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं, संबंधित विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों से आह्वान किया बाल श्रम और कुरीतियों को मिटाने में सेतु की भूमिका निभानी होगी, समन्वित प्रयासों के माध्यम से ही इस दिशा में प्रभावी प्रयास किया जा सकता है।भूपेश ने कहा कि प्रदेश में मातृत्व एवं शिशु सुरक्षा तथा आठ स्वास्थ्य को लेकर मुख्यमंत्री स्वयं गंभीर है और उन्होंने इनके सर्वांगीण विकास के विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रखी है। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा संचालित चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, नि:शुल्क दवा, ओपीएस, नि:शुल्क ओपीडी-आईपीडी सहित विभागीय योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए इनका शत-प्रतिशत लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा दायित्व है।

शार्ट न्यूज

मोहम्मदपुर में मिला जंग लगा हुआ हैंड ग्रेनेड

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मोहम्मदपुर इलाके में सोमवार शाम सोमवार शाम पार्क में हैंड ग्रेनेड मिला है। पार्क में हैंड ग्रेनेड पड़े होने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची आर.के पुरम थाना पुलिस ने हैंड ग्रेनेड को जांच के लिए कब्जे में ले लिया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यह जंग लगा हैंड ग्रेनेड कई वर्ष पुराना है। फिलहाल पुलिस यह जानकारी जुटा रही है कि यह हैंड ग्रेनेड पार्क में कैसे पहुंचा। पुलिस उपायुक्त मनोज सी ने बताया कि सोमवार शाम को आरके पुरम के मोहम्मदपुर गांव स्थित एक पार्क में गेद जैसी एक लोहे की संदिग्ध वस्तु पड़ी है। पार्क में बच्चों ने खेलते इस वस्तु को देखा और वहां मौजूद लोगों को बताया, जिसके बाद पार्क में बम होने की जानकारी पुलिस को दी गई। बम होने की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने दमकल, डॉग और बम स्क्वाड की टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस टीम ने पार्क में बैरिकेड़ लगाकर लोगों की आवाजाही बंदकर दी और जांच शुरू की। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस टीम ने पाया कि संदिग्ध वस्तु पुराना और जंग लगा हैंड ग्रेनेड था। पुलिस टीम ने हैंड ग्रेनेड को कब्जे में ले लिया। फिलहाल पुलिस ने एतिहातन पार्क में बैरिकेड़ लगा दिए और यह जांच कर रही है कि हैंड ग्रेनेड पार्क में कैसे पहुंचा।

दिल्ली : बटला हाउस के पास झुग्गियों में लगी भीषण आग, 5 मवेशियों की जलकर मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के बटला हाउस स्थित जोगा बाई एक्स्टेंशन में बनी झुग्गियों में सोमवार को भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना के बाद शाहीन आग थाना पुलिस और दमकल की टीम को मौके पर भेजा गया। दमकल की 11 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग लगने ने 35 से 40 झुग्गियां जलकर खाक हो गई हैं। आग की चपेट में आने से पांच मवेशियों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई। मवेशी बंधे हुए थे। जिसकी वजह से हादसे के बाद वे बचकर भाग नहीं सके। पुलिस मामला दर्ज कर आग लगने के सही कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 3ः15 बजे झुग्गियों में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की 11 गाड़ियां पहुंच गई। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग ने कुछ ही देर में सभी झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया था। आग इतनी भयंकर थी कि लोगों को घर से अपना कुछ भी सामान निकालने का मौका ही नहीं मिला। इस दौरान वहां बंधी तीन भैंस और दो गायों की जलकर मौत हो गई।

सामाजिक संगठन महिला उन्नति संस्था ने संगठन का किया विस्तार

ग्रेटर नोएडा। मिशन शक्ति अभियान को गांव शहर तक पहुंचाने के लिए सामाजिक संगठन महिला उन्नति संस्था ने संगठन का विस्तार करते हुए सोमवार को गौतमबुद्धनगर के छपरौला निवासी कुमारी पूनम सारस्वत को जिला उपाध्यक्ष गौतमबुधनगर के पद पर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति करते हुए संस्था के संस्थापक डॉ राहुल वर्मा ने कहा कि जनपद में संस्था द्वारा महिला शिक्षा सुरक्षा सम्मान और स्वावलंबन के प्रयासों को गति देने के लिए छपरौला निवासी कुमारी पूनम सारस्वत को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है वही नवनियुक्त उपाध्यक्ष कुमारी पूनम सारस्वत ने संगठन से जुड़ने पर संगठन का आभार जताते हुए कहा कि वह महिलाओं को समर्पित संगठन से जुड़कर बेहद प्रसन्नता महसूस कर रही है क्योंकि उनका सपना रहा है कि वह महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य करे वह संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाने का आश्वासन देती है। इस दौरान संगठन की मुख्य संरक्षक इंदु गोयल,उपाध्यक्ष रणवीर चौधरी, कोऑर्डिनेटर मनोज झा,गीता भाटी,डॉ ओमवीर बघेल,बबीता भाटी और माधुरी चौहान आदि सदस्य मौजूद रहे।

कोविड-19 वार्ड के लिए 37.5 लाख का योगदान

ग्रेटर नोएडा। एनटीपीसी दादरी द्वारा नैगम सामाजिक दायित्व सीएसआर-सीडी के अंतर्गत परियोजना समीपवर्ती जनता को कोविड-19 महामारी से बचाव हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, दादरी में सुविधा विकसित करने के दृष्टि से कोविड वार्ड का निर्माण कार्य ग्रामीण अभियंत्रण विभाग (गौतमबुद्धनगर) के माध्यम से कराया जा रहा है। कोविड वार्ड के निर्माण कार्य पर अंकन रु 37.5 लाख की राशि खर्च होगी। कोविड वार्ड का शिलान्यास 24 अप्रैल, 2022 को माननीय सांसद गौतमबुद्धनगर एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डां महेश शर्मा, मा. विधायक दादरी तेजपाल सिंह नागर द्वारा सीएचसी दादरी, अधीक्षक, अमित कुमार एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिती में किया गया। इस अवसर पर डा. महेश शर्मा व तेजपाल सिंह ने एनटीपीसी द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य की सराहना करते हुए कहा अपेक्षा की कि एनटीपीसी इसी प्रकार क्षेत्र के विकास में निरंतर सहयोग करती रहेगी। कार्यक्रम में एनटीपीसी दादरी की तरफ से कनिष्ठ अभियंता (टीए) आबिद व अधिकारी (विधि) बीरेन्द्र सिंह, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की तरफ से कनिष्ठ अभियंता, जगदत्त सहित ग्राम प्रधान बिसाहडा, सीदीपुर, चौना व सदस्य जिला पंचायत सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

व्यापारी परिवार पर किया हमला

ग्रेटर नोएडा। दादरी कस्बे के बड़े बाजार स्थित अग्रवाल धर्मशाला के पास बदमाशों ने व्यापारी पर हमला कर दिया। बदमाशों ने व्यापारी के परिवार को दुकान में बंद कर मारपीट की। घटना के विरोध में व्यापारियों ने कोतवाली का घेराव किया। एसएचओ दादरी ने जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है जिसके बाद व्यापारी कोतवाली से हटे। अग्रसेन धर्मशाला के पास शनिवार देर शांम को त्रिलोकचंद गोयल अपनी दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान अमित सिंघल दर्जनभर बदमाशों के साथ दुकान पर आ गया। सभी ने कपड़े से मुंह ढक रखे थे। बदमाशों ने गाली गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इससे त्रिलोकचंद, मंथन गोयल, हर्ष गोयल और ललित गोयल घायल हो गए। आरोप है कि इस दौरान दुकान से सोने की चेन और 45 हजार रुपये गायब हो गए। घटना के विरोध में रविवार सुबह व्यापार मंडल के लोगों ने कोतवाली का घेराव किया। एसएचओ दादरी राकेश कुमार ने बताया कि बाइक खड़ी करने को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद मारपीट हुई। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की शिनाख्त की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

ग्रेटर नोएडा। दादरी रेलवे स्टेशन के पास अलीगढ़ की ओर जा रही स्वर्ण शताब्दी ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शव का शिनाख्त करके घरवालों को सूचित कर दिया। घटना के दौरान करीब 15 मिनट तक ट्रेन का रूकना पड़ा। आरपीएफ दादरी रेलवे स्टेशन इंस्पेक्टर एस के वर्मा ने बताया की ग्रेनो के तिलपता के पास संतोष नगर कॉलोनी निवासी सोनिका रविवार सुबह करीब सात बजे रेलवे ट्रैक को पार कर रही थी। उन्होंने बताया कि इसी दौरान नई दिल्ली से लखनऊ जंक्शन जाने वाले सुपर फास्ट स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस आ गई। इसकी चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेन चालक की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर ट्रेन को रवाना कर दिया। इस मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

ग्रीन दिल्ली ऐप पर आई प्रदूषण संबंधी 94 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा किया गया : गोपाल राय

ग्रीन ऐप के माध्यम से अभी तक 42 हजार 14। शिकायतें आई, जिनमें से 39 हजार 438 शिकायतें दूर हुई हैं

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार प्रदूषण से संबंधित ग्रीन दिल्ली ऐप पर मिली 94 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा कर चुकी है। ऐप के माध्यम से अभी तक 42 हजार 14। शिकायतें आई, जिनमें से 39 हजार 438 से ज्यादा शिकायत दूर हुई हैं। सबसे ज़्यादा शिकायते एमसीडी, डीडीए और पीडब्ल्यूडी के विभागों की दर्ज कराई गई है । ग्रीन दिल्ली ऐप के माध्यम से दिल्ली का कोई भी नागरिक प्रदूषण संबंधी शिकायत कर सकता है। जिसके आधार पर कार्रवाई की जाती है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि एंटी रोड डस्ट और एंटी ओपन बर्निंग अभियान के सभी दर्ज आंकड़ों पर भी ग्रीन वॉर रूम की टीमें कड़ी निगरानी बनाए हुए है । जिनके आधार पर सभी विभागों की तैनात टीमें उचित कदम उठा रही है ।उन्होंने कहा कि समर एक्शन प्लान की सबसे अहम कड़ी ग्रीन दिल्ली ऐप और ग्रीन वार रूम है जो कि दिल्ली के दो करोड़ लोगों को सीधे इस प्रदूषण के खिलाफ युद्ध से जोड़ता है। दिल्ली का कोई भी नागरिक ऐप के माध्यम से प्रदूषण की शिकायत को वार रूम तक पहुंचा सकता है। जिसके माध्यम से सरकार आगे का एक्शन लेती है।

शिकायतों पर एक नज़र

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने जारी किए गए आंकड़ों के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि ग्रीन दिल्ली ऐप के माध्यम से मिले आंकड़ों के अनुसार सबसे ज़्यादा प्रदूषण की शिकायतों में सड़कों पर गड्ढे, सड़क किनारे अवैध रूप से कूड़ा फेंकना , रोड डस्ट , निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट की डंपिंग , निर्माण या विध्वंस के कारण पैदा हुई धूल प्रदूषण जैसे मामले शामिल है । उन्होंने कहा कि अभी तक इस ऐप का परिणाम बेहतर रहा है और इसी ऐप के माध्यम से अभीतक दर्ज 42 हज़ार 14। शिकायतों में से विभाग करीबन 39 हज़ार 438 शिकायतों को दूर कर चुका है। उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें 3 विभागों की आयी हैं, जिनमे नगर निगम, डीडीए और पीडब्ल्यूडी शामिल है ।इन सभी विभागों पर विशेष ध्यान देकर उचित कार्रवाई की जा रही है ।

ग्रीन दिल्ली ऐप से 29 विभाग जुड़े है

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने ग्रीन ऐप की खूबियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पिछले साल तक जहाँ यह ऐप केवल एंड्रॉयड फोन पर था, वही आज यह आईफोन (आईओएस) यूजर्स के लिए भी उपलब्ध है । ऐप दिल्ली के 29 विभाग का संयुक्त प्लेटफार्म है। ग्रीन दिल्ली ऐप पर जितनी शिकायतें आती हैं, उनपर सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई की जाती है ।जिसमें केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार, नगर निगम के विभाग भी शामिल हैं। इस ऐप को संचालित करने के लिए हर विभाग में नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

ग्रीन वॉर रूम कैसे रखता है दिल्ली पर नज़र

ग्रीन वार रूम में मुख्य तौर पर तीन तरह से निगरानी की जाती है। जिसमें अलग-अलग मॉनिटरिंग सेंटर लगे हुए हैं।

उन सेंटर की रिपोर्ट को यहां से रोजाना मॉनिटर किया जाता है । ऐप के माध्यम से जहां से ज्यादा शिकायतें आती हैं, उनकी निगरानी का काम भी यहीं से होता हैं।

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि हमारे यहां डीपीसीसी के इंजीनियर वार रूम के साथ जुड़कर फील्ड में एक्शन लेने और निगरानी करने का काम करते है ।

इसके साथ 10 ग्रीन मार्शल हैं जो इस वार रूम से जुड़े हैं और जो एक टास्क फोर्स के रूप में काम करते हैं। जब कोई प्रदूषण की शिकायत आती है तो ग्रीन वार रूम से संबंधित विभाग को उसके बारे में सूचित किया जाता हैं। सम्बंधित विभाग समस्या को दूर करने के बाद ग्रीन वॉर रूम को शिकायत दूर का मैसेज देता है । जिसके बाद ग्रीन मार्शल की टास्क फोर्स ग्राउंड पर जाकर रियलिटी चेक करती है कि हकीकत में वह समस्या दूर हुई या नहीं हुई है।

ग्रीन दिल्ली ऐप पर की जा सकती है यह सभी शिकायतें

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि ग्रीन दिल्ली ऐप को लेकर एक सवाल आता है कि हम कौन सी शिकायत करें।

ग्रीन दिल्ली ऐप पर निम्नलिखित तरह की शिकायतें की जा सकती हैं- औद्योगिक प्रदूषण, पार्क में पत्तियां-बायोमास जलने की शिकायतें, कूड़ा या प्लास्टिक वेस्ट जलने की शिकायत, निर्माण-डिमोलिशन गतिविधि से होने वाली धूल प्रदूषण से संबंधित शिकायत, सीएनडी वेस्ट सड़क किनारे या खाली जगह पर फेके जाने की शिकायत, सड़क किनारे या खाली जगह पर कूड़ा फेंके जाने या जलाए जाने की शिकायत, गाड़ी द्वारा ज्यादा धुआं छोड़ने की शिकायत, रोड पर गड्ढे ज्यादा हैं और वहां से धूल निकलने से प्रदूषण की शिकायत तथा ध्वनि प्रदूषण की शिकायत इत्यादि ग्रीन दिल्ली ऐप पर की जा सकती है।

ग्रीन ऐप पर आई शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के लिए विभागों को निर्देश

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया की ग्रीन दिल्ली ऐप पर आई शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के लिए सभी सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए गए है । दिल्ली के सभी निवासियों से अपील है कि ज़्यादा से ज़्यादा इस ऐप को डाउनलोड कर, वह दिल्ली के प्रदूषण को कम करने कि मुहीम में सरकार के साथ जुड़े और दिल्ली को एक स्वच्छ शहर बनाने में सरकार की सहायता करें।

दिल्ली : जहांगीरपुरी हिंसा की साजिश में पीएफआई का नाम सामने आया

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुई हिंसा की जांच में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का नाम सामने आ रहा है। पुलिस टीम पीएफआई की स्टूडेंट विंग जुड़े करीब 20 लोगों पर नजर रखे हुए हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अगर हिंसा में पीएफआई की स्टूडेंट विंग से जुड़े लोगों की भूमिका सामने आई है। इस संगठन के लोग बड़ी संख्या में हिंसा से पहले जहांगीरपुरी इलाके में सक्रिय थे। ऐसे में अब जिन लोगों का नाम सामने आ रहा है उन्हें जांच में शामिल किया जा सकता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अगर किसी भी व्यक्ति य संगठन की भूमिका हिंसा में पाई जाती है तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में भी पीएफआई की भूमिका पाई गई थी और पुलिस ने अपनी चार्जशीट में भी उसका नाम शामिल किया था।

पुलिस सूत्रों की माने तो 16 अप्रैल को मध्यप्रदेश के खारगौन में हुई हिंसा में पीएफआई के लोगों पर फंडिंग करने का आरोप लगा है। दिल्ली पुलिस की जांच में भी यह बात सामने आई है कि जहांगीरपुरी इलाके में पीएफआई की स्टूडेंट विंग से जुड़े करीब 100 लोग हिंसा से पहले और बाद में जहांगीरपुरी इलाके में मौजूद रहे थे। ऐसे में अब दिल्ली पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि हिंसा के दौरान यह लोग क्या कर रहे थे, कहां मौजूद थे और किन लोगों के सम्पर्क में थे। इतना ही नहीं पुलिस संगठन से जुड़े लोगों पर फंडिंग के साथ ही आरोपियों को बचाने और फरार करने तक की साजिश रचने का शक जता रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में अगर संगठन से जुड़े लोगों की संलिप्तता सामने आएगी तो कुछ लोगों को पूछताछ में शामिल किया जाएगा।

सड़कों से बैरिकेडिंग हटाए गए

जहांगीरपुरी के दंगा प्रभावित इलाके में लोगों की जिंदगी पटरी पर लौटने लगी है। सोमवार को कुशल सिनेमा से जामा मस्जिद की तरफ जाने वाली सड़क को छोड़कर सभी रास्तों से पुलिस की बैरिकेडिंग हटा लिए गए। इससे इलाके में चार पहिया वाहनों का आवागमन शुरू हो गया। वहीं इलाके में करीब 60 फीसदी दुकानें खुली रही। लोग खरीदारी करते हुए भी दिखे। पुलिस भी लोगों से लगातार शांति बनाए रखने की अपील कर रही है।

दिल्ली कोरोना अपडेट : लगातार चौथे दिन 1000 से ज्यादा नए मरीज मिले, एक्टिव केस 4000 के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बीते 24 घंटों के दौरान 1011 नए मामले सामने आए, जबकि 817 मरीजों को छुट्टी दी गई। वहीं, इस दौरान एक कोरोना संक्रमित मरीज की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, दिल्ली में अब सक्रिय मरीज की संख्या बढ़कर 4168 तक पहुंच गई है। कोरोना की जांच के लिए रविवार को 15742 टेस्ट हुए। इनमें से 6.42 फीसदी कोरोना संक्रमित पाए गए। आरटीपीसीआर से 13529 और रैपिड एंटीजन से 2213 टेस्ट हुए। दिल्ली में अभी तक 37705789 टेस्ट हो चुके हैं। विभाग के अनुसार, दिल्ली में बढ़ते मामलों के साथ हॉटस्पॉट की संख्या 670 है। वहीं, दिल्ली में अबतक 1875887 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 1845551 मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 26168 मरीजों ने दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.39 फीसदी है। इसस पहले रविवार को कोरोना के 1083 नए मामले सामने आए थे।

एम्स के मुख्य परिसर में ही होगा कोरोना मरीजों का इलाज

दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए एम्स ने अपने मुख्य परिसर में ही दो वार्ड कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए आरक्षित करने का निर्देश दिया है।

राहत ही बात यह है कि इस बार हादसों में घायल होकर इलाज के लिए आने वाले मरीजों को एम्स ट्रॉमा सेंटर से मुख्य परिसर में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा।

कंपनी में लगी आग से पचास लाख की रबड़ जली

बल्लभगढ़। शहर की रघुबीर कॉलोनी में सोमवार सुबह साईं रबड़ नामक कंपनी में अचानक आग लग गई। आग पहले कंपनी की पहली मंजिल पर पड़े रबड़ स्क्रेप मे लगी और उसके बाद हवा के साथ आग मंजिल पर ही बने रबड़ के गोदाम में पहुंच गई। आग को काबू करने के लिए कर्मचारियों के साथ दमकल विभाग की तीन गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया, जिसमे करीब 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। सेक्टर-9 निवासी अनिल गुप्ता ने शहर की रघुबीर कॉलोनी के प्लॉट नंबर-6 और गली नंबर-6 में साईं रबड़ के नाम से कंपनी लगाई हुई है। जिसमें रबड़ के पॉटर्स आदि बनाए जाते हैं। सोमवार की सुबह करीब 8.30 बजे जब कंपनी में करीब 15-20 कर्मचारी काम कर रहे थे, तभी अचानक पहली मंजिल पर रखे रबड़ स्क्रेप में आग गई। हवा तेज चलने के कारण आग बेहद तेजी से फैल गई और गोदाम तक पहुंच पहुंच गई। उसके बाद गोदाम में रखे रबड के माल में आग लगने लगी। कर्मचारियों ने आग बुझाने वाले सिलेंडरों से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया है। सूचना के बाद दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंचने लगी। करीब तीन गाड़ियों ने आग पर तीन घंटे में काबू पाया। कंपनी मालिक अनिल गुप्ता ने बताया कि इस आग की घटना में करीब 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

बाइक से टकराकर ट्रक में लगी भीषण आग, हादसे में हरिद्वार जा रहे दो दोस्तों की मौत, एक घायल

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मसूरी थानाक्षेत्र में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर ट्रक की टक्कर से बुलेट बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, चेसिस में फंसी बुलेट से उठी चिंगारी से दवाइयों से भरे ट्रक में आग लग गई। घटना की सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक लाखों की दवाई जलकर राख हो चुकी थीं।

मसूरी थाना एसएचओ योगेंद्र सिंह ने बताया कि पलवल के रहने वाले रवि (28), सुभाष (30) और सुंदर (32) दोस्त हैं।

रविवार देर रात तीनों युवक बुलेट बाइक लेकर हरिद्वार के लिए निकले थे। सोमवार तड़के करीब साढ़े 3 बजे वह जैसे ही मसूरी थानाक्षेत्र में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर गांव कुड़ियागढ़ी के सामने पहुंचे तो बेकाबू ट्रक ने उनकी बुलेट में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि तीनों दोस्त बुलेट के साथ ट्रक की चेसिस में फंसकर सड़क पर काफी दूर तक घिसटते चले गए। इस दौरान बुलेट से उठी चिंगारी से ट्रक में आग लग गई। राहगीरों ने तीनों युवकों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां रवि और सुभाष को मृत घोषित कर दिया गया।

ट्रक में भरी थी दवाइयां

एसएचओ का कहना है कि ट्रक में दवाइयां भरी हुई थीं। ट्रक में आग लगने पर दमकल की गाड़ियों को मौके पर बुला लिया गया। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया था। मृतक युवकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर पर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

कब्जे से चोरी की 21 मोटरसाइकिल, तीन स्कूटी सहित एक लोडर बरामद

नोयडा। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने रविवार को अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन सदस्यों सुनील मरीक पुत्र सीवन मरीक निवासी ग्राम बरमसिया थाना बांका जिला बांका बिहार वर्तमान निवासी बी-5 खजान बस्ती मायापुरी फेस टु दिल्ली, रविकान्त पुत्र राम जोगी निवासी ग्राम जय नगला कॉलौनी थाना बढारा कोठी जिला पूर्णिया बिहार वर्तमान निवासी ए-119/जी हरिनगर घंटाघर मायापुरी फेस टु दिल्ली, महेश कुमार पुत्र पंचू निवासी ग्राम कालापानी थाना नौगांव जिला छतरपुर मध्यप्रदेश वर्तमान निवासी बी-4 खजानवस्ती मायापुरी दिल्ली को थाना क्षेत्र के सेक्टर-62 गोल चक्कर से गिरफ्तार कर लिया।किया गया है। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे/निशादेही पर पुलिस ने चोरी की 21 मोटरसाइकिल,तीन स्कूटी और एक लोडर मय दो इंजन बरामद हुए है। सभी अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी है जो गैंग बनाकर काम करते है। इस गैंग कुल 6 सदस्य है जिसमें महेश, रविकान्त, सुनील, आमिर, मुसेतीन, बलराम उर्फ आर्यन शामिल है। इस गैंग का मुखिया आमिर है जो जोया अमरोहा का रहने वाला है इसके द्वारा अपने गैंग के सदस्यो से गाजियाबाद, नोएडा अमरोहा व दिल्ली सहित एनसीआर बेल्ट में दो पहिया वाहनो को स्वयं व अपने सदस्यो द्वारा उठवाकर सर्वप्रथम अमरोहा में जोया स्थित मुखिया स्पेयर पार्ट्स जोया एकत्रित किया जाता था। जब गाड़ियो की संख्या 10-15 तक पहुच जाती थी तब आमिर द्वारा महेश से सम्पर्क किया जाता था। महेश ने मायापुरी दिल्ली में अपना गोदाम बना रखा है। आमिर व महेश दिल्ली के मायापुरी के रहने वाले सुनील तथा रविकान्त से सम्पर्क करते थे रविकान्त के पास में 10-12 लोडर है इन्ही लोडरो के माध्यम से चोरी के दो पहिया वाहनो को मुखिया स्पेयर पार्ट्स जोया अमरोहा से मायापुरी दिल्ली के लिये परिवहन किया जाता था। अभियुक्त सुनील मरीक,रविकान्त का ड्राईवर है सुनील मरीक, रविकान्त व महेश से पूछताछ पर पता चला कि चोरी के दो पहिया वाहनो को अमरोहा से विगत 05-06 वर्षो में परिवहन कर दिल्ली स्थित मायापुरी में महेश के गोदाम में काटकर उनके पार्टस को अलग-अलग करके बेचा जाता था। इस गैंग का एक अन्य सदस्य बलराम उर्फ आर्यन भी है जो अपने अन्य दो तीन लडकों के साथ मिलकर एनसीआार बेल्ट से दो पहिया वाहनो को चोरी करवाकर मुखिया स्पेयर पार्टस जोया अमरोहा पर एकत्र कराने का कार्य करता था।

टीकाकरण के लिए सरकारी केंद्रों पर उमड़ने लगी भीड़

गुरुग्राम। जिले के सरकारी केंद्रों पर कोरोना संक्रमण रोधी टीका लगवाने के लिए लोगों की आवाजाही फिर बढ़ गई है। संक्रमण के मामले जैसे-जैसे बढ़ रहे हैं, टीका लगवाने वालों की संख्या बढ़ रही है। प्रतिदिन छह हजार से ज्यादा लोग सरकारी केंद्रों पर टीका लगवाने पहुंच रहे हैं। जबकि निजी केंद्रों पर भी रोजाना दो हजार के करीब लोगों को टीका लगाया जा रहा है। मार्च में संक्रमण के मामले कम होने पर टीका लगवाने वालों की संख्या काफी कम हो गई थी। स्वास्थ्य विभाग लगातार लोगों से टीका लगवाने के लिए अपील कर रहा था।

अप्रैल की शुरुआत से जैसे ही मामले बढ़ने शुरू हुए वैसे ही लोगों में फिर से अपने स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ गई है। जिसका अंदेशा टीकाकरण केंद्रों पर इन दिनों रोजाना जुटने वाली भीड़ से लगाया जा सकता है। रविवार को सरकारी केंद्रों पर टीका नहीं लग पाया था, इस कारण सोमवार को सरकारी स्वास्थ्य केंद्र खुलने पर यहां टीका लगवाने वालों की भारी भीड़ रही। सेक्टर-31 स्थित पॉलीक्लिनिक पर कुछ दिन पहले तक जहां स्वास्थ्य कर्मी दिन भर बैठे टीका लगाने के लिए लोगों के आने का इंतजार करते रहते थे, उन्हें स्वास्थ्य कर्मियों के पास अब खाली बैठने का समय नहीं है। जैसे जैसे संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं।

जेवर विधानसभा स्थित रबूपुरा में बनने वाला राजकीय महाविद्यालय बनने जा रहा है देश के उच्च कोटि का संस्थान

ग्रेटर नोएडा। मेरठ स्थित चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रो-वाईस चांसलर व रजिस्ट्रार डीके वर्मा व क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार गुप्ता के साथ जेवर विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह ने सोमवार को तैयारियों का जायजा लिया। क्षेत्र व आधुनिक समय की आवश्यकता को देखते हुए, इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट फिल्म और टेलीविजन के अन्तर्गत बीएससी साउंड रिकॉर्डिंग एंड डिजाईन, फिल्म मेकिंग, ऐनिमेशन, एक्टिंग, सिनेमाटोग्राफी तथा बीए के अन्तर्गत वॉकल म्यूजिक और डांस के कॉर्स आरंभ होगें। साथ ही एमबीए-इन-सिविल एविएशन तथा एयरलाईन हॉस्पिलिटी व टूरिज्म के साथ फैशन डिजाइनिंग के कोर्स भी आरंभ किए जाने की योजना है ।एक छत के नीचे इतने महत्वपूर्ण रोजगार परक कोर्सों की स्थापना से आने वाले समय में रबूपुरा स्थित यह महाविद्यालय देश के बेहतरीन संस्थानों की सूची में शुमार हो जायेगा ।यह सभी जानते हैं कि जेवर में अंतर्राष्टीय एयरपोर्ट की स्थापना के साथ-साथ फिल्म सिटी, मेडिकल डिवाईस पार्क,अपरैल पार्क, लॉजिस्टिक हब से संबंधित अनेकों उद्योगों की स्थापना हो रही है। उससे पूर्व ही क्षेत्र के लडके और लड़कियों को इन कोर्सों के माध्यम से स्किल्ड कर दिया जाए इस आशय से यह प्रयास किए जा रहे हैं ।ज्ञात रहे कि सन् 2018 में जेवर एयरपोर्ट के किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में करायी थी। उसी समय जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए इस महाविद्यालय की मांग की थी ।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के बाद आज यह महाविद्यालय बनकर तैयार हो गया है और जुलाई 2022 के सत्र से यहां उपरोक्त कोर्सिस को शुरू किए जाने पर कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि आजादी के बाद से इस क्षेत्र में कोई भी राजकीय डिग्री कॉलेज नही था। सन् 2017 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के प्रथम तीन वर्षों में तीन डिग्री कॉलेज मंजूर किए गए जिनमें से रबूपुरा व जेवर का महाविद्यालय बनकर तैयार हो गया है ।जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि हम चाहते हैं कि उद्योग धंधे स्थापित होने से पूर्व ही यहां के रहने वाले लोगों को स्किल्ड कर दिया जाए, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित कराने में नौजवानों को कोई दिक्कत न आए। हम प्रदेश सरकार, औद्योगिक संस्थानों व स्वंयसेवी संस्थाओं के माध्यम से भी शिक्षा के उन्नयन हेतु कार्य करेंगे।

संपादकीय

त्योहारों और शोभायात्राओं पर हो रहे हमले संयोग नहीं प्रयोग है

स्थिति का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि दिल्ली दंगों के आरोपियों को चिन्हित करने के बाद उनके अवैध कब्जों को गिराने के लिए जब सरकार की ओर से कार्यवाही की गई तो कुछ घण्टों में ही सरकार की इस कार्यवाही के खिलाफ कोर्ट से स्टे आर्डर आ जाता है। इस समय देश बड़ी विकट स्थिति से गुज़र रहा है। एक आम आदमी जोकि इस देश की नींव है उसके लिए जीवन के संघर्ष ही इतने होते हैं कि वो अपनी नौकरी, अपना व्यापार, अपना परिवार, अपने और अपने बच्चों के भविष्य के सपनों से आगे कुछ सोच ही नहीं पाता। वो रोज सुबह उम्मीदों की नाव पर सवार अपने काम पर जाता है और शाम को इस दौड़ती भागती जिंदगी में थोड़े सुकून की तलाश में घर वापस आता है। तीज त्यौहार उसके इस नीरस जीवन में कुछ रंग भर देते हैं। एक आम आदमी का परिवार साल भर इन तीज त्योहारों का इंतजार करता है। घर के बड़े बुजुर्गों की अपनी पीढ़ियों पुरानी परंपराओं के प्रति आस्था तो बच्चों के मन की उमंग इन त्योहारों के जरिये उसके जीवन में कुछ रस और रंग भर देते हैं। लेकिन जब यही त्योहार जिंदगी को मौत में बदलने का कारण बन जाएं? जब इन त्यौहारों पर जीवन रंगहीन हो जाए? उनका घर उनका उनकी दुकानें उनका कारोबार उनकी जीवन भर की कमाई हिंसा की भेंट चढ़ जाए? पहले करौली में नवसंवत्सर के जुलूस पर हमला फिर रामनवमी पर मप्र, बंगाल, गुजरात, झारखंड, जेएनयू और उसके बाद हनुमान प्रकटोत्सव पर दिल्ली, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड और महाराष्ट्र के कुछ स्थानों पर शोभायात्रा निकालने के दौरान जो हिंसा भड़की वो अनेक और अनेकों पर सवाल खड़े करती है। वैसे तो हिंसक घटनाएं इस देश के लिए नई नहीं हैं। कुछ समय पहले तक अतंकवादी घटनाएं जैसे सार्वजनिक स्थानों पर बम धमाकों से लेकर आत्मघाती हमले अक्सर होते थे। इस देश में आतंकवाद की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हमने अपने दो प्रधानमंत्री (एक कार्यरत तो एक भूतपूर्व) आतंकवाद के कारण खो दिए। आज उस प्रकार की आतंकवादी घटनाओं पर तो विराम लग गया है। लेकिन आज जिस प्रकार की हिंसक घटनाएं देश के विभिन्न जगहों पर हो रही हैं वो बेहद चिंताजनक हैं क्योंकि ये घटनाएं उन आतंकवादी घटनाओं से अलग हैं। उन घटनाओं में आतंकवादी संगठनों का या अलगाववादी नेताओं का हाथ होता था जिन्हें बकायदा प्रशिक्षण प्राप्त आतंकवादी अंजाम देते थे। लेकिन आज इन शोभायात्राओं में होने वाले उपद्रव स्थानीय हिंसा है। जिस प्रकार के खुलासे हो रहे हैं उनके अनुसार इन सभी जगह हिंसा की शुरुआत एक ही तरीके से हुई। क्षेत्र के आदतन अपराधी इन जुलूसों के निकलने के दौरान जुलूस में शामिल लोगों से रास्ता बदलने के लिए या फिर भजनों और नारों को बंद करने को लेकर वाद विवाद करते हैं जो हिंसा में तब्दील हो जाता है। मस्जिदों और आसपास के घरों की छतों से पथराव शुरू हो जाता है। देखते ही देखते दुकानों और गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया जाता है। दंगाइयों के बुलन्द हौसलों का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे पुलिसकर्मियों पर भी हमला करने में नहीं हिचकते। इससे पहले किसान आंदोलन के दौरान 26 जनवरी के दंगों में भी देश ने उपद्रवियों द्वारा पुलिस प्रशासन पर हमला किए जाने की तस्वीरें देखी थीं। आप इसे क्या कहेंगे कि दिल्ली दंगों के मुख्य आरोपी अंसार को जब पुलिस कोर्ट में पेशी के लिए ले जा रही थी तो वो पुष्पा फ़िल्म का एक्शन झुकेगा नहीं कर रहा था। जिस पुलिस के सामने एक आम आदमी के पसीने छूट जाते हैं उसी पुलिस को इन अपराधियों को कोर्ट से सज़ा दिलवाना तो दूर की बात है उनकी बेल रुकवाने में पसीने छूट जाते हैं! स्थिति का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि दिल्ली दंगों के आरोपियों को चिन्हित करने के बाद उनके अवैध कब्जों को गिराने के लिए जब सरकार की ओर से कार्यवाही की गई तो कुछ घण्टों में ही सरकार की इस कार्यवाही के खिलाफ कोर्ट से स्टे आर्डर आ जाता है।

जनाधार विहीन नेताओं को पद से हटाकर ही मजबूत हो सकती है कांग्रेस

रमेश सर्राफ धमोरा

पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस में ग्रुप-23 के असंतुष्ट नेताओं द्वारा उठे विरोध के स्वर को दबाने के लिए कांग्रेस पार्टी अगले माह राजस्थान के उदयपुर में तीन दिवसीय चिंतन शिविर लगाने जा रही है। जिसमें देश भर से पार्टी के 400 बड़े नेता एक जगह बैठ कर पार्टी के गिरते जनाधार को रोकने व आगे होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत की संभावना को लेकर चिंतन मनन करेंगे। इस चिंतन शिविर के माध्यम से कांग्रेस पार्टी भविष्य के लिए एक रोडमैप भी तय करेगी। जिसके सहारे आगे बढ़कर पार्टी अपना जनाधार एक बार फिर से बढ़ा सके। राजनीतिक दलों को सलाह देने वाले पेशेवर सलाहकार प्रशांत किशोर ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक कार्य योजना सुझायी है। जिसके माध्यम से कांग्रेस का जनाधार मजबूत हो सकता है। सोनिया गांधी से प्रशांत किशोर की चर्चा के दौरान पार्टी के बड़े नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अन्य कई पदाधिकारी मौजूद थे। चिंतन शिविर के माध्यम से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी प्रशांत किशोर के प्लान पर भी चर्चा करवा कर उसको पारित करवाएंगी ताकि भविष्य में प्रशांत किशोर का प्लान यदि फेल हो जाता है तो भी पार्टी अध्यक्ष पर अंगुली नहीं उठ पाए। इससे पूर्व प्रशांत किशोर 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं। उस दौरान उनकी सलाह पर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी द्वारा जगह-जगह खाट सभाओं का आयोजन करवाया गया था। जिस पर पार्टी का करोड़ों रुपया खर्च हो गया था। मगर परिणाम में पार्टी 403 में से मात्र 7 सीटों पर ही जीत पाई थी। उसके बाद प्रशांत किशोर राहुल गांधी से अलग हो गए थे। आज कांग्रेस पार्टी के समक्ष सबसे बड़ी समस्या अपने गिरते जनाधार को रोकने की है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे। उस समय कांग्रेस पार्टी की देश के एक दर्जन से अधिक प्रदेशों में सरकार चल रही थी। मगर धीरे-धीरे करके प्रदेशों में चुनाव हारने के चलते आज कांग्रेस पार्टी की सिर्फ राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही सरकार बची है। महाराष्ट्र व झारखंड में कांग्रेस पार्टी एक सहयोगी के रूप में सरकार में शामिल है। पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी कुछ विशेष नहीं कर पाई। पंजाब जहां चुनाव से पहले कांग्रेस की सरकार चल रही थी। वहां भी पार्टी चुनाव हार कर एक चौथाई सीटों पर ही सिमट गई। पंजाब में पार्टी अपने ही बड़े नेताओं की कलह की शिकार हो गई। चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को पद से हटाना पार्टी को भारी पड़ गया। कैप्टन के स्थान पर मुख्यमंत्री बनाए गए चरणजीत सिंह चन्नी दोनो विधानसभा सीटों से व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू अमृतसर पूर्व विधानसभा सीट से चुनाव हार गए। पार्टी के अधिकांश बड़े नेता चुनाव नहीं जीत पाए थे। चुनाव के बाद पार्टी ने विधायक दल का नेता व प्रदेश अध्यक्ष पद पर नए लोगों को बैठा दिय। उसके उपरांत भी पार्टी में खींचतान वैसे ही चल रही है। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री के दावेदार हरीश रावत इस बार फिर चुनाव हार गए। वहां कांग्रेस मात्र 19 सीटें ही जीत सकी है। पार्टी में नए प्रदेश अध्यक्ष व विधायक दल के नेता के मनोनयन के बाद तो आपसी कलह खुलकर सड़कों पर आ गई है। कई विधायकों ने पार्टी छोड़ने तक की धमकी दे दी है। पंजाब में कांग्रेस की लुटिया डुबोने में सबसे बड़ा हाथ हरीश रावत का रहा था। उन्होंने ही उत्तराखंड में भी कांग्रेस का सफाया करवा दिया। उत्तराखंड में भाजपा ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर एक इतिहास रचा है। जबकि कांग्रेस को सबसे अधिक आस उत्तराखंड में ही सरकार बनाने की थी। मगर पार्टी नेताओं की आपसी कलह के चलते कांग्रेस ने अवसर गंवा दिया था। गोवा और मणिपुर में भी कांग्रेस कुछ खास नहीं कर पाई। गोवा में कांग्रेस को 11 सीटें मिलीं वहीं मणिपुर में तो कांग्रेस की सीटों की संख्या 28 से घटकर 5 रह गई।

सांबा में नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन की दिशाएं

-ललित गर्ग -

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल ही में की गयी जम्मू-कश्मीर यात्रा पर इसलिए देश की निगाहें थीं, क्योंकि अनुच्छेद 370 हटने के बाद वह पहली बार जम्मू-कश्मीर की धरती पर पहुंचे। उनकी इस यात्रा ने अनेक सकारात्मक संदेश दिये, शांति एवं विकास का माध्यम बना है। निश्चित ही उनकी यह यात्रा इस प्रांत में एक नई फिजां का सबब बनी है। जम्मू-कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन-सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने किया है। निश्चित रूप से वहां एक नया दौर शुरू किया है। इसके लिये जम्मू में मोदी ने पंचायत दिवस के अवसर पर केवल देश भर के पंचायत अधिकारियों को ही संबोधित नहीं किया, बल्कि इस केंद्र शासित प्रदेश की विभिन्न योजनाओं-परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करने के साथ कश्मीर एवं लद्दाख की जनता को भी यह संदेश दिया कि भारत सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अतीत की भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना, हमारा संकल्प होना चाहिए। इसी संकल्प को मोदी ने सांबा के अपने उद्बोधन में व्यक्त किया है।

नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में किए गए कार्यों का विवरण देकर यह भी रेखांकित किया कि अब कैसे विकास एवं जनकल्याण के काम तेजी से हो रहे हैं? न केवल विकास योजनाएं आकार ले रही है, बल्कि वहां शांति एवं सौहार्द का वातावरण बना है, आतंकवादी घटनाओं पर भी नियंत्रण किया जा सका है। मोदी की सरकार आने के बाद से जम्मू-कश्मीर के विकास को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा सका है। सही समय पर केंद्र सरकार ने आतंकवाद पर अंकुश लगाने के साथ शेष वांछित कार्यों को पूरा करने के लिए वैसी ही दृढ़ता दिखाई है जैसी अनुच्छेद 370 हटाते समय दिखाई थी और देश के साथ दुनिया को यह संदेश दिया था कि कश्मीर में किसी का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं, कश्मीर भारत का ताज है और हमेशा रहेगा।

मोदी की कश्मीर यात्रा इसलिये महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि वहां के लोगों ने साम्प्रदायिकता, राष्ट्रीय-विखण्डन, आतंकवाद तथा घोटालों के जंगल में एक लम्बा सफर तय करने के बाद अमन-शांति एवं विकास को साकार होते हुए देखा है। उनकी मानसिकता घायल थी तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, वह भी हिली है। इन स्थितियों के बीच मोदी ने वहां के लोगों का विशेषतकर युवाओं का इन शब्दों के साथ ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया कि आपके माता-पिता, दादा-दादी को जिन मुसीबतों का सामना करना पड़ा, उनका आपको कभी सामना नहीं करना पड़ेगा।

उन्होंने साफ कहा कि वह अपने इस वचन को पूरा करके दिखाएंगे। आशा की जाती है कि उनकी इन बातों का सकारात्मक असर पड़ेगा। वैसे भी बीते कुछ समय में वहां अनेक ऐसे विकासमूलक काम हुए हैं, जो पहले नहीं हुए। विकास की योजनाएं तीव्रता से आकार ले रही है, इनमें विदेश से निवेश भी शामिल है। गौर करने लायक बात यह भी रही कि प्रधानमंत्री के साथ वहां गए प्रतिनिधिमंडल में मुस्लिम ब्लॉक के एक महत्वपूर्ण सदस्य देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के टॉप बिजनेस लीडर्स भी शामिल थे, जो जम्मू-कश्मीर में निवेश में खास रुचि ले रहे हैं। कहा जा रहा है कि यूएई की कंपनियां वहां 3000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश करने वाली हैं। जम्मू-कश्मीर के लिए यह निश्चित ही नई बात होगी। इन सबके माध्यम से सरकार ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि जम्मू-कश्मीर में शांति और सौहार्द के साथ लोकतंत्र और विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। जम्मू-कश्मीर को अशांत और संवेदनशील क्षेत्र बनाए रखने की कोशिश में लगे तत्वों को सबसे ज्यादा परेशानी ऐसे ही संदेशों से होती है।

जम्मू के सांबा क्षेत्र के एक छोटे से गांव पल्ली में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन एक उजाला है। शांति की स्थापना का संकल्प है। जनता को आश्वासन है विकास एवं आतंकमुक्त जीवन की ओर अग्रसर करने का। वहां की आम जनता की मानसिकता में जो बदलाव अनुभव किया जा रहा है उसमें सूझबूझ एवं सौहार्द की परिपक्वता दिखाई दे रही है। मोदी की यह यात्रा ऐसे मौके पर हो रहे हैं जब यह प्रांत विभिन्न चुनौतियों से जूझकर बाहर आ रहा है। वहां के राजनीति के मंच पर ऐसा कोई महान् व्यक्तित्व नहीं है जो भ्रम-विभ्रम से प्रांत को उबार सके। वहां के तथाकथित संकीर्ण एवं पूर्वाग्रहग्रस्त नेतृत्व पर विश्वास टूट रहा है, कैसे ईमानदार, आधुनिक एवं राष्ट्रवादी सोच और कल्याणकारी दृष्टिकोण वाले प्रतिनिधियों का उदय हो सके, इस ओर ध्यान देना होगा। इस दिशा में मोदी की इस यात्रा की निर्णायक भूमिका बनेगी। निःसंदेह अनुच्छेद 370 हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर में बहुत कुछ बदला है और यह बदलाव दिखने भी लगा है, लेकिन अभी बहुत कुछ होना शेष है। जो घटनाएं हो रही हैं वे शुभ का संकेत नहीं दे रही हैं। घाटी में अशांति, आतंकवादियों की हताशापूर्ण गतिविधियां, सीमापार से छेड़खानी-ये काफी कुछ बोल रही हैं। वहां देर-सबेर और संभवत: परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विधानसभा चुनाव तो होंगे ही, लेकिन चुनाव कराने के पहले आतंकवाद पर पूरी तरह लगाम लगाने की जो चुनौती है, उससे भी पार पाना होगा। तमाम आतंकियों के सफाये के बाद भी कश्मीर में जिस तरह रह-रह कर आतंकी घटनाएं हो रही हैं, उनके चलते कश्मीरी हिंदुओं की वापसी फिलहाल संभव नहीं दिख रही। भले ही कुछ भी करना पड़े, इस काम को संभव बनाना होगा, क्योंकि तभी आतंकियों और उनके समर्थकों को यह संदेश जाएगा कि उनकी दाल गलने वाली नहीं है। यह भी सर्वथा उचित होगा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कश्मीरी हिंदुओं और सिखों के लिए कुछ सीटें आरक्षित की जाएं।

मोदी की जम्मू यात्रा से कई उजाले हुए हैं। इस यात्रा से जम्मू-कश्मीर के निवासियों के साथ यहां की स्थिति पर चिंता जाहिर करने वाले बाहर के लोगों को भी रोशनी की किरणें दिखाई दी है, यह शुभ एवं श्रेयस्कर है।

यह तथ्य भी सामने आया कि राज्य में लोकतंत्र को जीवंत करने का एक बड़ा काम इस बीच बगैर शोर-शराबे के पूरा कर लिया गया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर 20000 करोड़ रुपये से ऊपर की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा का दिया यह तथ्य इस मामले में ज्यादा प्रासंगिक है कि पिछले छह महीने में राज्य में 80 लाख पर्यटक आए हैं। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर के साथ परेशानियों का पुराना सिलसिला रहा है। खास तौर पर अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद से लोगों के लोकतांत्रिक अधिकार भी सवालों के घेरे में हैं। 2018 से ही लगातार राष्ट्रपति शासन चल रहा है। ऐसे में शांति व्यवस्था और विकास संबंधी सरकार के दावों की भी असल परीक्षा इसी बात से होनी है कि वहां कितनी जल्दी विधानसभा चुनाव करवा कर निर्वाचित सरकार को शासन का जिम्मा सौंप दिया जाता है और लोगों को सामान्य लोकतांत्रिक माहौल मुहैया कराया जाता है।

भारत की महानता उसकी विविधता में है। साम्प्रदायिकता एवं दलगत राजनीति का खेल, उसकी विविधता में एकता की पीठ में छुरा भोंकता रहा है, घाटी उसकी प्रतीक बनकर लहूलुहान रहा है। जब हम नये भारत-सशक्त भारत बनने की ओर अग्रसर हैं, विश्व के बहुत बड़े आर्थिक बाजार बनने जा रहे हैं, विश्व की एक शक्ति बनने की भूमिका तैयार करने जा रहे हैं, तब हमारे जम्मू-कश्मीर को जाति, धर्म व स्वार्थी राजनीति से बाहर निकलना सबसे बड़ी जरूरत है। इसी दिशा में घाटी को अग्रसर करने में मोदी सरकार के प्रयत्न सराहनीय एवं स्वागतयोग्य है।

घाटी की कमजोर राजनीति एवं साम्प्रदायिक आग्रहों का फायदा पडोसी उठा रहे हैं, जिनके खुद के पांव जमीन पर नहीं वे आंख दिखाते रहे हैं। अब ऐसा न होना, केन्द्र की कठोरता एवं सशक्तीकरण का द्योतक हैं। राष्ट्र के कर्णधारों! परस्पर लड़ना छोड़ो। अगर तेवर ही दिखाने हैं तो देश के दुश्मनों को दिखाओ।

सिर्फ नकारात्मक नहीं, सकारात्मक भी देखिए, बिना रुके झुके बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा भारत

अंकित सिंह

जब 370 हटा तो भी कुछ लोगों ने विरोध किया, जब सीएए कानून आया तो भी विरोध किया गया और जब किसान आंदोलन हुआ तो भी लगातार विरोध करने की कोशिश की गई। यह वही लोग हैं जो भारत की तरक्की नहीं देखना चाहते हैं और उसे बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं।

हाल में ही विभिन्न त्योहारों के मौके पर देश के अलग-अलग हिस्सों में निकाली गई शोभायात्रा के दौरान हिंसा की खबरें आई। हिंसा की वजह से दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति भी पैदा हुई। हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्यवाई भी की गई। लेकिन इसके बाद से देश में विपक्ष की ओर से एक अजीबोगरीब माहौल बनाने की लगातार कोशिश की जा रही है। विपक्ष का दावा है कि वर्तमान में सिर्फ एक समुदाय के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें डराया जा रहा है। धमकाया जा रहा है। जबकि सत्तारूढ़ दल का दावा है कि सरकार बिना किसी भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नारे के साथ आगे बढ़ रही है। हमने प्रभासाक्षी के खास कार्यक्रम चाय पर समीक्षा में इसी विषय पर चर्चा की। हालांकि संपादक नीरज दुबे ने कहा कि नकारात्मकता ढूंढने की बजाय सकारात्मकता को देखें तो हमारा देश बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। तरक्की कर रहा है। नीरज दुबे ने कहा कि अभी हम देख रहे हैं कि दो समुदायों के बीच तनाव की खबरें आई हैं लेकिन यह अभी ही नहीं हो रहा है। यह काफी पहले से कुछ लोगों के द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब से केंद्र में मोदी सरकार आई है तब से कुछ लोग भारत को बदनाम करने की लगातार साजिश कर रहे हैं और उसी का एक हिस्सा यह भी है।

नीरज दुबे ने कहा कि आप उदाहरण के लिए देख सकते हैं कि जब 370 हटा तो भी कुछ लोगों ने विरोध किया, जब सीएए कानून आया तो भी विरोध किया गया और जब किसान आंदोलन हुआ तो भी लगातार विरोध करने की कोशिश की गई। यह वही लोग हैं जो भारत की तरक्की नहीं देखना चाहते हैं और उसे बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि यह एक इंटरनेशनल साजिश है, भारत को बदनाम करने के लिए, भारत की प्रगति को रोकने के लिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जो भी टूलकिट बनाई गई है, उसके मुताबिक नईजनई चीजें सामने आती रहती हैं। इसके बाद नीरज दुबे ने कहा कि भले ही कुछ लोगों की ओर से भारत की प्रगति रोकने की साजिश की जा रही है लेकिन भारत की प्रगति अब किसी भी सूरत में रुकने वाली नहीं है। भारत निरंतर ही आगे बढ़ता जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना के समय में भी हम कितनी मजबूती से खड़े रहें, डटे रहें, यह पूरे दुनिया ने देखा है। हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था निरंतर चलती रही, यह भी सब ने देखा है।

नीरज दुबे ने दावा किया कि भले ही लॉकडाउन की वजह से कई दिक्कतें सामने आई, बावजूद इसके अब भारत तरक्की कर रहा है। हाल में ही आईएमएफ ने भारत की आर्थिक विकास को 8त्न से ऊपर रखा है जो कि विश्व में सबसे ज्यादा है। यह कहीं ना कहीं भारत के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि इतनी नकारात्मक का प्रचार के बावजूद भी भारत आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहा है और उसमें हर भारतीय अपना योगदान दे रहा है।

इस नकारात्मक माहौल में भी भारत कितना पॉजिटिव रूप से आगे बढ़ रहा है, वह भी जानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत के रक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में स्थिति ऐसी है कि हम 70त्न खरीदारी घरेलू कंपनी से कर रहे हैं जो कि हमारे देश के लिए बहुत ही बेहतर संकेत है। इससे रोजगार के साथ-साथ अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो रही है। दूसरे देशों की कंपनियां यहां निवेश कर रही हैं।

दुनियां का मंच - भारत सरपंच

भारत एक नए वैश्विक उच्च शक्ति के रूप में वैश्विक पटल पर उभर रहा है

भारत की अनेकता में एकता, कोविड महामारी से रणनीतिक जीत, प्रबल विदेश नीति, नए भारत की नीति छेड़ा तो छोड़ेंगे नहीं जैसी अनेकों उपलब्धियों से अमेरिका से लंका-भारत का डंका - एड किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पिछले कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि भारत का मान-सम्मान, रुतबा, प्रतिष्ठा में बहुत तेज़ी से वृद्धि हो रही है। मेरा ऐसा मानना है कि भारत की विदेश नीति, एक ठोस मज़बूत रणनीति के रूप में काम कर रही है जिसके तहत हम वर्तमान परिपेक्ष में रूस-यूक्रेन युद्ध में लगे रूस पर वैश्विक मंचों के प्रतिबंध के बावजूद हम उनसे बेहिचक तैलीय पदार्थ खरीद रहे हैं। स्कीमों के तहत फायदा भी उठा रहे हैं!! एक दिन पहले ब्रिटिश पीएम का भारत दौरा, चंद दिनों पहले पीएम के अमेरिकी राष्ट्रपति से वर्चुअल मीटिंग, रूसी राष्ट्रपति से लगातार बातचीत, जापान के पीएम का से मुलाकात, पड़ोसी मुल्क के पूर्व पीएम द्वारा बेहिचक भारत और उसकी विदेश नीति की तारीफ़ के पुल बांधना कि भारत के बैन के बावजूद तैलीय पदार्थों की खरीदी पर अंतरराष्ट्रीय मंचों का मौन समर्थन उनकी वैश्विक ताकत को दिखाता दिखा रहा है!! जो अपने आवाम के भले के लिए करते हैं, इत्यादि। साथियों अनेकों ऐसीअन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियां भारतके सकारात्मक पक्ष में इशारा दे रही है कि दुनिया का मंच-भारत सरपंच!! इसी की बुनियाद पर रूस-यूक्रेन युद्ध की सुलह समाधान का नेतृत्व करने भारत की ओर निहारा जा रहा है जो बड़े गर्व की बात है!! साथियों बात अगर हम भारत के एक नए वैश्विक उच्च शक्ति के रूप में वैश्विक पटल पर उभरने की करें तो इसकी नींव को सटीक बल कोविड-19 महामारी की चरम सीमा पर वैश्विक त्रासदी के समय मिला जब बड़े-बड़े पूर्ण विकसित देश असहाय हो गए थे और मरीजों, मृतकों पीड़ितों की संख्या का आंकड़ा सुन दिल दहल गया था!! परंतु फिर भी 135 करोड़ जनसांख्यिकीय तंत्र वाले देश भारत में, कोविड महामारी ने साबित किया है कि किसी आकस्मिक संकट के सामने दुनिया के तमाम उन्नत देश निस्सहाय-निरुपाय हो जाते हैं, जबकि भारत ने अपनी तमाम दिक्कतों के बाद संकट का बहादुरी से सामना किया। हालांकि कोविड की दूसरी लहर में भारत एक वक्त तो लड़खड़ा गया था, लेकिन जिस तरह से उसने दूसरी लहर पर विजय प्राप्त की, और जिस गति से 187.68 करोड़ पात्र लोगों को टीका और अनेकों प्रिकॉशनरी डोज लगाने में कामयाबी हासिल की, उसने दुनिया भर में भारत का कद ऊंचा उठा दिया। उन तमाम विशेषज्ञों और देशों की जुबान पर ताला लगा दिया जो महामारी की शुरुआत के समय यह आशंका जता रहे थे कि भारत की स्थिति बहुत भयावह होगी। भारत ने न सिर्फ अपने नागरिकों को टीके लगाने का अभियान चलाया, बल्कि 95 देशों को 6 करोड़ 63 लाख टीके भी दिए। इसे वैक्सीन मैत्री का नाम दिया गया। इनमें भारत के पड़ोसी देश तो हैं ही, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के तमाम गरीब देश भी शामिल हैं।

साथियों बात अगर हम अनेकता में एकता की करें तो भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई धर्मों सहित अनेकों जातियों उप जातियों प्रजातियों के समुदाय रहते हैं जिसमें सांप्रदायिक सद्भाव कायम करके रखना, हिंसा से निपटना, देश की शान के खिलाफ़ पत्थरबाज, धार्मिक उन्माद, धार्मिक जुलूसों पर पत्थरबाजी, पड़ोसी मुल्क विसरवादी मुहूर्त सहित आंतरिक और बाहरी चुनौतियां भी कम नहीं हैं फ़िर भी कुशल रणनीतिक रोडमैप, कूटनीति, विदेश नीति राजनीति, से जूझकर सक्रियता, सफ़लता से जीतना जानता है!! भारत बिनां दबाव व डर के अपने हितों, संप्रभुता के लिए अडिग रहता है यही सफलता! वैश्विक प्रतिष्ठा, कुशल नेतृत्व के लोहे की मजबूत नींव भारत में वैश्विक नेतृत्व होने का गुण माना जाता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को विशेष महत्व मिलने की करें तो पिछले दिनों से हम देख रहे हैं कि जी-5, जी-20, ग्लास्गो, कैप 26 सहित अनेक मंचों पर भारत की धमाकेदार उपस्थिति विशेष रही है, इसबीच हुए दो बड़े आयोजनों में भी भारत को दुनिया की एक साफ्टपावर के तौर पर मान्यता मिली। पहला आयोजन था ग्लासगो में हुई जी-20 देशों की शिखर बैठक |दुनिया के ज्यादातर देशों ने भारत के प्रस्तावों पर मुहर लगाई। इसके बाद जलवायु परिवर्तन पर हुए काप-26 में भारत ने पहल की कि दुनिया के तमाम देशों को धरती के भविष्य को बचाने के लिए नेट-जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन शून्य करना होगा। भारत ने आगे बढ़ कर 2030 तक 40 प्रतिशत पुनर्नवीकरणीय ऊर्जापर निर्भरता बढाने का संकल्प लिया और 2070 तक पूरी तरह से नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने की घोषणा की। साथियों बात अगर हम भारत की नीति छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं, श्रीलंका को अभी सहायता, अमेरिका, रूस, नाटो देशों से मित्रता सहित अनेक बातें हैं जिसके बल पर भारत के वैश्विक नेतृत्व में सक्षम होने की ओर इशारा करते हैं उम्मीद है शीघ्र ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य भी भारत होगा कुछ समय पहले पीएम नें एक सूर्य, एक विश्व और एक ग्रिड' के जरिये दुनिया के तमाम देशों को जोड़ने की बात कही। भारत पहले ही राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन शुरू कर चुका है, जिसके तहत इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया के जरिये पानीके अवयवों को अलग-अलग करके ऊर्जा प्राप्त की जाती है। भारत हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में दुनिया की एक बड़ी ताकत बन सकता है और दुनिया को ऊर्जा निर्यात कर सकता है।

भविष्य की जरूरत को देखते हुए देश तेजी से बढ़ रहा है। उधर प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी भारत नए-नए आयाम स्थापित कर रहा है जिसकी पूरे विश्व की नजरें लगी हुई है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दुनिया का मंच- भारत सरपंच, भारत एक नए वैश्विक उच्च शक्ति के रूप में वैश्विक पटल पर उभर रहा है, भारत की अनेकता में एकता, कोविड महामारी से रणनीतिक जीत, प्रबल विदेशी नीति, नए भारत की नीति छोड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं जैसे अनेकों उपलब्धियों से अमेरिका से लंका भारत का डंका!!

हुनर को पहचाने!

हुनर को पहचानिए,
अपनी कला को जानिए,
मछली की योग्यता है तैरना,
उसे उड़ने के लिए ना मनाइए!

कौशल का आदर कीजिए,
उसे खुलकर बाहर आने दीजिए,
सभी को किसी ना किसी हुनर से बख्शा खुदा ने,
अपने जीवन का आनंद लीजिए!

शिक्षक को सिखाने दो,
चित्रकार को चित्र बनाने दो,
कुछ और करने के लिए मजबूर ना करो,
हर व्यक्ति को अपना हुनर जताने दो!

चंद पल की खुशी के लिए,
क्यों किसी की कलाबाजी को दफनाए,
अपनी निपुणता के बिना कोई कैसे जिए,
कोई अपनी प्रतिभा को कैसे छिपाए!

हुनर को पहचानिए,
अपनी कला को जानिए,
पंछी की योग्यता है उड़ना,
उसे तैरने के लिए ना मनाइए!!

विकासवादी लेखिका, माध्वी बोरसे!
(स्वरचित व मौलिक रचना)

शार्ट न्यूज

मजबूत संगठन के पीछे कार्यपद्धति की भूमिका अहम : भाजपा

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के तीन दिवसीय प्रशिक्षण अभियान के दूसरे दिन 'संगठन संरचना में हमारी भूमिका' विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता ने कहा कि मजबूत संगठन के पीछे हमारी कार्यपद्धति की अहम भूमिका है।श्री गुप्ता ने कहा कि हमारा संगठन दुनिया का सबसे मजबूत संगठन है इसके पीछे भी हमारी कार्यपद्धति की सबसे अहम भूमिका है।किसी भी कार्य की सफलता चार चीजों पर निर्भर करती है,योजना बनाना, उसको जमीन पर उतारना, मानिटरिंग करना एवं उसकी समीक्षा करना। प्रदेश महामंत्री ने कहा कि निर्णय प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए,जिसमें कोई दोष न हो।किसी भी निर्णय के पहले आपस में पर्याप्त चर्चा होनी चाहिए।संगठन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य कार्यकर्ता का निर्माण करना होता है।कार्यकर्ता के निर्माण के लिये सबसे अच्छा तरीका है अपरिचित को परिचित बनाना, परिचित को मित्र बनाना,मित्र को कार्यकर्ता बनाना,कार्यकर्ता को पदाधिकारी बनाना और पदाधिकारी को नेता बनाना।इस प्रक्रिया से अगर हम गुजरते हुये काम करेंगे तो हमारा संगठन भी मजबूत रहेग और कार्यकर्ता संगठनकर्ता के साथ–साथ नेता भी बन सकेगा।

उप्र में नवनिर्वाचित 36 एमएलसी कल करेंगे शपथ ग्रहण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद के नवनिर्वाचित 36 सदस्यों (एमएलसी) को विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह मंगलवार को शपथ ग्रहण करायेंगे। विधान परिषद के प्रमुख सचिव डा राजेश सिंह ने सोमवार को बताया कि नवनिर्वाचित एमएलसी को विधान भवन के तिलक हॉल में कल शाम चार बजे शपथ ग्रहण करायी जायेगी।उन्होंने बताया कि सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को कल दोपहर ढाई बजे तक अपनी जीत के प्रमाणपत्र के साथ विधान परिषद के सचिवालय में पहुंचने का अनुरोध किया गया है जिससे शपथ ग्रहण से पहले की जरूरी औपचारिकतायें पूरी की जा सकें। गौरतलब है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधान परिषद की स्थानीय निकाय प्राधिकार वाली 36 सीटों पर हाल ही में हुए चुनाव में 33 सीटें जीती हैं। दो सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों और एक सीट जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) ने जीती हैं। इसके साथ ही 100 सदस्यीय उच्च सदन में भाजपा की 66 सीटें हो गयी हैं।इसके साथ ही भाजपा का अब उच्च सदन में भी पूर्ण बहुमत हो गया है।

सपा का प्रतिनिधिमंडल देवरिया आयेगा दर्ज मुकदमे की पड़ताल करने

देवरिया। समाजवादी पार्टी (सपा) का आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल देवरिया में सपा कार्यकर्ताओं पर दर्ज मुकदमे की पड़ताल करने और पीड़ित परिवारों से मिलने 27 अप्रैल को आयेगा। जिले के गौरीबाजार क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के बाद सपा के प्रत्याशी रहे अजय प्रताप सिंह उर्फ पिन्टू,श्रीप्रकाश सिंह उर्फ नत्थू सिंह, ज्ञान प्रकाश सिंह, पिन्टू यादव,हर्ष शर्मा, रघुराज प्रताप सिंह उर्फ बागी उर्फ अतंर्यामी,राजू सिंह सैथवार, और धनेश यादव सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ मारपीट सहित गम्भीर धाराओं में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आठो आरोपियों के खिलाफ देवरिया पुलिस अधीक्षक डा.श्रीपति मिश्र ने पचीस–पचीस हजार का इनाम घोषित कर दिया है।सपा की दलील है कि पार्टी कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराकर उसके बाद इनाम घोषित किया गया है।सपा महासचिव रमाशंकर राजभर ने यहां 'यूनीवार्ता' को बताया कि पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा का आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल इस पूरे मामले की जांच करेगा।उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में विधानसभा में प्रतिपक्ष के पूर्व नेता राम गोविंद चौधरी, पूर्व मंत्री ब्रह्माशंकर त्रिपाठी, फेफना विधायक संग्राम यादव, पूर्व सांसद कनकलता सिंह, पूर्व सांसद रमाशंकर राजभर, पूर्व विधान पार्षद राम अवध यादव, सपा के राष्ट्रीय सचिव ओपी यादव और सपा के देवरिया जिला अध्यक्ष डा.दिलीप यादव को रखा गया है।

प्रतापगढ़ में शराबी ने की बहन की हत्या

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले के जेठवारा क्षेत्र में एक शराबी ने मामूली बात पर अपनी सगी बहन की हत्या कर दी।पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि राम चन्द्र का पुरवा गाँव निवासी धमेन्द्र उर्फ धीरज का एक सप्ताह पहले मोबाइल फोन को लेकर बहन से विवाद हुआ था।रविवार की रात में सोते समय धर्मेंद्र ने अपनी बहन को गोली मार दी और उसके बाद पेट में चाकू मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया।मृतक के पिता शिवकांत की लगभग 14 वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है और वह अपनी विधवा माँ के साथ रहती थी।हत्यारोपी धर्मेंद्र की तलाश की जा रही है।

आग लगने से 13 बीघा फसल स्वाहा

सहारनपुर।उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जिले के बेहट क्षेत्र में आग लगने से गेहूं की करीब 13 बीघा फसल जलकर स्वाहा हो गयी।पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि कस्बा बेहट के गांव महमूदपुर निवासी मौलाना ताहिर ने अपने खेत में करीब 13 बीघा गेहूं की फसल कटवाकर थ्रेसिंग के लिए रखी हुई थी। बीती रात करीब साढे दस बजे अचानक उसकी फसल में आग लग गई।खेतों की तरफ से आग की लपटें और धुएं के गुब्बार को उठता देख ग्रामीणों की भीड़ मौके पर पहुंची और तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी लेकिन काफी देर बाद भी फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंच सकी जिसके बाद ग्रामीणों ने खुद प्रयास किए लेकिन वह फसल को जलने से नहीं बचा सके।इस प्रयास से इतना जरूर हुआ कि आग अन्य खेतों में नहीं पहुंच पाई।पीडित के मुताबिक फायर ब्रिगेड की गाड़ी करीब डेढ़ घंटा बाद मौके पर पहुंची तब तक फसल जलकर राख हो चुकी थी।

24 घण्टे बाद मिले गंगा में डूबे बालकों के शव

बदायूँ। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के तहसील सहसवान क्षेत्र में नहाने के दौरान गंगा नदी में डूबे दो किशोरों के शव पुलिस ने सोमवार को बरामद कर लिये। उप जिलाधिकारी महिपाल सिंह ने बताया तहसील सहसवान के बरौलिया गांव निवासी तहब्बर का पुत्र सादान(13) और नासिर का पुत्र फरदीन(8) रविवार दोपहर खेत पर काम कर रहे परिजनों को खाना देने गए थे।खाना देने के पश्चात दोनों बालक नजदीक में बह रही गंगा में नहाने चले गए और डूब गए।काफी तलाश के बाद भी जब बालक नहीं मिले तो परिजनों ने पुलिस और प्रशासन को सूचना दी।एसडीएम महिपाल सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी चंद्रपाल सिंह व इंस्पेक्टर कोतवाली संजीव शुक्ला अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और गोताखोरों की मदद से बच्चों की तलाश प्रारंभ करवा दी।देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद भी बच्चों का कुछ पता ना चल सका।

प्रतापगढ़ के अपराधी भाइयों को लेने सियालदाह जायेगी पुलिस

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में समाजवादी पार्टी (सपा) नेता एवं पांच–पांच लाख रुपये के इनामी सगे भाइयों को लाने के लिये पुलिस पश्चिम बंगाल के सियालदह जायेगी।पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने सोमवार को बताया कि पिछले साल अगस्त में ब्लाक प्रमुख के चुनाव के दौरान सभापति यादव व सुभाष यादव ने अपने दो दर्जन साथियो के साथ हंगामा किया और रोकने पर पुलिस पर पथराव किया था, तब से दोनो भाई फरार थे। दोनों भाईयों पर पुलिस ने ढाई ढाई लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।गिरफ्तारी न हो पाने पर सितंबर 2021 में सभापति यादव व सुभाष यादव पर इनाम बढ़ाकर पांच पांच लाख रुपया कर दिया गया था।उन्होने बताया कि पिछले शनिवार को दो भाइयों को सियालदाह रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने धर दबोचा था जहां से उन्हे लाने के लिये एक टीम सियालदाह रवाना की गयी है।थाना आसपुर देवसरा के विनयका गाँव के निवासी समाजवादी पार्टी के नेता सभापति यादव पूर्व ब्लाक प्रमुख व पूर्व प्रमुख पति रहा है जबकि उसका छोटा भाई सुभाष यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य रहा है।सभापति यादव पर 45 व सुभाष यादव पर 28 मुकदमे दर्ज है।

योगी सरकार ने पहले महीने में तय किया पांच साल का रोडमैप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक ही पार्टी और एक ही मुख्यमंत्री की लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी करने का इतिहास रचने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल का सोमवार को पहला महीना पूरा कर लिया। पिछले चार सप्ताह में सरकार के 40 अहम फैसले अगले पांच साल के कामकाज का रोडमैप तय कर देते हैं।

गौरतलब है कि योगी मंत्रिमंडल ने गत 25 मार्च को शपथ ग्रहण कर अपने दूसरे कार्यकाल का धमाकेदार आगाज किया था।इस क्रम में योगी सरकार ने शपथ ग्रहण के अगले ही दिन पहली कैबिनेट बैठक में पहला बड़ा फैसला करते हुए, मुफ्त राशन योजना को तीन महीने के लिये बढ़ा कर 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन वितरण की सुविधा को बहाल रखा था।

ज्ञात हो कि सरकार फ्री राशन योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 35 किलो राशन और इसके साथ दाल, चीनी, खाद्य तेल, नमक जैसी खाद्य वस्तुओं का लाभार्थी परिवारों को दे रही है।इस बीच मुख्यमंत्री योगी ने सभी मंत्रियों को अगले सौ दिन और फिर छमाही एवं वार्षिक आधार पर उनके मंत्रालयों की भावी कार्ययोजना की रूपरेखा तलब कर अपनी सरकार का अगले पांच साल के कामकाज का रोडमैप तैयार किया।

योगी सरकार ने सभी तहसीलों में दमकल सेवा को सुनिश्चित करने की बड़ी घोषणा कर अग्निकांड होने पर ग्रामीण क्षेत्र में अधिकतम 15 मिनट और शहरी क्षेत्र में अधिकतम 7 मिनट में घटनास्थल पर दमकल वाहन के पहुंचना सुनिश्चित किया।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को देश में अव्वल बनाने के लिये आगामी दो वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश लक्ष्य तयस करने के साथ उप्र में एक बार फिर ग्लोबल इन्वेस्टर समिट करने की घोषणा की।इसके समानांतर योगी सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का संदेश देते हुए आरोपित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरु कर की।

इस कड़ी में पहली गाज सोनभद्र के जिलाधिकारी और गाजियाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पर निलंबन के रूप में की।

इस बीच रोजगार सृजन की दिशा में योगी सरकार ने रिक्त पड़े पदों पर भर्ती की शुरुआत पुलिस बल के लिए 86 राजपत्रित और 5295 अराजपत्रित नए पदों पर भर्ती शुरु करने के लिये शासन की मंजूरी मिली।

अपराधियों, खासकर भूमाफियाओं के खिलाफ योगी के बुलडोजर ने भी पिछले एक महीने में अपनी धमक जमकर कायम की। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 20 दिनों में 100 से ज्यादा अपराधियों और माफियाओं पर गरजे बुलडोजर ने 200 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की अवैध संपत्ति ध्वस्त या जब्त की है। इनमें से25 माफिया डीजीपी ऑफिस और 8 शासन की तरफ से चिन्हित किए गए थे।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने मुख्यमंत्री आवास पर जनता दर्शन की वापस शुरुआत की। हर दिन सरकार के एक मंत्री की मौजूदगी में जन समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही मंडल वार मुख्यमंत्री ने विकासकार्यों की समीक्षा बैठकें भी प्रारंभ कर दी हैं। इस बीच महिला सशक्तिकरण का संदेश देते हुए योगी सरकार ने अब उप्र में होमगार्ड के 20 प्रतिशत पदों पर महिलाओं की भर्ती करने का फैसला किया।

इस फैसले को अगले 100 दिनों में लागू कर दिया जायेगा। धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने के बारे में प्रदूषण मानकों का पालन सुनिश्चित करने को भी कहा है।

सहारनपुर में ध्वनि प्रदूषण कम होना हुआ शुरू

सहारनपुर। ध्वनि प्रदूषण को लेकर न्याय पालिका के निर्देश और सरकार की अपील का असर जनमानस पर दिखने लगा है। पूजा स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का शोर मंद पड़ने लगा है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि धार्मिक स्थलों या सार्वजनिक स्थलों पर अवैध तरीके से लगे लाउडस्पीकर पर कार्रवाई की जाए। बगैर अनुमति के बज रहे सभी लाउडस्पीकर हटाए जाएं। सहारनपुर शहर में 150 मंदिर और 350 मस्जिदों पर लाउडस्पीकर लगे हुए हैं। सहारनपुर नगर में 11 मस्जिदें ऐसी हैं जहां लाउडस्पीकर नहीं हैं वहां बिना लाउडस्पीकर के नमाज होती है।

एसएसपी आकाश तोमर ने सोमवार को बताया कि सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और राज्य सरकार के ध्वनि प्रदूषण नियंत्रित करने के आदेश–निर्देश पर पुलिस, प्रशासन और नगर निगम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई शुरू कर दी है। एसएसपी ने बताया कि पिछले चार–पांच दिनों में मस्जिदों समेत धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों की आवाज नियमानुसार कम कर दी गई हैं। नियम यह है कि आबादी क्षेत्र में ध्वनि का स्तर सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक 45 डेसीबल तक रहे और रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक व्यवसायिक क्षेत्रों में 55 डेसीबल और दिन में 65 डेसीबल तक रखा जाए। वहीं शांत क्षेत्र में सुबह छह से रात 10 बजे तक 75 डेसीबल ध्वनि का स्तर रह सकता है और दिन में 50 डेसीबल और रात में 10 डेसीबल रह सकता है। तोमर ने कहा कि इन निर्देशों का पालन ना करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ध्वनि प्रदूषण को लेकर जो कानून और नियम हैं। वह यह है कि पर्यावरण संरक्षण 1986 कानून की धारा 15 के तहत इसे दंडनीय अपराध माना गया है। जिसका उल्लंघन करने पर पांच साल की जेल या फिर एक लाख रूपए का जुर्माना या फिर दोनों सजा दी जा सकती है और हर दिन के उल्लंघन के पांच रूपए प्रतिदिन की सजा का प्रावधान अलग से है। सहारनपुर शहर की चौक फव्वारा स्थित जामा मस्जिद और पुरानी जामा मस्जिद, भूतेश्वर महादेव मंदिर, बागेश्वर मंदिरों पर लगे लाउडस्पीकरों की आवाज उनके परिसरों तक ही सीमित कर दी गई है। गौरतलब है कि जिले के गली–मोहल्लों में ज्यादातर मस्जिदों पर लाउडस्पीकर से अजान नहीं होती है। इसी तरह बड़ी संख्या में ऐसे मंदिर हैं जहां या तो लाउडस्पीकर नहीं लगे हुए हैं। एसएसपी आकाश तोमर का कहना था कि सभी धार्मिक स्थलों के प्रबंधकों ने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण करने के संदर्भ में प्रशासन को पूरे सहयोग का भरोसा दिया है। अभी तक की गई कार्रवाई में प्रशासन को विरोध या अवरोध का सामना नहीं करना पड़ा।

देवरिया में साथी के घर में तोड़फोड़ से खफा वकीलों ने किया कार्य बहिष्कार

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष के आवास पर तोड़फोड़ करने के मामले में दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को यहां वकीलों ने कार्य बहिष्कार कर अपना विरोध जताया।

सिविल कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सिंहासन गिरी के शहर स्थित नव निर्मित आवास में कल अराजक तत्वों ने तोड़फोड़ की थी और वकील को जान से मारने की धमकी दी थी जिससे आक्रोशित वकीलों ने सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक दीक्षित के नेतृत्व में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की।

वकीलों ने कहा है कि शहर में राम गुलाम टोला पूर्वी मुहल्ले में वरिष्ठ अधिवक्ता सिंहासन गिरी का टिन सेड पड़ा था जिसे अराजक तत्वों ने रविवार को क्षतिग्रस्त करते हुए तोड़फोड़ की। जिलाधिकारी ने कहा अधिवक्ताओं का पत्रक लेने के बाद वकीलों को आश्वासन दिया कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।सदर कोतवाल अनूज सिंह ने बताया कि इस मामले में पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गरीबी से तंग दो बहनों ने की आत्महत्या

औरैया।उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के दिबियापुर क्षेत्र में गरीबी से तंग आकर दो नाबालिग सगी बहनों ने सोमवार को दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग पर मालगाड़ी के आगे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली।पुलिस सूत्रों ने बताया कि कंचौसी रेलवे स्टेशन के पास ग्राम पंचायत ढीकियापुर के जोगी डेरा निवासी अशोक नाथ की बीमारी से मौत हो गई थी।पिता की मौत के बाद घर चलाने की जिम्मेदारी बड़ी बेटी सपना (17) और पूनम (16) के कंधों पर आ गई। इस बीच मां नीलम देवी भी बीमार रहने लगी।दोनों बहनें किसी तरह गुजर बसर कर मां का इलाज और भाई बहनों का पेट भर रही थी।कर्ज लेकर एक बीघा जमीन में गेहूं की फसल बोई, लेकिन फसल भी ठीक से नहीं हुई।कर्ज चुकाने की चिंता में सपना और पूनम घर से निकल कर कंचौसी रेलवे स्टेशन पहुंची और मालगाड़ी आते देख एक दूसरे का हाथ पकड़ कर छलांग लगा दी।जिससे कटकर दोनों की मौत हो गई।मृतका के चचेरे भाई संजीव नाथ ने बताया कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, इसी से परेशान होकर दोनों ने आत्महत्या की है।

पिछड़े वर्ग के छात्रों को मिलेगी प्रतियोगी परीक्षाओं की निः शुल्क कोचिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार अन्य पिछड़े वर्ग के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिये निशुल्क कोचिंग की सुविधा मुहैया कराने हेतु प्रशिक्षण अकादमी खोलेगी। इसके तहत सरकार अगले दो साल में डिजिटल प्रशिक्षण अकादमी भी शुरू कर देगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से सोमवार को एक बयान में बताया गया कि प्रदेश सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आर्थिक और समाजिक रूप से निर्बल वर्ग के

युवाओं को शैक्षिक और आर्थिक स्तर आगे बढ़ाने की कोशिशों के तहत यह पहल की है। इसके लिये सरकार ओबीसी युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क कोचिंग के लिए प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना करेगी।

साथ ही प्रदेश सरकार ओबीसी युवाओं के लिए डिजिटल प्रशिक्षण अकादमी भी खोलने की तैयारी में है।सरकार ने इसे दो वर्ष की कार्ययोजना में शामिल किया है।

सरकार की ओर से बताया गया कि प्रशिक्षण अकादमी में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ युवाओं को प्रशिक्षण देंगे, साथ ही परीक्षा के पैटर्न और पाठ्यक्रम आदि की भी जानकारी मिल सकेगी। इसके अलावा प्रदेश सरकार अगले छह महीने में निजी कोचिंग संस्थानों के माध्यम से ओबीसी युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क कोचिंग संचालित कराने की योजना तैयार करेगी।

गौरतलब है कि पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवाओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। इंटरमीडिएट पास बेरोजगार ओबीसी युवा 'ओ लेवल' और 'सीसीसी प्रशिक्षण' ले सकते हैं।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित एक समिति, प्रशिक्षण पाने वाले पात्र अभ्यर्थियों का चयन करती है। इसका आनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

उप्र की मंडियों में जैविक अनाज की होगी ब्रांडिंग, हर मंडल में बनेगी टेस्टिंग लैब : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्राकृतिक खेती के अंतर्गत जैविक पद्धति से रासायनिक खाद रहित जो खाद्यान्न उत्पादन हो रहा है, उसके लिए सभी 18 मंडलों में पहले चरण में टेस्टिंग लैब स्थापित की जा रही है। साथ ही, प्राकृतिक खेती कर रहे किसानों को उपज का उचित दाम मिल सके, इसके लिए हर मंडी में अलग से व्यवस्था बनाकर व्यवस्थित मार्केटिंग के काम को भी आगे बढ़ाया जा है। इसके अलावा बुंदेलखंड के सात जिलों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार अपने स्तर पर विशेष प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को नीति आयोग द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल सहभागिता करते हुए यह जानकारी दी।नीति आयोग ने गौ–आधारित प्राकृतिक खेती और इनोवेटिव एग्रीकल्चर विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया था।

इस दौरान नीति आयोग के उपाध्यक्ष डा. राजीव कुमार ने प्राकृतिक खेती को लेकर किए जा रहे राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की।कार्यशाला में योगी ने केंद्रीय बजट में भी प्राकृतिक खेती को स्थान देने के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में एक बड़े भूभाग में प्राकृतिक खेती की जा रही है।इसके बड़े अच्छे और चमत्कारिक परिणाम मिले हैं।उन्होंने कहा कि खासतौर पर नमामि गंगे और परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत पिछले तीन साल में प्रदेश में पहले चरण में जैविक खेती को बढ़ावा दिया और 2020 के बाद से प्राकृतिक खेती को अपनाकर इस क्षेत्र में अनेक अभिनव प्रयोग भी किए हैं।नमामि गंगे योजना में भी प्रदेश के 27 जिलों में गंगा के तटवर्ती 10 किमी के अंदर प्राकृतिक खेती में ही औद्यानिकीकरण और कृषि वानिकी को शामिल करते हुए दो लाख से अधिक किसानों को जोड़ने के एक बड़े अभियान को आगे बढ़ाया गया है।

कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी, नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी मौजूद थे।

योगी ने कहा कि प्राकृतिक खेती से जुड़कर किसान धरती माता को विष से मुक्त करने के साक्षी बन रहे हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 825 विकास खंडों में 1.65 लाख किसान प्राकृतिक खेती से जुड़ चुके हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार अनेक ऐसे कार्यक्रम चला रही है, जिससे प्रगतिशील किसानों को प्राकृतिक खेती के माध्यम से अपनी लागत को कम करके अपनी आय को कई गुना बढ़ाया है।

बुलंदशहर में आठ साल की मासूम को अगवा कर दो युवकों ने किया गैंगरेप

बुलंदशहर।बुलंदशहर में अपने भाई को बाजार से खाना देकर लौटने के दौरान आठ वर्षीय बच्ची को रास्ते में दो युवकों ने अगवा कर लिया और उसे सूनसान स्थान पर ले जाकर गैंगरेप किया।बच्ची को गंभीर हालत में छोड़कर दोनों आरोपी फरार हो गए।कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।बच्ची को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार दोपहर को कोतवाली शिकारपुर क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी 8 वर्षीय बच्ची अपने घर से भाई को बाजार में खाना देने गई थी। भाई को खाना देकर लौटने के दौरान बच्ची को रास्ते में दो युवकों ने मुंह बंद कर अगवा कर लिया।इसके बाद बच्ची को दोनों आरोपी किसी सुनसान स्थान पर ले गए, जहां उसके साथ गैंगरेप किया गया। घटना को अंजाम देकर दोनों आरोपी फरार हो गए।किसी तरह बच्ची ने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़ित परिजन उसे लेकर कोतवाली पहुंचे और दो अज्ञात युवकों के खिलाफ बच्ची को अगवा कर गैंगरेप किए जाने संबंधी तहरीर दी।कोतवाली पुलिस ने दोनों अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कोतवाली पुलिस द्वारा बच्ची को उपचार एवं मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है।आरोपियों का पता लगाने के लिए चार पुलिस टीमों को लगाया गया है।

पुलिस टीमों आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का पता लगाकर उनकी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है, ताकि आरोपियों के बारे में सुराग मिल सके।

अमेठी में पुलिस मुठभेड़ : 25 हजार के इनामी सहित 6 बदमाश गिरफ्तार

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में बीती रात अमेठी में पुलिस के विशेष दस्ते (एसओजी) और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एसओजी प्रभारी और दो बदमाशों को गोली लग गयी एवं पुलिस को 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश सहित गिरोह में शामिल सभी छह बदमाश पकड़ लिये गये।

अमेठी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार पांडे ने यहां बताया कि मुठभेड़ में घायल हुये लोगों को जगदीशपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। पकड़े गये अन्य बदमाशों के पास से पुलिस को अवैध असलहे मिले हैं। पुलिस को मुठभेड़ में शामिल सभी बदमाशों को पकड़ने में कामयाबी मिली है।

उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व जिले में लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हुए इन बदमाशों के रविवार देर रात क्षेत्र से गुजरने की एसओजी टीम को सूचना मिली थी। जिस पर एसओजी टीम ने मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के कादू नाला के पास नाकाबंदी कर दी। उसी समय काले रंग की स्कार्पियो पुलिस टीम को देखकर भागने लगी।पुलिस ने जब बदमाशों की घेराबंदी की तो स्कॉर्पियो में सवार आधा दर्जन बदमाशों ने पुलिस टीम पर गोलीबारी कर दी। इसमें एसओजी प्रभारी के बाएं हाथ में गोली लग गई।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लग गयी। इस दौरान पुलिस टीम ने सभी आधा दर्जन बदमाशों को पकड़ लिया। पकड़े गए बदमाशों में गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध 25 हजार रुपये का इनामी महेश सिंह भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया।इसके खिलाफ 13 मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस ने बदमाशों के पास से चार अवैध तमंचे भी बरामद किये हैं।

अस्पतालों में मरीजों से हो अच्छा व्यवहार : पाठक

गोंडा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सोमवार को कहा कि अस्पताल पहुंचे मरीजों से चिकित्सक व मेडिकल स्टाफ अच्छा व्यवहार करें। सर्किट हाउस में स्वास्थ विभाग के अधिकारियों संग समीक्षा बैठक में श्री पाठक ने सोमवार को कहा कि अस्पतालों में मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलें, चिकित्सकों के ड्यूटी का चार्ट लगाया जाए। तथा उनके आने–जाने का समय निर्धारित हो। इमरजेंसी में 24 घंटे डॉक्टर उपलब्ध रहें। उन्होने कहा जिले में जितने भी टीवी के मरीज हैं सभी अधिकारी उन्हें गोद ले। गोद लेने का मतलब उन्हें चिन्हित करें तथा इसकी रिपोर्ट शासन को दें। हम 2025 तक उत्तर प्रदेश को

टीवी मुक्त प्रदेश बनाएंगे।अस्पताल में मरीजों को भगवान की तरह माना जाए।उनके साथ घर जैसा व्यवहार हो किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार की शिकायत नहीं आनी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रसव के बाद जच्चा–बच्चा को अस्पताल में 48 घंटे रखा जाए।इस दौरान जितने भी रोग प्रतिरोधक टीके लगने हैं।उन्हें लगाने के बाद ही अस्पताल से घर भेजा जाये। उन्होने अधिकारियों से कहा कि बिजली पानी सड़क की अच्छी व्यवस्था रहे।

विद्यालय में बच्चे व शिक्षक समय से पहुंचे। लोगों को आसानी से शुद्ध पेयजल मिल सके अस्पताल पहुंचे मरीजों से चिकित्सक व मेडिकल स्टाफ अच्छे व्यवहार करें।

समीक्षा बैठक के बाद सर्किट हाउस में पत्रकारों को जानकारी देते हुए उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि गोण्डा को हर क्षेत्र में सुंदर बनाने के लिये कदम उठाये जा रहे है। प्रदेश सरकार गरीबों दलितों वंचितों समेत सभी वर्गों के लिये समान कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि एक माह के बाद सभी कार्यों कई पुनः समीक्षा की जायेगी। उन्होंने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। डिप्टी सीएम सर्किट हाउस से मनकापुर संचार बिहार में भाजपा के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने रवाना हो गये।

पेपर लीकः बलिया के तीनों पत्रकारों को मिली जमानत, गंभीर धाराएं भी हटी

बलिया।पेपर लीक मामले में आरोपित बलिया के तीनों पत्रकारों को कोर्ट से जमानत मिल गई है।वहीं तीनों पर लगी संगीन धाराएं भी हटा ली गई हैं।कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मंगलवार को तीनों के रिहा होने की उम्मीद है।यूपी बोर्ड परीक्षा में 30 मार्च को बलिया में इंटर अंग्रेजी का पर्चा आउट होने के बाद इसका खुलासा करने वाले पत्रकारों पर ही जिला प्रशासन ने कार्रवाई की थी। इस मामले में जिला प्रशासन ने पत्रकार अजीत ओझा, दिग्विजय सिंह व मनोज गुप्ता पर मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया था। पत्रकारों की गिरफ्तारी से नाराज 'संयुक्त पत्रकार संघर्ष मोर्चा' के बैनर तले पत्रकारों ने आंदोलन शुरू कर दिया था।वहीं जांच के दौरान सुबूत न मिलने पर पुलिस को तीनों पत्रकारों पर लगाई गई संगीन धारा (420 आईपीसी) हटानी पड़ी। शुक्रवार को जिला कोर्ट में सुनवाई के बाद दिग्विजय सिंह और मनोज गुप्ता की जमानत अर्जी मंजूर हो गई थी, वहीं सोमवार को जिला कोर्ट ने पत्रकार अजीत ओझा को भी जमानत दे दी।तीनों अभी आजमगढ़ जेल में हैं।कानून प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों की रिहाई मंगलवार को होने की संभावना है।उधर इस मामले में जेल भेजे गए तत्कालीन डीआईओएस बृजेश मिश्र एवं अन्य आरोपितों की जमानत अर्जी पर सुनवाई के लिए अगली तारीख 27 अप्रैल कोर्ट ने तय की है।

शार्ट न्यूज

रुपया 22 पैसे टूटा

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर पड़ने के बावजूद घरेलू स्तर पर शेयर बाजार की गिरावट के दबाव आज रुपया 22 पैसे टूटकर 76.64 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले सत्र के रुपया 76.42 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 16 पैसे टूटकर 76.58 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 76.77 रुपये प्रति डॉलर के निचले और 76.55 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 22 पैसे टूटकर 76.64 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

कीमती धातुओं की चमक पड़ी फीकी

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं में हुयी गिरावट का असर आज घरेलू स्तर पर दिखा जहां सोना करीब डेढ़ फीसदी और चाँदी करीब ढाई फीसदी टूट गयी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 1.07 प्रतिशत टूटकर 1909.15 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिका सोना वायदा 1.37 प्रतिशत गिरकर 1904.50 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चाँदी 2.15 प्रतिशत फिसलकर 23.62 डॉलर प्रति औंस बोली गयी। घरेलू स्तर पर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 791 रुपये फिसलकर 51470 रुपये प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 710 रुपये उतरकर 51530 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। इस दौरान चाँदी 1644 रुपये टूटकर 64905 रुपये प्रति किलोग्राम और चाँदी मिनी 1588 रुपये उतरकर 66 हजार रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

कांडला बंदरगाह हेरोइन मामले में आयातक गिरफ्तार

नयी दिल्ली। गुजरात के कांडलाा बंदरगाह पर जिप्सम पाउडर के तौर पर आयात किये गये हेरोइन मामले में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने इसके आयातक को पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार अब तक की छान-बीन के आधार पर डीआरआई ने उस आयातक को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया है और उसे 24 अप्रैल को अमृतसर के ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे डीआरआई की ट्रांजिट रिमांड दे दी, ताकि अधिकारी भुज के सक्षम न्यायालय में आयातक को पेश कर सकें। गुजरात एटीएस के अधिकारियों के साथ मिलकर खुफिया जानकारी हासिल करने के बाद राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने एक कंसाइनमेंट की जांच की। इसे उत्तराखंड की एक फर्म ने कांडला बंदरगार पर आयात किया था। यह कनसाइनमेंट ईरान के बंदर अब्बास गोदी से कांडला बंदरगाह पहुंचा था। कंसाइनमेंट में 17 कंटेनर (10,318 बैग) शामिल थे, जिनका कुल वजन 394 मीट्रिक टन था। इसे जिप्सम पाउडर बताकर आयात किया गया था। अब तक 205.6 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी गैर-कानूनी बाजारी कीमत 1439 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस कनसाइमेंट की गहरी छान-बीन अभी बंदरगाह पर जारी है। जांच-पड़ताल के दौरान उत्तराखंड के पंजीकृत पते पर आयातक नहीं मिला था। इसलिये, उसे पकड़ने के लिये देशभर में उसकी खोज की जा रही थी। डीआरआई ने आयातक का पता लगाने के लिये देश भर में विभिन्न स्थानों पर दबिश डाली थी। आयातक लगातार अपना स्थान बदल रहा था और अपनी पहचान छुपाता फिर रहा था। बहरहाल आयातक के पंजाब के एक गांव में छुपे होने की जानकारी मिली जिसके आधार पर उसको पकड़ने की कोशिश की गयी। आयातक ने विरोध किया और भागने की कोशिश की, लेकिन डीआरआई के अधिकारियों ने उसे धर-दबोचा।

13 रुपये से 335 के पार पहुंचा यह शेयर, एक साल में दिया 850 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली। एक स्टॉक ने पिछले 1 साल में जबरदस्त रिटर्न दिया है। यह शेयर टिन्ना रबड़ और इंफ्रास्ट्रक्चर का है। कंपनी का शेयर साल 2021 के मल्टीबैगर स्टॉक्स में से एक है और इस साल भी यह मल्टीबैगर रिटर्न देने वाले शेयरों में हो सकता है। टिन्ना रबड़ और इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयरों ने पिछले एक साल में 886 फीसदी का रिटर्न निवेशकों को दिया है। इस अवधि में कंपनी के शेयर 34 रुपये से बढ़कर 335 रुपये के पार पहुंच गए हैं। वहीं, कंपनी के शेयर पिछले 2 साल से कम में 13 रुपये से 335 रुपये के पार पहुंच गए हैं।कंपनी के शेयरों ने इस साल अब तक 83 फीसदी का रिटर्न दिया है। कंपनी में दिग्गज इनवेस्टर डॉली खन्ना ने भी बड़ा दांव लगाया है। टिन्ना रबड़ और इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 10 जून 2020 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज13 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 25 अप्रैल 2022 को 336 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 10 जून 2020 को कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो 2 साल से भी कम में 1 लाख रुपये के इनवेस्टमेंट की वैल्यू आज की तारीख में 25.84 लाख रुपये होती। यानी, सीधे 24 लाख रुपये से ज्यादा का फायदा होता। टिन्ना रबड़ और इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 30 अप्रैल 2021 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 33.40 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 25 अप्रैल 2022 को 336 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। अगर किसी व्यक्ति ने एक साल पहले ही कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो मौजूदा समय में यह पैसा 10 लाख रुपये से ज्याादा होता। टिन्ना रबड़ और इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों का 52 हफ्ते का लो-लेवल 33.40 रुपये है। वहीं, 52 हफ्ते का हाई लेवल 370.95 रुपये है।

महंगाई की आग में घी डाल रहा पॉम आयल, इंडोनेशिया के इस ऐलान से कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। महंगाई की आग में जल रहे भारतीय बाजार में इंडोनेशिया का पाम ऑयल घी का काम कर रहा है। बाजार पहले ही कोविड के बाद के दौर में शादियों के सीज़न में महंगाई की मार झेल रहा है। ऐसे में इंडोनेशिया के एक कदम के बाद भारत में इसकी कीमतें आसमान छू रही हैं। बता दें इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के एक ऐलान के बाद कुआलालंपुर में पाम तेल का जुलाई डिलीवरी वायदा 6त्न बढ़कर 6,738 रिंगित (.1,550) प्रति टन हो गया। विडोडो ने ऐलान किया है कि 28 अप्रैल से पामोलिन यानी पाम ऑयल और इसके कच्चे माल के निर्यात पर रोक लगाएंगे। पाम ऑयल के निर्यात पर लगी रोक अगले फैसले तक लागू रहेगी। एक वीडियो संदेश में राष्ट्रपति जोको विडोडो ने शुक्रवार को कहा कि उनका उद्देश्य देश में खाने के सामान की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। बता दें इंडोनेशिया में वैश्विक पाम तेल आपूर्ति का लगभग 60त्न हिस्सा है। यहां बड़े पैमाने पर पाम की खेती होती है। पाम ऑयल के उत्पादन के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक इंडोनेशिया स्थानीय स्तर पर इसकी कमी से जूझ रहा है। बता दें पाम से खाद्य तेल के अलावा डिटर्जेंट, शैंपू, टूथपेस्ट लेकर चॉकलेट, डोनट और लिपस्टिक तक में इसका इस्तेमाल होता है। इंडोनेशिया के पाम तेल पर अचानक निर्यात प्रतिबंध के बाद विश्लेषकों ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों और खाद्य तेलों सहित उत्पादों की आपूर्ति और कीमतों दोनों पर निकट अवधि के दबाव का संकेत दिया है। भारतीय बाजार पहले ही कोविड के बाद के दौर में रमज़ान और शादियों के सीज़न में महंगाई की मार झेल रहा है।

नीति आयोग में डॉ बेरी की नियुक्ति, न्यू इंडिया के घोषण-पत्र का नवीनीकरण : राजीव कुमार

नयी दिल्ली। नीति आयोग के निवर्तमान उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने सोमवार को कहा कि डॉ सुमन के बेरी की नये उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्ति से 'न्यू इंडिया' के लिए कायाकल्प के घोषणा-पत्र का नवीनीकरण हुआ है। कुमार ने आज अपने कार्यालय में डॉ बेरी का स्वागत किया और शुभकामनाएं दी। उन्होंने डॉ बेरी के स्वागत की कुछ तस्वीरें अपने ट्वीटर अकाउंट पर पोस्ट की, जिसमें वह उन्हें पुष्प-गुच्छ भेंट कर रहे हैं। एक तस्वीर में दोनों प्रख्यात अर्थशास्त्री एक दूसरे के कंधे पर हाथ रख कर खड़े हैं, वहीं अन्य तस्वीर में वे सोफे पर बैठे चर्चा कर रहे हैं। डॉ बेरी को नीतिगत विषयों पर अनुसंधान एवं परामर्श देने वाली सरकार की संस्था- भारत के कायाकल्प के लिए राष्ट्रीय संस्थान (नीति) आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। श्री कुमार अभी आगामी 30 अप्रैल तक इस पद पर रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में योजना आयोग को समाप्त कर उसकी जगह नीति आयोग का गठन किया था।

शक्कर में सुधार, खाद्य तेलों में मजबूती, दलहनो में गिरावट, दाले सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग सुधार लिए बताई गई। खाद्य तेल मजबूती लिए रहे। आज मूंगफली तेल तथा पाम तेल बढ़कर बिका। दलहनों में मूंग सस्ती बिकी। दालों में ग्राहकी सुस्त होने से गिरावट दर्ज की गई। चावल में उठाव रहा।

किराना बाजार

शक्कर में खरीदी से मजबूती रही। आज शक्कर में कामकाज 3620 से 3660 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 12 गाड़ी आवक हुई। नारियल में लिवाली बनी रही। खोपरा गोला तथा हल्दी में उठाव बताया गया। साबूदाना में खरीदी साधारण रही।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में मजबूती दर्ज की गई। आज मूंगफली तेल तथा पाम तेल बढ़कर बिका। तिलहन में सोयाबीन में प्लान्टो की लिवाली रही। सरसों में कामकाज बढ़ने से तेजी रही।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन नरमी लिए रहे। मूंग घटकर बिकी। आज दालों में लिवाली सुस्ती से नरमी रही। इससे भाव गिरावट लिए बताए गए। चावल में पूछपरख सुधार लिए रही।

किराना

शक्कर 3620 से 3660 रुपये प्रति क्विंटल। नारियल 120 भरती 1450 से 1500, 160 भरती 1725 से 1750, 200 भरती 1800 से 1850, 250 भरती 2100 से 2150 रुपये।
खोपरा गोला 205 से 225 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2400 से 4400 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 115 से 175 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4500 से 5100, पैकिंग में 5400 से 5600 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6600 से 6800, रायडा 6200 से 6400 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1670 से 1680, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1620 से 1625, सोयाबीन साल्वेंट 1600 से 1605, पाम तेल 1645 से 1650 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

तुअर निमाड़ी 5500 से 6100, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6200 से 6300, तुअर (कर्नाटक) 6500 से 6600, चना (कांटा) 4900 से 4950, मसूर 6625 से 6650, मूंग 6600 से 6700, मूंग हल्की 6000 से 6500, उड़द 7000 से 7100, उड़द मीडियम 5500 से 6200, उड़द हल्की 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 6150 से 6650, तुअर दाल सवा नंबर 8400 से 8500, तुअर दाल फूल 8600 से 8800, तुअर दाल नई 9100 से 9800, आयातित तुअर दाल 8200 से 8300, मसूर दाल 7950 से 8250, मूंग दाल 8600 से 8900, मूंग मोगर 9200 से 9500, उड़द दाल 8400 से 8700, उड़द मोगर 9300 से 9700 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7000 से 7500, राजभोग 6400 से 6500, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1380 से 1390, मैदा 1340 से 1350, आटा 1300 से 1310, चना बेसन 3300 से 3325 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

शेयर बाजार में बिकवाली जारी, सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट

मुंबई। वैश्विक स्तर से मिले नकारात्मक संकेत और घरलू स्तर पर हुयी चौतरफा बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार में आज लगातार दूसरे दिन बिकवाली जारी रही जिससे बीएसई का सेंसेक्स 1.08 प्रतिशत और एनएसई का निफ्टी 1.27 प्रतिशत फिसल गया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 617.26 अंक टूटकर 56579.89 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 218 अंक फिसलकर 17 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 16953.95 अंक पर उतर गया।
दिग्गज कंपनियों की तुलना में छोटी और मझौली कंपनियों में बिकवाली का दबाव अधिक रहा जिससे बीएसई का मिडकैप 1.86 प्रतिशत टूटकर 24238.68 अंक पर और स्मॉलकैप 1.88 प्रतिशत उतरकर 28699.35 अंक पर रहा।
बीएसई में बैंकिंग 0.12 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर शेष सभी समूहों में गिरावट रही। इसमें धातु में सबसे अधिक 3.71 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। बीएसई में कुल 3674 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2494 लाल निशान में और 1037 हरे निशान में रही जबकि 143 में कोई बदलाव नहीं हुआ।
वैश्विक स्तर पर चौतरफा बिकवाली हुयी जिससे सभी प्रमुख सूचकांक लाल निशान में रहे। चीन का शंघाई कंपोजिट 5.13 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 3.73 प्रतिशत, जापान का निक्केई 1.90 प्रतिशत, ब्रिटेन का एफटीएसई 2.16 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 1.71 प्रतिशत की गिरावट में रहा।
बीएसई का सेंसेक्स 440 अंकों की गिरावट लेकर 56757.64 अंकों पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही यह 56875.68 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन इसके बाद शुरू हुयी बिकवाली का दबाव अंतिम सत्र में बना रहा और इस दौरान यह 56356.89 अंक के निचले स्तर तक उतरा।
अंत में यह पिछले दिवस के 57197.15 अंक की तुलना में 1.08 प्रतिशत अर्थात 617.26 अंक गिरकर 56576.89 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 22 लाल निशान में और 8 हरे निशान में रही।
एनएसई का निफ्टी 162 अंकों की गिरावट लेकर 17009.05 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17054..30 अंक के उच्चतम और 16888.70 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 17171.95 अंक की तुलना में 1.27 प्रतिशत अर्थात 218 अंक टूटकर 16953.95 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 42 लाल निशान में और आठ हरे निशान में रहे।

चुनिंदा खाद्य तेलों और दालों में तेजी, गुड़ गरम

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में आई तेजी की बदौलत आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में चुनिंदा खाद्य तेलों के साथ ही दालों में भी उबाल रही। इस दौरान गुड़ भी 100 रुपये प्रति क्विंटल गरम हो गया जबकि चीनी, चवाल और गेहूँ में टिकाव रहा।
तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 61 रिंगिट चढ़कर 6869 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.78 सेंट की तेजी लेकर 82.34 सेंट प्रति पौंड बोला गया।
इस दौरान स्थानीय स्तर पर सूरजमुखी तेल 292 रुपये और मूंगफली तेल 294 रुपये प्रति क्विंटल उबल गया। इस दौरान पाम ऑयल, वनस्पति, सरसों तेल और सोया रिफाइंड के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।
गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चीनी स्थिर रहा जबकि गुड़ 100 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया।
दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिश्रित रूख रहा। इस दौरान अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल औरर मसूर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल उबल गयी। इस दौरान चना, चना दाल, मूंग दाल और उड़द दाल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ।
अनाज :अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव स्थिर रहे।
दाल-दलहन : चना 4700-4800,दाल चना 5700-5800, मसूर काली 8500-8600, मूंग दाल 9000-9100, उड़द दाल 9800-9900, अरहर दाल 8100-8200 रुपये प्रति क्विंटल रहे।
अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2250-2350 रुपये और चावल ¬ 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा।
चीनी-गुड़ : चीनी एस 3570-3670, चीनी एम. 3700-3800, मिल डिलीवरी 3450-3550 और गुड़ 3200-3300 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

सहकारी बैंक के खाताधारकों को 27 अप्रैल से मिलेगी बीमा रकम

मुंबई। जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) 27 अप्रैल को लखनऊ स्थित सहकारी बैंक इंडियन मर्केंटाइल कोऑपरेटिव बैंक के पात्र जमाकर्ताओं को भुगतान करेगा। जबकि, बीड स्थित द्वारकादास मंत्री नगरी सहकारी बैंक के जमाकर्ताओं को भुगतान छह जून को किया जाएगा। आरबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई डीआईसीजीसी बैंक में जमा राशि पर पांच लाख रुपये तक का बीमा कवर देती है। डीआईसीजीसी ने एक सूचना में कहा कि दोनों सहकारी बैंकों के जमाकर्ताओं को वैध दस्तावेज जमा करने पर निर्दिष्ट वैकल्पिक बैंक खाते में बीमा की राशि का भुगतान किया जाएगा। वित्त वर्ष 2021-22 में डीआईसीजीसी ने आठ सहकारी बैंकों के मुख्य दावों का निपटारा किया था। इसमें गोवा स्थित द मडगाम अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के 32,221 जमाकर्ताओं के लगभग 136 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र स्थित करनाला नगरी सहकारी बैंक के 38,325 जमाकर्ताओं के 374 करोड़ रुपये शामिल थे। महाराष्ट्र स्थित कराड जनता सहकारी बैंक के 39,032 जमाकर्ताओं को भी 330 करोड़ रुपये दिए गए। पहले डीआईसीजीसी अधिनियम की धारा 16(1) के तहत एक जमाकर्ता को सिर्फ 1,500 रुपये का ही बीमा कवर मिलता था, लेकिन पिछले तीन दशकों में बीमा की यह राशि धीरे-धीरे बढ़ती रही। इसी साल चार फरवरी से जमा राशि पर बीमा कवर को बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें 19वें दिन भी स्थिर

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने सोमवार को 19वें दिन भी जीवाश्म ईंधन की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं किया।
बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोल-डीजल के दामों में स्थिरता आम जनता के बीच राहत की बात है।
सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तले विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार, दाम में टिकाव की वजह से आज दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।
मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।

यूक्रेन में चल रहे रूस के सैन्य अभियान के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है।
अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल की कीमतों में दो प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गयी। लंदन ब्रेंट क्रूड 2.91 प्रतिशत गिरकर 103.55 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 2.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.05 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।
देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं।
कंपनियों ने पिछले 30 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की।
इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है।
पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम

महानगर	पेट्रोल	डीजल (रुपए प्रति लीटर)
दिल्ली	105.41	96.67
कोलकाता	115.12	99.83
मुंबई	120.51	104.77
चेन्नई	110.85	100.94

एडब्लूएस का जल संसाधन के लिए वाटर डॉट ओरजी और वाटरएड के साथ गठबंधन

नयी दिल्ली। एमेज़ॉनडॉटकॉम की कंपनी एमेज़ॉन वेब सर्विसेज़ इंक (एडब्लूएस) ने सामुदायिक जल परियोजनाओं ने जल संसाधन प्रदान करने के लिए गैर लाभकारी संगठनों वाटर डॉट ओआरजी और वाटरएड के साथ गठबंधन में साल 2020 से महाराष्ट्र, तेलंगाना, और आंध्रप्रदेश में 250,000 से ज्यादा लोगों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराया है और आगे भी इस गठबंधन के तहत काम जारी रखने की घोषणा की है।
एडब्लूएस भारत एवं विश्व में अपने कार्य संचालन में पानी की बचत में सुधार लाने, सतत स्वच्छता कार्यों का विकास करने, स्वच्छ जल की उपलब्धता बढ़ाने और जल संसाधनों का संरक्षण करने पर केंद्रित अभियानों के विस्तार के लिए इन दोनों संगठनों के साथ अपने कार्यों को जारी रखेगा। इस गठबंधन के तहत एडब्लूएस भारत के तीन राज्यों में किफायती ऋण प्रदान करता है, ताकि समुदायों को अपने-अपने घरों में पाईप्ड वॉटर कनेक्शन और टॉयलेट्स स्थापित करने के लिए वित्त प्राप्त हो सके।
कंपनी ने यहां जारी बयान ममें कहा कि वाटरएड के साथ एडब्लूएस तेलंगाना और आंध्रप्रदेश में रेनवाटर हार्वेस्टिंग, ग्राउंड वॉटर रिचार्ज सिस्टम, पाईप्ड वॉटर इंस्टॉलेशंस एवं सामुदायिक जागरुकता कार्यक्रमों में मदद करता है। 1.38 अरब लोगों की आबादी वाले भारत देश में ये कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण हैं।
वाटर डॉटकॉम के कॉर्पोरेट साझेदारी के प्रमुख माईकल मयर्निक ने कहा, "भारत में एडब्लूएस द्वारा उनके संगठन को दिए गए सहयोग ने महाराष्ट्र, तेलंगाना, और आंध्रप्रदेश में 210,000 से ज्यादा लोगों के लिए दीर्घकालिक और जलवायु के प्रति दृढ़ जल व स्वच्छता समाधान संभव बनाए हैं। इंस्टॉलेशंस में घरेलू पाईप्ड कनेक्शन, वॉटर टैप्स, रेनवाटर हार्वेस्टिंग एवं स्टोरेज, टॉयलेट्स, बोरवैल्स, सामुदायिक वाटर फिल्ट्रेशन, और इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट से हर साल अनुमानित 50 करोड़ लीटर रिकरिंग वाटर वॉल्यूम बेनेफिट मिलता है।

विदेशी पर्यटकों का फिर से भारत का रूख, उद्यमियों और व्यापारियों में उत्साह

नयी दिल्ली। कोरोना काल में बुरी तरह प्रभावित पर्यटन क्षेत्र गत फरवरी में महामारी की तीसरी लहर के बाद इसका असर घटने के बाद विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) से फिर से सुधार की ओर बढ़ रहा है और इससे जुड़े उद्यमियों एवं व्यापारियों में उत्साह की लहर भी है।
पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी 2022 में एफटीए बढ़कर 2.40 लाख रहा जोकि इससे पिछले महीने 2.01 लाख था। एफटीए में इजाफा स्थानीय टूर ऑपरेटरों और इससे जुड़े अन्य कारोबारियों के लिए बड़ी राहत है। दिसंबर 2021 में एफटीए 3.03 लाख पर पहुंच गया था लेकिन इससे अगले कोरोना संक्रमण के डर के कारण इसमें गिरावट दर्ज की गयी।
विदेशी पर्यटकों के आगमन की संख्या अक्टूबर और नवंबर 2021 में क्रमश: 1.81 लाख और 2.51 लाख थी।

रू 24,713 करोड़ की डील कैंसिल होने के बाद इस कंपनी के शेयरों को बेचने की लगी होड़

एजेंसी

नई दिल्ली। किशोर बियानी की अगुवाई वाली फ्यूचर ग्रुप कंपनियों के शेयरों में सोमवार को बड़ी गिरावट देखी गई। कंपनी के शेयरों में इंट्रा-डे ट्रेड में बीएसई पर 20 पर्सेंट तक की तगड़ी गिरावट आई। बीएसई पर फ्यूचर रिटेल के शेयरों में 5 प्रतिशत का लोअर सर्किट लग गया है। वहीं, फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन लिमिटेड के शेयर 19.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 29.40 रुपये पर आ गए जो कि इसका 52 वीक लो प्राइस है। वहीं, फ्यूचर स्पलाई चेन सॉल्युशन लिमिटेडके शेयर 19.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ 37.30 रुपये पर आ गए। यह इसका अब तक का सबसे लो प्राइस है। फ्यूचर ग्रुप के सभी लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त बिकवाली चल रही है।
दरअसल, इस बड़ी गिरावट के पीछे मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और फ्यूचर ग्रुप के बीच डील कैंसिल होने के बाद देखी जा रही है। आपको बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने फ्यूचर समूह के साथ अपने 24,713 करोड़ रुपये के सौदे को कैंसिल कर दिया है। इसका ऐलान RIL ने शनिवार को किया था।

लोअर सर्किट में फ्यूचर ग्रुप के शेयर

बीएसई पर फ्यूचर रिटेल का शेयर 5 प्रतिशत के लोअर सर्किट में फंसा है। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट तक टूटकर 27.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। यह अपने 52 वीक शेयर प्राइस 27.65 रुपये के बेहद करीब है। Future Enterprises Ltd के शेयर भी लोअर सर्किट में हैं। कंपनी के शेयर 5 प्रतिशत गिरकर 13.32 रुपये पर पहुंच गए हैं।

24 हजार करोड़ रुपए का था सौदा

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर किशोर बियानी की फ्यूचर समूह की डील को रद्द करने का ऐलान किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) और फ्यूचर समूह की अन्य कंपनियों ने इस सौदे की मंजूरी के लिए हुई बैठकों के नतीजों से अवगत कराया है। इसके मुताबिक, सौदे को शेयरधारकों एवं असुरक्षित कर्जदाताओं ने बहुमत से स्वीकार कर लिया है लेकिन सुरक्षित ऋणदाताओं ने प्रस्ताव को नकार दिया है। इस हालात में डील को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है।

साल 2020 में हुई थी डील

बता दें कि फ्यूचर समूह ने अगस्त 2020 में रिलायंस समूह की कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) के साथ 24,713 करोड़ रुपये के विलय समझौते की घोषणा की थी। इस डील के तहत खुदरा, थोक, लॉजिस्टिक एवं भंडारण खंडों में सक्रिय फ्यूचर समूह की 19 कंपनियों का रिलायंस रिटेल अधिग्रहण करने वाली थी।

शार्ट न्यूज

स्पोर्ट्स को मौलिक अधिकार बनाये जाने का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से मांगे सुझाव

नयी दिल्ली। स्पोर्ट्स को मौलिक अधिकार घोषित करने के लिये डॉ कनिष्क पाण्डेय ने उच्चतम न्यायालय में रिट याचिका (सिविल) संख्या 423 आफ 2018 डॉ० कनिष्क पाण्डेय बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया व अन्य दाखिल कर रखी है। उच्चतम न्यायालय ने इस याचिका को स्वीकार करते हुए एमीकस क्यूरी को नियुक्त किया है। जस्टिस नागेश्वराव और जस्टिस गवई की बेंच ने सोमवार को इस याचिका पर विस्तार से सुनवाई की। एमीकस क्यूरी ने जहाँ अपनी रिपोर्ट्स को स्वयं प्रस्तुत किया है, वहीं याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विशाल सिंह, अंजनी कुमार मिश्रा एवं राजीव दुबे ने अपने तर्क प्रस्तुत किये। एमीकस क्यूरी की रिपोर्ट एवं उपर्युक्त वरिष्ठ अधिवक्ताओ की दलीलों को सुनने के बाद उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र सहित सभी राज्य सरकारों को अपने सुझाव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता, अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि सभी राज्यों से सुझाव प्राप्त होने के उपरान्त ग्रीष्मावकाश के बाद इस पर सुनवाई की तिथि नियत की जायेगी। पूर्व ओलम्पियन एवं अर्जुन पुरस्कार विजेता पद्मश्री से सम्मानित स्व मेजर ध्यानचन्द के पुत्र अशोक ध्यानचन्द ने सुनवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए यह कहा है कि उच्चतम न्यायालय की गंभीरता से ऐसा लगता है कि खेल के क्षेत्र में भारत अग्रणी हो जाएगा।

बटलर को रोकना बेंगलुरु के सामने सबसे बड़ी चुनौती

पुणे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के बीच मंगलवार को होने वाले आईपीएल के मुकाबले में राजस्थान के जोस बटलर को रोकना बेंगलुरु के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी। बटलर इस वक़्त फ़ॉर्म के शिखर पर हैं। इस सीज़न में बटलर सबसे ज़्यादा 491 रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। बटलर ने यह रन 81.83 के औसत और 161.51 के स्ट्राइक रेट से बटोरे हैं। पिछले आठ आईपीएल के मुक़ाबलों में बटलर के नाम चार शतक हैं। एमसीए के मैदान पर भी उनका रिकॉर्ड लाजवाब रहा है। बटलर ने यहां टी20 के पांच मुक़ाबलों में 51.66 के औसत और 161.96 के स्ट्राइक रेट से 155 रन ठोके हैं। बटलर पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली के 2016 के सत्र में चार शतक बनाने के रिकॉर्ड की बराबरी करने की दहलीज पर हैं। बटलर जिस फॉर्म के साथ खेल रहे हैं उसे देखते हुए काम मुश्किल नहीं लगता है। बेंगलुरु ने यदि बटलर के बढ़ते कदमों पर अंकुश नहीं लगाया तो उसका हाल भी वही होगा जो राजस्थान के पिछले मैच में दिल्ली का हुआ था। बेंगलुरु के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड में बटलर को रोकने का दमखम है। अब तक के सीज़न में हेज़लवुड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए सबसे बेहतर गेंदबाज़ साबित हुए हैं। उन्होंने चार मुक़ाबलों में 11.2 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से आठ विकेट लिए हैं। आईपीएल 2021 से लेकर अब तक उन्होंने डेथ ओवर्स में अच्छी गेंदबाज़ी करते हुए नौ मुक़ाबलों में 8.40 की इकॉनमी से 7 विकेट लिए हैं। बेंगलुरु की टीम अपने पिछले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मात्र 68 रन पर लुढ़ककर नौ विकेट से हार गयी थी। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि बेंगलुरु इस बड़ी हार के बाद इस मुकाबले में कैसी वापसी करती है।

डीडीसीए निदेशक हरीश सिंगला सम्मानित

नयी दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में मेंबर्स के लिए बनाया गया बार लाइसेंस के निलंबन के कारण पिछले आठ वर्षो से बंद पडा था जिसके कारण डीडीसीए के मेंबर्स इस सुविधा से वंचित थे। डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने इस दिशा में अपने प्रयास शुरू किये । इसके लिए उन्होंने विशेष रूप से निदेशक हरीश सिंगला और उनके भाई तथा डीडीसीए के सदस्य दीपक सिंगला को नियुक्त किया जिन्होंने संबधित सभी विभागों में संपर्क करके प्रयास किये जिस कारण से बार लाइसेंस पुन: बहाल कर दिया गया है। अध्यक्ष रोहन जेटली ने बार का कल विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने साथ ही नवीनीकरण के बाद तैयार हुए रेस्टोरेंट का भी उद्घाटन किया। बार और रेस्टोरेंट को मेंबर्स के लिए आज से खोल दिया गया है। इस अवसर पर डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने दीपक सिंगला व हरीश सिंगला को प्रतीक चिन्ह देकर उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया। उद्घाटन के अवसर पर बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सीके खन्ना , डीडीसीए की उपाध्यक्ष श्रीमती शशि खन्ना, सचिव सिद्धार्थ साहिब सिंह वर्मा, निदेशक हरीश सिंगला, मंजीत सिंह, नवदीप मल्होत्रा, हर्ष गुप्ता , कई पूर्व निदेशक व बड़ी संख्या में डीडीसीए के मेंबर्स उपस्थित थे।

वायकॉम18 ने डीडी फ्रीडिश पर स्पोर्ट्स18 खेल के लॉन्च की घोषणा की

मुंबई। वायकॉम18 ने घोषणा की है कि उसका फ्री-टू-एयर (एफटीए) हिंदी चैनल स्पोर्ट्स18 खेल आज से प्रसार भारती की डीटीएच सेवा डीडी फ्रीडिश पर उपलब्ध हो गया है। वायकॉम18 ने कुछ दिन पहले ही अपने पे-टीवी चैनल स्पोर्ट्स18 के लॉन्च की घोषणा की थी। स्पोर्ट्स18 खेल दर्शकों को अपने पसंदीदा खेलों से जुड़े कार्यक्रमों को देखने की आजादी देगा। साथ ही इसके माध्यम से खेल प्रेमी 2021-22 एनबीए सीजन, अबू धाबी टी10 लीग, रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज, संतोष ट्रॉफी के अलावा कई अन्य खेल कार्यक्रमों के हाईलाइट्स का भी लुत्फ ले सकेंगे। वायकॉम18 स्पोर्ट्स के प्रवक्ता ने कहा, वायकॉम18 ने डीडी फ्रीडिश पर एक स्लॉट हासिल किया है, जिससे कि खेल कटेंट को आसानी से उपलब्ध कराया जा सके और दर्शकों को खेलों से जुड़े देखे जाने योग्य कार्यक्रमों में विस्तार मिल सके। स्पोर्ट्स18 खेल के माध्यम से खेल प्रेमी विभिन्न प्रकार के खेलों से जुड़े कंटेंट देख सकेंगे। यह पे-टीवी सेगमेंट में नए दर्शकों को जोड़ने का एक अवसर भी है।स्पोर्ट्स18 खेल आज से ही डीडी फ्रीडिश पर चैनल स25 पर उपलब्ध होगा। इस बीच, स्पोर्ट्स18 एसडी टाटा प्ले पर चैनल स488, एयरटेल डिजिटल टीवी पर चैनल स293, जियो टीवी+ पर चैनल स262 और चैनल स261 जियो टीवी+ पर स्पोर्ट्स18 एचडी उपलब्ध है। दर्शक वायकॉम18 के प्रीमियम वीडियो-ऑन-डिमांड प्लेटफॉर्म वूट (आईओएस और एंड्रॉइड) और जियो टीवी (आईओएस और एंड्रॉइड) को डाउनलोड करके अपने पसंदीदा खेल देखना जारी रख सकते हैं। दर्शक स्पोर्ट्स18 को फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर और यूट्यूब पर शेड्यूल, न्यूज, अपडेट, स्कोर और वीडियो के लिए फॉलो कर सकते हैं।

हरियाणा क्रिकेट अकादमी ने टी.एन. मेमोरियल अकादमी को 4 विकेट से हराया

गाजियाबाद। हरियाणा क्रिकेट अकादमी (आरसीएस) ने टी.एन. मेमोरियल क्रिकेट अकादमी, इंदिरा पुरम 8वें बॉडीकेयर कप संदीप सूरी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 2022 में चार विकेट से हरा दिया। टी.एन. मेमोरियल क्रिकेट अकादमी, इंदिरा पुरम ने 40 ओवर में 7 विकेट पर 232 रन बनाए जबकि हरियाणा क्रिकेट अकादमी ने 38.4 ओवर में 6 विकेट पर 235 रन बनाकर मैच जीत लिया। हरियाणा क्रिकेट अकादमी का मुख्य आकर्षण स्टार बल्लेबाज चैतन्य बिश्नोई की 105 गेंदों में 99 रन की शानदार पारी थी। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। टीएन पर मेमोरियल क्रिकेट अकादमी, इंदिरा पुरम की ओर से मुख्य स्कोरर आराध्या यादव थे जिन्होंने 107 गेंदों में 113 रन बनाए और अर्चित यादव जिन्होंने 78 गेंदों में 62 रन बनाए। इन दोनों के अच्छे स्कोर के बावजूद टी.एन. मेमोरियल क्रिकेट अकादमी, इंदिरा पुरम हार गई।हरियाणा अकादमी की ओर से मुख्य विकेट लेने वाले रौनक डबास थे जिन्होंने 8 ओवर में 55 रन देकर तीन विकेट लिए। आदित्य लाल ने 8 ओवर में 31 रन देकर दो विकेट लिए और कुलदीप देवतवाल जिन्होंने 2 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए।.

हमारा कोई भी बल्लेबाज़ लंबी पारी नहीं खेल पा रहा है : रोहित शर्मा

मुम्बई। इस सीज़न मुंबई इंडियंस की शर्मनाक शुरुआत को अमूमन नीलामी के दौरान उनकी रणनीति से जोड़ा जा रहा है। ख़ास तौर पर जोफ़्रा आर्चर पर नीलामी में किए गए खर्च पर लगातार चर्चा हो रही है। जोफ़्रा आर्चर मुंबई इंडियंस के लिए 2023 या उसके बाद के सीज़न में कमाल दिखा सकते हैं, लेकिन आईपीएल के इस संस्करण में उनकी गेंदबाज़ी जसप्रीत बुमराह पर ज़रूरत से ज़्यादा निर्भर हो गई है।

हालांकि रविवार को मुंबई के गेंदबाज़ों ने लखनऊ सुपर जायंट्स को एक कम स्कोर पर रोक कर बुमराह पर अत्याधिक निर्भरता के सिलसिले को समाप्त किया। केएल राहुल के शतक के अलावा लखनऊ के अन्य बल्लेबाज़ 58 गेंदों में सिर्फ़ 56 रन ही बना पाए। 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल नहीं था, लेकिन इसके बावजूद आखिरी ओवर डाले जाने से पहले ही मुंबई इंडियंस मैच से बाहर हो चुकी थी। मुंबई इंडियंस ऐसी परिस्थिति में पहुंच गई कि अंतिम ओवर में उसके हाथ में पांच विकेट बचे हुए थे, लेकिन जीत के लिए 39 रनों की दरकार थी। क्रुणाल पंड्या ने अंतिम ओवर में दो विकेट और एक रन आउट के ज़रिए मुंबई को लक्ष्य से 36 रन दूर पर ही रोक दिया।

इशान किशन का बल्लेबाज़ी के दौरान जूझना, कीरोन पोलार्ड का फुलर गेंदों के अलावा अन्य गेंदों को हिट न कर पाना, कप्तान रोहित शर्मा का एक ख़राब गेंद पर अपना विकेट गंवा देना इस मैच के हाईलाइट्स रहें। मैच के बाद रोहित शर्मा ने सीधे तौर पर इस हार के लिए टीम की बल्लेबाज़ी को दोषी ठहराया।

रोहित ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत करते हुए कहा, जब आप एक ऐसे लक्ष्य का पीछा कर रहे हों, तो साझेदारियों का बनना ज़रूरी होता है, लेकिन हमने ऐसा नहीं किया। कुछ गैरज़िम्मेदाराना शॉट की वजह से हमें वह मोमेंटम नहीं मिल पाया।

बल्लेबाज़ों के बीच आत्मविश्वास की कमी के संबंध में रोहित ने कहा, आप ऐसा कह सकते हैं। टूर्नामेंट में अब तक हमने उम्मीद से काफ़ी ख़राब बल्लेबाज़ी की है। सब कुछ बल्लेबाज़ी पर ही जाता है। जो मैदान में नज़रें जमा लेता है, तब यह उसकी ज़िम्मेदारी है कि वह लंबी बल्लेबाज़ी करे। लेकिन हम इस टूर्नामेंट में ऐसा कर पाने में विफ़ल रहे। हमारा कोई भी बल्लेबाज़ लंबी पारी नहीं खेल पाया। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी परिस्थिति में एक व्यक्ति को लंबी बल्लेबाज़ी करनी होगी।

रोहित की इस दलील को इस सीज़न में मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज़ों द्वारा निकले सिर्फ़ छह अर्धशतक मज़बूती प्रदान करते हैं। इन छह अर्धशतकों में से दो अर्धशतक अकेले इशान किशन के बल्ले से निकले हैं, लेकिन अन्य छह मुक़ाबलों में किशन ने 100 से भी कम के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। जयदेव उनादकट का 19.66 का बैटिंग औसत कप्तान ख़ुद रोहित शर्मा से बेहतर है। वहीं अनुभवी पोलार्ड ने हर मैच में बल्लेबाज़ी की है, लेकिन उनका उच्चतम स्कोर 25 ही है। रविवार को तीन रन के निजी स्कोर पर आउट होने वाले सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा के ऊपर ही मुंबई की पूरी बल्लेबाज़ी का भार है।

रविवार को मिली हार ने प्लेऑफ़ में पहुंचने की मुंबई की उम्मीद को बस अब आंकड़ों तक ही समेट कर रख दिया है।

मुंबई को अगले छह मुक़ाबले जीतने के बावजूद भी दूसरी टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर रहना पड़ेगा। वहीं इस सीज़न में अपनी पांचवीं जीत हासिल करने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स अक तालिका में एक बार फ़िर टॉप चार में काबिज़ हो चुकी है।

लखनऊ के कप्तान केएल राहुल इस मुक़ाबले से पहले वानखेड़े पर खेले गए अपने पिछले दो मुक़ाबलों में डक का शिकार हो गए थे। इसलिए रविवार का मैच बतौर बल्लेबाज़ भी उनके लिए डक की हैट्रिक से बच पाने की चुनौती बनकर आया था। लेकिन राहुल ने आखिरकार न सिर्फ़ वानखेड़े पर अपना खाता खोला, बल्कि उन्होंने 37 गेंदों में अपना अर्धखशतक भी पूरा किया।

इसके बाद राहुल ने 61 गेंदों में इस सीज़न का अपना दूसरा शतक भी जड़ दिया। यह मुंबई इंडियंस के ख़िलाफ़ भी इस सीज़न में उनका दूसरा शतक था। राहुल से पहले यह कारनामा विराट कोहली ने किया था, जब उन्होंने 2016 में एक ही टीम गुजरात लायंस के विरुद्ध दो शतक लगाए थे।

हमारी बल्लेबाज़ी में गहराई है जिससे मुझे काफ़ी मदद मिली : राहुल

मुम्बई। केएल राहुल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद कहा कि उनकी टीम की बल्लेबाजी में काफी गहराई है जिससे उन्हें फॉर्म में लौटने में मदद मिली।

राहुल ने मैच के बाद वानखेड़े पर अपने दो लगातार डक के बारे में बात करते हुए कहा, मैं बल्लेबाज़ी करते वक़्त सबसे पहले गेंद के बल्ले पर आने और सिंगल लेकर खाता खोलने बारे में सोच रहा था। मानसिक तौर पर मज़बूत होने के बावजूद आपके ज़हन में यह चलते रहता है, वह भी तब हाल ही में कोई वेन्यू आपके प्रति दयालु न रहा हो।

राहुल ने कहा उनकी नई फ़्रेंचाइज़ी की बल्लेबाज़ी में गहराई है और इसने उनकी खेल में काफ़ी मदद की है। राहुल ने कहा, मै पिच और परिस्थितियों को देखकर बल्लेबाज़ी करने की कोशिश करता हूं, लेकिन इस टीम की बल्लेबाज़ी में काफ़ी गहराई है। जेसन होल्डर बाद में बल्लेबाज़ी करने आते हैं। बल्लेबाज़ी में ऐसी ताकत और गहराई होने के कारण आप आज़ादी से खेल सकते हैं और कुछ जोखिम भी ले सकते हैं। इस टीम में मेरे साथ कुछ यही हो रहा है।

लखनऊ के गेंदबाज़ों ने 12 ओवरों में महज़ 67 के स्कोर पर मुंबई के चार बल्लेबाज़ों को मैदान भेज दिया था। गेंदबाज़ों के इस शानदार प्रदर्शन पर केएल राहुल ने कहा कि पावरप्ले और डेथ ओवर्स में शानदार गेंदबाज़ी करने वाली टीमें न सिर्फ़ पहले विजेता रही हैं, बल्कि इस सीज़न में भी ऐसी टीमों को जीत हाथ लग रही है। राहुल ने कहा कि टीम में ऑलराउंडर्स की मौजूदगी ने अच्छे प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई है।

दिल्ली कैपिटल्स में मिली आज़ादी से मेरा प्रदर्शन बेहतर हुआ

मुम्बई। दिल्ली कैपिटल्स के चाइनामैन गेंदबाज़ कुलदीप यादव इस सीज़न दिल्ली के लिए बेहतरीन गेंदबाज़ी कर रहे हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स से रिलीज़ किए जाने के बाद कुलदीप यादव को इस साल नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने ख़रीदा। अब तक कुलदीप ने दिल्ली कैपिटल्स के फ़ैसले को बिल्कुल सही साबित किया है।वह इस सीज़न में अब तक 13 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। 28 अप्रैल को कुलदीप अपनी पुरानी फ़्रैंचाइज़ी कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना करने वाले हैं। इससे पहले उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के पॉडकास्ट में खुलकर अपने दिल की बात कही।

कुलदीप ने दिल्ली कैपिटल्स के टीम प्रबंधन के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए कोच रिकी पोंटिंग, सहायक कोच शेन वॉटसन सहित तमाम लोगों की जमकर तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि उन्हें दिल्ली कैपिटल्स में ख़ुद को व्यक्त करने की आज़ादी मिली है और उनके खेल में आए निखार के पीछे सबसे बड़ा कारण भी यही आज़ादी है।

कुलदीप ने कहा, जब आपको ख़ुद को व्यक्त करने की आज़ादी मिलती है, तब आप हर चीज़ का आनंद लेने लगते हैं।

जब मैंने दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपने अभ्यास सत्र के दौरान मुख्य कोच रिकी पोंटिंग से बात की तो उन्होंने मुझसे कहा था कि मैं बहुत अच्छी गेंदबाज़ी कर रहा हूं और वह मुझे सभी 14 लीग मैचों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते देखना चाहते हैं। उनके साथ हुई उस बातचीत ने मुझे बहुत प्रेरित प्रेरित किया।

कुलदीप ने अपने पहले ट्रेनिंग सत्र में रिकी पोंटिंग से बातचीत के अलावा सहायक कोच शेन वॉटसन के साथ काम को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, शेन ने भी मेरी बहुत मदद की है। मैं बहुत ख़ुशक़िस्मत हूं कि मैंने वॉटसन के साथ तीन-चार सत्रों में काम किया है। उन्होंने विशेष रूप से खेल के मानसिक पहलू को लेकर मेरी मदद की। मैंने उनके साथ बहुत सारी बातें साझा की। मैं उनके साथ खुलकर बात करता हूं।

इस सीज़न में अपने शानदार प्रदर्शन का श्रेय कुलदीप ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत की विकेटकीपिंग को भी दिया है। कुलदीप ने कहा, मुझे लगता है कि ऋषभ स्टंप के पीछे एमएस धोनी की कुछ झलक दिखा रहा है। वह अच्छा मार्गदर्शन करता है और मैदान पर शांत भी रहता है। स्पिनरों की सफ़लता में विकेटकीपर एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। इस आईपीएल में मेरे प्रदर्शन का श्रेय ऋषभ को भी जाता है। अब हमारे बीच में अच्छा तालमेल बन गया है।

कुलदीप ने इस पॉडकास्ट एपिसोड में फ़ुटबॉल के प्रति अपने प्यार का इज़हार करते हुए कहा, मुझे क्रिकेट के बारे में बात करना पसंद नहीं है। मैं सिर्फ खेल खेलता हूं।

मैं तभी क्रिकेट के बारे में बात करता हूं, जब कोई गंभीर बातचीत चलती है कि मुझे एक खिलाड़ी के रूप में क्या करना चाहिए। मैं फ़ुटबॉल को बेहद नज़दीक से फ़ॉलो करता हूं। मैं इस खेल की रणनीति को फ़ुटबॉल मैनेजर्स के दृष्टिकोण को समझता हूं। हालांकि मैं बहुत अच्छी फ़ुटबॉल नहीं खेलता, लेकिन मुझे फ़ुटबॉल के बारे में काफी ज्ञान है।

पाकिस्तान के 6 और 10 भारत के 10 यूट्यूब चैनलों पर पर लगा बैन

नई दिल्ली। देश में प्रोपेगेंडा फैलाने वाले 6 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों को भारत के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के आदेश पर ब्लॉक कर दिया गया है। इसके साथ ही भारत से चलने वाले 10 अन्य यूट्यूब चैनलों पर भी यह कार्रवाई की गई है। इन सभी चैनलों की कुल मिलाकर 68 करोड़ के करीब व्यूअरशिप थी।

पाकिस्तान से भारत के बारे में दी जा रही थीं फेक न्यूज

मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान स्थित चैनलों से भारत के खिलाफ सुनियोजित ढंग से गलत सूचनाओं का प्रसारण किया जा रहा था। भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर, भारत के विदेश मंत्राल, यूक्रेन की स्थिति जैसे मसलों पर गलत जानकारी का प्रसारण लगातार किया जा रहा था। मिनिस्ट्री ने कहा कि इन चैनलों का कॉन्टेंट पूरी तरह से गलत पाया गया था। इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और देश की अखंडता के लिहाज से भी यह सही नहीं था।

सरकार का मानना है कि इन चैनलों का इस्तेमाल सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाने के लिए किया जा रहा था। इसके अलावा देश की आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से भी इन चैनलों पर सही बात नहीं कही जा रही थी। भारत के विदेश मामलों, सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक व्यवस्था को लेकर भी गलत टिप्पणियां इन चैनलों पर की जा रही थीं। मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान के मुताबिक इन चैनलों में से किसी ने भी आईटी रूल्स, 2021 के तहत केंद्र सरकार को अपने प्रसारण के बारे में जानकारी नहीं दी थी। मंत्रालय ने कहा, भारत से चलने वााले कुछ यूट्यूब चैनलों में एक समुदाय विशेष को आतंकवादी कहकर संबोधित किया जा रहा था। इससे अलग-अलग समुदायों के बीच वैमनस्यता पैदा होने का खतरा था। ऐसी सामग्री समाज में उपद्रव और दुर्भावना की स्थिति पैदा कर सकती थी। इसके अलावा व्यवस्था के भी बिगड़ने का खतरा था। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी तमाम चीजों को ध्यान में रखते हुए ही इन चैनलों को ब्लॉक करने का फैसला लिया गया।

यही नहीं सरकार का कहना था कि भारत से ही चलने वाले कई चैनल ऐसे भी थे, जिनमें बिना किसी वेरिफिकेशन के ही समाचारों का प्रसारण हो रहा था। गलत वीडियोज दिखाए जा रहे थे, जिससे समाज के अलग-अलग वर्गों में भय की स्थिति पैदा हो जाए।

बयान में कहा गया, फेक न्यूज के कुछ उदाहरण हैं कि कई बार गलत जानकारी दी गई कि सरकार पूरे भारत में कोरोना के चलते लॉकडाउन लगाने पर विचार कर रही है। इसके चलते माइग्रेट लेबर्स में डर की स्थिति पैदा हुई।

इसके अलावा कुछ धर्मों को लेकर भी गलत जानकारी दी गई और उनके अनुयायियों को खतरा होने की बातें कही गईं।

युद्ध के अपने उद्देश्य में रूस नाकाम, अगर सही इक्विपमेंट मिले तो जीत सकता है यूक्रेन : अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की कीव की गोपनीय यात्रा समाप्त हो गई है। यात्रा के बाद उन्होंने कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस के खिलाफ अपने देश की लड़ाई जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अमेरिका उन्हें उस लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगा। यूक्रेन में जेलेंस्की के साथ तीन घंटे की आमने-सामने की बैठक के एक दिन बाद, ऑस्टिन ने पोलैंड में कहा, उनकी मानसिकता है कि वे जीतना चाहते हैं, और हमारी मानसिकता है कि हम उन्हें जीतने में मदद करना चाहते हैं। ऑस्टिन ने कहा कि यूक्रेन में लड़ाई की प्रकृति अब बदल गई है कि रूस ने डोनबास के पूर्वी औद्योगिक गढ़ पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उत्तरी क्षेत्र से खुद को दूर खींच लिया है। लड़ाई की प्रकृति अब व्यापक हो गई है, इसलिए यूक्रेन की सैन्य जरूरतें भी हैं और जेलेंस्की अब अधिक टैंक, तोपखाने और अन्य हथियारों पर ध्यान दे रहे हैं। ऑस्टिन ने कहा, जीतने की दिशा में पहला कदम यह विश्वास करना है कि आप जीत सकते हैं। हम मानते हैं कि वे जीत सकते हैं, अगर उनके पास सही उपकरण, सही समर्थन है। हम वह सब कुछ करने जा रहे हैं जो हम कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि उन्हें वह मिलता रहे।

16.5 करोड़ डॉलर के गोला-बारूद की बिक्री को मंजूरी

ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की यात्रा फरवरी के अंत में रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेनी राजधानी की अमेरिकी अधिकारियों की उच्चतम स्तर की यात्रा थी। दोनों नेताओं ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और उनके सलाहकारों से कहा कि अमेरिका विदेशी सैन्य वित्तपोषण से 30 करोड़ डॉलर से अधिक की मदद प्रदान करेगा और 16.5 करोड़ डॉलर के गोला-बारूद की बिक्री को भी मंजूरी दी गई है। ब्लिंकन ने सोमवार को पोलैंड-यूक्रेन सीमा के पास कहा, हमें यूक्रेनी सरकार और यूक्रेन के लोगों के लिए हमारे मजबूत समर्थन को सीधे प्रदर्शित करने का अवसर मिला। यह हमारे फैसले के मुताबिक, विस्तार से आमने-सामने बातचीत करने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था। यूक्रेनी नेताओं के साथ बैठक तीन घंटे तक चली, जिसमें विस्तृत बातचीत हुई कि आने वाले हफ्तों में देश को क्या मदद चाहिए।

रूस अपने युद्ध उद्देश्यों में नाकाम रहा

ब्लिंकन ने कहा,हमने जो रणनीति बनाई है, यूक्रेन के लिए बड़े पैमाने पर समर्थन, रूस के खिलाफ भारी दबाव, इन प्रयासों में लगे 30 से अधिक देशों के साथ एकजुटता के वास्तविक परिणाम हैं। जब रूस के युद्ध के उद्देश्यों की बात आती है, तो रूस नाकाम हो रहा है। यूक्रेन सफल हो रहा है। रूस अपने प्रमुख उद्देश्य के रूप में यूक्रेन को पूरी तरह से अपने अधीन करना, उसकी संप्रभुता को छीनना, उसकी स्वतंत्रता को छीनना चाहता है। वह विफल रहा है। यह पूछे जाने पर कि अमेरिका सफलता के रूप में क्या देखता है, ऑस्टिन ने कहा, हम यूक्रेन को एक संप्रभु देश के रूप में देखना चाहते हैं, एक लोकतांत्रिक देश अपने संप्रभु क्षेत्र की रक्षा करने में सक्षम है, हम रूस को उस बिंदु तक कमजोर देखना चाहते हैं जहां वह यूक्रेन पर हमले जैसे कदम न उठा सके।

विश्व की सबसे उम्रदराज महिला का निधन

टोक्यो। दुनिया की सबसे उम्रदराज व्यक्ति के रूप में प्रमाणित 119 वर्षीय जापानी महिला का निधन हो गया। एनएचके प्रसारक ने सोमवार को स्थानीय आधिकारियों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक तनाका केन फुकुओका शहर में वयोवृद्ध आश्रम में निवासरत थी। एक स्थानीय अस्पताल में गत मंगलवार को उनका निधन हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक चॉकलेट और सोडा पेय की शौकीन तनाका ने 120 वर्ष की उम्र तक जीवित रहने की उम्मीद जतायी थी। उनका जन्म दो जनवरी 1903 में हुआ था। वर्ष 2019 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उनका नाम जीवित सबसे उम्रदराज व्यक्ति के रूप में प्रमाणित किया गया था।

बीजिंग में कोरोना का प्रसार तेज

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में कोरोना संक्रमण के प्रसार में अचानक आयी तेजी से लोगों में सख्त लॉकडाउन की आशंकाओं को लेकर दहशत पैदा हो गई है और सरकार ने बड़े पैमाने पर परीक्षण शुरु कर दिये हैं। शंघाई में इस तरह की स्थिति पहले से ही है। बीबीसी के अनुसार चाओयांग जिले में एक सप्ताह में कोरोना के 26 नये मामले सामने आये हैं जो देश में कोविड के नये प्रसार में सबसे अधिक है। कोविड-19 के बहुत तेजी से पैर पसारने से लोगों में अफरातफरी मच गई। सुपरमार्केट और दुकानों पर लोगों की लंबी कतारें देखीं जा सकती हैं। लोगों में डर है कि शंघाई की तरह राजधानी के भी हालात हो जायेंगे और लॉकडाउन में लोगों को अपने घरों में भूखे -प्यासे तड़पना पड़ेगा। इस बीच आवश्यक आपूर्ति का स्टॉक करने की हड़बड़ी के बीच, राजधानी के प्रमुख सुपरमार्केट ने अपने खुलने का समय बढ़ा दिया है। शहर के रोग निवारण दल ने एक बयान जारी करके कहा है कि सर्वाधिक आबादी वाले जिले चाओयांग में सभी 35 लाख लोगों का सामूहिक परीक्षण किया जाएगा। इसे तीन चरणों में पूरा किया जायेगा। समाचार पत्र 'चाइना डेली' ने बीजिंग सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन एंड कंट्रोल के उप निदेशक पैंग जिंगहुओ के हवाले से कहा कि राजधानी में कोविड के मामलों में वृद्धि होने की आशंका है।

कोई भी विदेशी हमला बर्दाश्त नहीं

काबुल 25 अप्रैल (वार्ता) अफगानिस्तान ने हाल ही में पाकिस्तान की ओर से किये गये हवाई हमलों का जिक्र करते हुए कहा है कि वह किसी भी विदेशी हमले को कतई सहन नहीं करेगा। 'खाम्मा समाचार एजेंसी ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री मुल्ला मोहम्मद याकूब के हवाले से यह जानकारी दी है। श्री याकूब ने कहा,अफगानिस्तान अभी भी दुनिया और अपने पड़ोसियों से गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। खोस्त और कुनार प्रांतों में पाकिस्तान की ओर से किये गये हालिया हमलों से इसे समझा जा सकता है। उन्होंने कहा,हम अपने देश और लोगों की रक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। हमने हाल के हमले अपने राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर सहन किया लेकिन अब हम ऐसा नहीं करेंगे। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने गत रविवार को हवाई हमले को लेकर काबुल में पाकिस्तानी राजदूत मंसूर अहमद खान को तलब किया था। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने इसके जबाव में सीमावर्ती क्षेत्रों में अफगानी हमलों में वृद्धि की चर्चा करते हुए इसकी कड़ी निंदा की थी। पाकिस्तान ने 16 अप्रैल को अफगानिस्तान के खोस्त और कुनार प्रांतों पर हमला किया था। इस हमले में 40 से अधिक लोग मारे गए।

रूस के खिलाफ यूरोपीय संघ ने तैयार किया छठवां पैकेज

ब्रुसेल्स। यूरोपीय संघ के कार्यकारी उपाध्यक्ष और ट्रेड कमिश्नर वाल्डिस डोम्ब्रोव्स्की ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन में यूरोपीय संघ रूस के खिलाफ तेल सहित अन्य वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए छठवां पैकेज तैयार किया है। डोम्ब्रोव्स्की ने द टाइम्स को बताया कि रूसी सेना की ओर से यूक्रेन पर हमले जारी रखने के खिलाफ छठवां पैकज तैयार करने पर विचार किया है। इस पैकेज में तेल सहित अन्य वस्तुएं शामिल होंगी जिन पर प्रतिबंध लगाया जाएगा, जिससे रूस पर हमले को रोकने के लिए दबाव बनाया जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

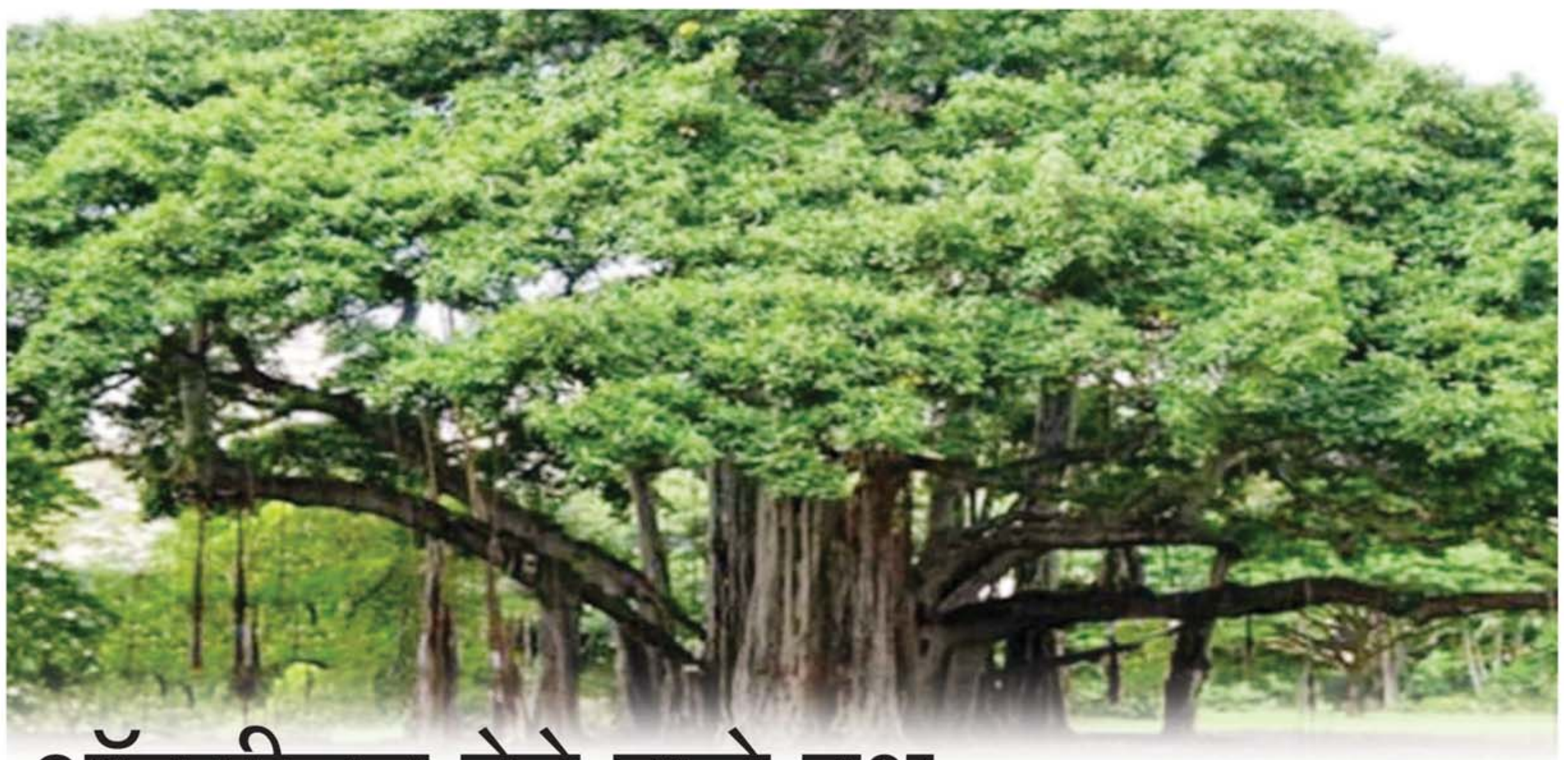

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ- देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न-जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।

- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रातः पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।' अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।
- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास** : हिंदू धर्म में जब भी कोई माँगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी** : विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता-फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

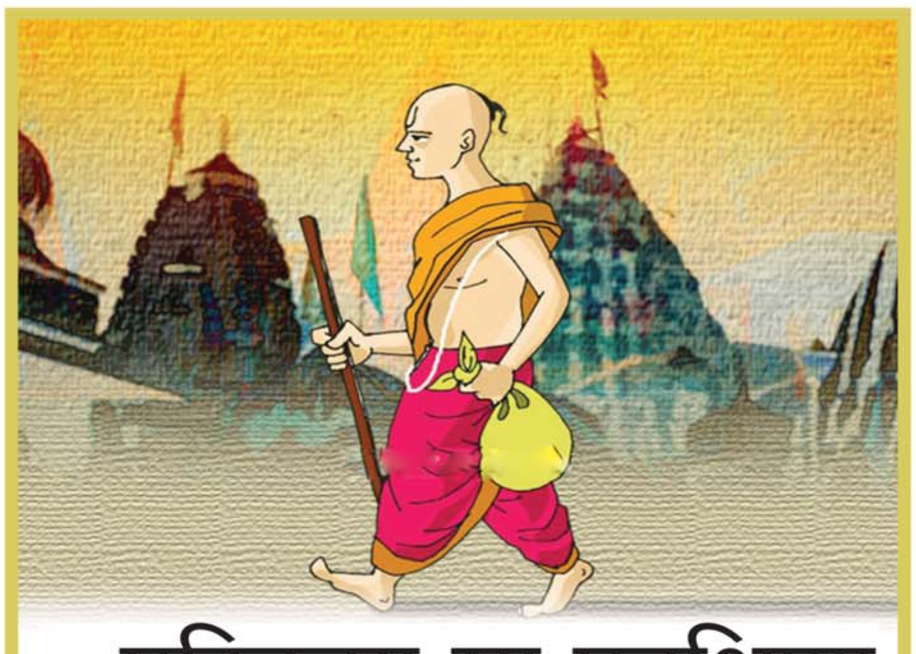

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मों (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा
जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा
देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा
जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा
जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा
जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा
जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा
जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा
अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाज्रक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग-अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा
मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा
भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा
जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा
एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा
यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?

- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

10 फरवरी 2023 को रिलीज होगी रणवीर-आलिया की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह और अभिनेत्री आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 10 फरवरी 2023 को रिलीज होगी।

बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर इन दिनों फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी बना रहे हैं। इस फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की अहम भूमिका है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की रिलीज डेट का एलान हो चुका है। करण जौहर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर और पोस्ट साझा कर दी है। इस तस्वीर में रणवीर सिंह, आलिया भट्ट और करण जौहर को गले लगाते हुए नजर आ रहे हैं।

करण जौहर ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान करते हुए पोस्ट में लिखा, इतना जोश और जज्बाती जवानी, प्रीतम की धमाकेदार धुन भी है सुनानी, गरम धर्म का स्वैग तो देखो! बस हमारी पंसदीदा जया जी की तस्वीर मत खींचो। अब उनकी बेशुमार तारीफ करनी है लाजमी, इकलौती शबाना आज़मी! और फिर गुच्ची में लिपटा रॉकी के रूप में रणवीर, इश्क के घोडे पर सवार जैसे एक आशिक जॉकी! बॉक्स ऑफिस की महारानी हमारी आलिया रानी, क्या फिर बनेगी दुल्हिनया

इन दिस कहानी इन सबका करें आप इंतजार, हम जल्द आ रहे हैं आपका इश्क वाला लव जीतने। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 10 फरवरी, 2023।

गौरतलब है कि फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह रॉकी और आलिया भट्ट रानी के लीड किरदार में नजर आने वाली हैं। रणवीर और आलिया के अलावा रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आज़मी भी अहम किरदार में नजर आएगी।

देशभक्ति पर आधारित फिल्म में काम करेंगी सारा अली खान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान देशभक्ति पर आधारित फिल्म में काम करती नजर आयेंगी। बॉलीवुड में चर्चा है कि सारा अली खान जल्द ही स्वतंत्रता आंदोलन पर आधारित फिल्म में नजर आने वाली हैं। कानन अय्यर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में सारा मुख्य भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। इस फिल्म के महत्वपूर्ण हिस्से को शूट कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि देशभक्ति से प्रेरित इस फिल्म का निर्माण करण जौहर के धर्मैटिक एंटटेनमेंट के बैनर तले किया जा रहा है और यह फिल्म ओटीटी प्लेट फॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

सनी देओल ने सूर्या की शूटिंग शुरू की

मुंबई। बॉलीवुड के माचो हीरो सन्नी देओल ने अपनी आने वाली फिल्म सूर्या की शूटिंग शुरू कर दी है। सन्नी देओल ने जयपुर में सूर्या की शूटिंग शुरू कर दी है। सन्नी ने इस फिल्म के सेट से अपनी एक फोटो भी साझा की। इस फोटो में सनी देओल सीढियों पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। फोटो में उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई नजर आ रही है। सनी देओल का लुक बेहद सिंपल और आकर्षक लग रहा है। फोटो शेयर करते हुए सनी ने कैप्शन में लिखा, उसके पास सारी खुशियां थीं लेकिन फिर जीवन की यात्रा ने उसकी खुशियां छीन लीं। उसे घृणा, क्रोध और प्रतिशोध के साथ छोड़ दिया। लेकिन सूर्या को एक मकसद मिल गया...। सनी देओल की सूर्या मलयालम फिल्म जोसेफ की हिंदी रीमेक है।

राधिका मदान के साथ काम करेंगे अक्षय कुमार

मुंबई। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार अभिनेत्री राधिका मदान के साथ काम करते नजर आयेंगे। अक्षय कुमार ,राधिका मदान के साथ काम करने जा रहे हैं। यह फिल्म दक्षिण भारतीय फिल्म का हिंदी रीमेक है। अक्षय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर नारियल तोड़ने की रस्म निभाते हुए राधिका मदान का एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म के नाम के लिए लोगों से सुझाव भी मांगे हैं। यह फिल्म सूर्या स्टारर वर्ष 2020 में प्रदर्शित तमिल फिल्म सोरारई पोट्रु का हिंदी रीमेक है। अक्षय ने वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि नारियल तोड़ने और अपने दिलों में प्राथना करने के साथ ही हम सभी ने अपनी अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। यदि आपके पास फिल्म के नाम के लिए कोई सुझाव हैं, तो साझा करें और अपनी शुभकामनाएं भी दें।

बॉलीवुड की इन 3 चीजों को पसंद नहीं करते नवाजुद्दीन सिद्दीकी

मुंबई। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्मों के कॉन्टेंट से लेकर बॉलीवुड में काम करने के तरीकों पर सवाल उठाया है। आज के वक्त में जब साउथ की फिल्मों का बोलबाला है तब नवाजुद्दीन ने इस पर भी अपनी राय रखी और बताया कि क्यों साउथ की फिल्में छाई हुई हैं। हाल के दिनों में देखें तो 'पुष्पा', 'आरआरआर ' और फिर 'केजीएफ चैप्टर 2' ने कमाई के रिकॉर्ड बनाए हैं। यही नहीं इन फिल्मों के आगे हिन्दी फिल्में भी फीकी पड़ती दिखीं। नवाजुद्दीन ने बताया कि वह बॉलीवुड की कौन सी 3 चीजें बदलना चाहते हैं।

इन चीजों से है नवाजुद्दीन को दिक्कतें

एक चैनल के कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने जो बातें कहीं वह वायरल हो रहा है। नवाजुद्दीन से पूछा गया कि बॉलीवुड की कौन सी 3 चीजें बदलना चाहते हैं, इस पर उन्होंने कहा, 'पहले तो इसका नाम ही बदलूंगा, हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री रखो ना। दूसरा हमारे पास जो स्क्रिप्ट आती है वह रोमन में आती है। उसे याद करना बहुत मुश्किल हो जाता है तो मैं देवनागरी में मांगता हूं।'

साउथ का माहौल है अलग

वह कहते हैं, 'तीसरा ये कि आस-पास का जो माहौल है ना, डायरेक्टर-असिस्टेंट डायरेक्टर हर कोई इंग्लिश में बात कर रहा होता है। एक्टर के समझ में ही नहीं आ रहा... सीधा-सीधा बोल दे ना यार... उससे क्या है कि परफॉर्मेंस पर भी असर पड़ता है।' नवाजुद्दीन ने आगे कहा, 'जैसे साउथ की एक अच्छी बात है कि तमिल में बात करते हैं, गर्व महसूस करते हैं, कन्नड़ है तो गर्व से बात करते हैं। अब जो वहां पर हैं राइटर्स, डायरेक्टर्स, मेकअप आर्टिस्ट वो वहां की भाषा में बात कर रहे हैं। तमिल है तो तमिल, कन्नड़ है तो कन्नड़ या मलयाली में बात कर रहे हैं। तो उनका जो माहौल बनता है अलग तो होगा ना... सबको समझ आ रहा है सबकी बातें... हमारे यहां ऐसा है डायरेक्टर पता नहीं क्या कह रहा, असिस्टेंट कुछ और कह रहा है, एक्टर जिसे इंग्लिश समझ नहीं आ रही उसे पता ही नहीं हो क्या रहा है।'

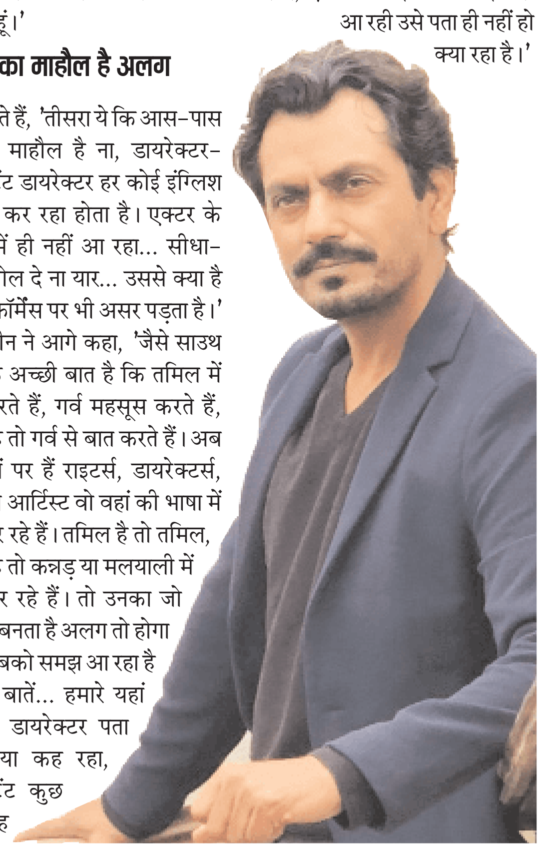

CMYK CMYK CMYK CMYK